सूर्योदय 5:57 सूर्यास्त 6:45

आज का तापमान

	न्यू	अधि
शिमला	16 न्यू	21 अधि
धर्मशाला	23 न्यू	28 अधि

बाजार

सेंसेक्स	79,810
निफ्टी	24,427

सोना 1,02,089 चांदी 1,17,256

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | सोमवार, 1 सितंबर 2025 | 17 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 244, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

चंबा में 394 पेयजल योजनाएं बहाल 100 करोड़ का नुकसान: डिप्टी सीएम

पृष्ठ 3 पर

न्यूज शॉर्ट्स

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में दो आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों को एक बार फिर दो आतंकियों को पकड़ने में सफलता मिली है। रविवार को जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में 2 आतंकी गिरफ्तार हुए हैं। दोनों से अवैध हथियार राइफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। मुखबिर की सूचना के आधार पर छापा मारकर सुरक्षा बलों और स्टेट पुलिस ने दोनों आतंकियों को पकड़ा। (अनंत ज्ञान)

लखनऊ में पटाखा फैक्टरी में ब्लास्ट, 4 लोगों की मौत

एजेंसी, लखनऊ। लखनऊ में रविवार सुबह एक पटाखा फैक्टरी में धमाका हो गया। हादसे में फैक्टरी मालिक और उसकी पत्नी समेत 4 की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि कई लोग मलबे के नीचे दबे हैं। डीएम-कमिश्नर मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस टीमें मलबे में दबे लोगों का रेस्क्यू कर रही हैं। धमाका इतना भीषण था कि आसपास के 2-3 मकान भी टूट गए। इससे करीब 10 लोग घायल हुए हैं। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही घायलों को स्थानीय लोग अस्पताल ले गए। (अनंत ज्ञान)

इंदौर जा रही एयर इंडिया फ्लाइट दिल्ली वापस लौटी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली से इंदौर पर जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2913 (ए-320 नियो विमान) को दिल्ली लौटा लिया गया। पायलट को दाहिने इंजन में आग लगने की सूचना मिली थी। एयर इंडिया ने कहा कि रविवार सुबह 6.15 बजे 90 यात्रियों के साथ प्लेन ने उड़ान भरी थी। करीब आधे घंटे बाद इंजन में फायर इंडिकेशन मिला। स्टैंडर्ड प्रोसेस के तहत पायलट ने इंजन बंद किया। बाद में प्लेन की एयरपोर्ट पर सेफ लैंडिंग हुई। एयरलाइन ने कहा कि प्लेन का ग्राउंड इंस्पेक्शन कराया जाएगा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को भी घटना की जानकारी दी गई है। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- एनआईटी में दुकानों के आवंटन को लेकर उठा विवाद -पेज 2
- कैग रिपोर्ट में कांग्रेस सरकार की नाकामी उजागर: अनुराग -पेज 3
- राधाष्टमी के शाही स्नान में डल झील में बारिश बनी बाधा -पेज 5
- मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद भी दर्ज नहीं हुई एफआईआर -पेज 9
- बारिश से जनता बेहाल, कई गांवों का संपर्क टूटा -पेज 10

पीएम मोदी ने आतंकवाद से लड़ने में चीन का मांगा साथ

कहा- दोनों देशों के बीच सहयोग से 2.8 अरब लोगों को होगा फायदा

एजेंसी, बीजिंग

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दोनों के बीच 50 मिनट बातचीत हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोदी ने आतंकवाद को वैश्विक मुद्दा बताया और इसके खिलाफ लड़ाई में चीने से भारत का साथ देने की मांग की। मोदी ने यह भी कहा कि भारत और चीन के बीच सहयोग से 2.8 अरब लोगों को फायदा होगा और यह पूरी मानवता के कल्याण का रास्ता खोलेगा। इसके साथ ही उन्होंने जिनपिंग को भारत में आयोजित ब्रिक्स 2026 में आने के लिए न्योता दिया।

जिनपिंग को भारत आने के लिए दिया न्योता

प्रधानमंत्री मोदी के चीन दौरे के बाद भारत और चीन के रिश्तों में नरमी के संकेत दिखे हैं। आर्थिक दबाव और वैश्विक हालात ने दोनों देशों को साथ बैठने पर मजबूर किया है। 2020 की गलवान झड़प के बाद पहली बार दोनों देशों ने सीमा और व्यापार से जुड़े कई अहम मसलों पर सहमति बनाई है। हालांकि, सीमा विवाद और पानी के मसले जैसे बड़े विवाद बने हुए हैं। (अनंत ज्ञान)

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलते भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

ड्रैगन-हाथी एक साथ आएं यही सही विकल्प: जिनपिंग

बैठक में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि भारत और चीन को अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए। जिनपिंग ने कहा, 'चीन और भारत पूर्व की दो प्राचीन सभ्यताएं हैं। हम दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं और हम ग्लोबल साउथ के भी महत्वपूर्ण सदस्य हैं। हम दोनों अपने लोगों की भलाई में सुधार लाने, विकासशील देशों की एकजुटता और कायाकल्प को बढ़ावा देने और मानव समाज की प्रगति को बढ़ावा देने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभाते हैं। दोनों देशों के लिए यह सही विकल्प है कि ड्रैगन और हाथी एक साथ आएं। वे ऐसे मित्र बनें, जिनके अच्छे पड़ोसी और सौहार्दपूर्ण संबंध हों। ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की सफलता में सहायक हों।' उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को अपने संबंधों को रणनीतिक ऊंचाइयों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना और संभालना होगा, ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों का निरंतर, सुदृढ़ और स्थिर विकास हो सके।

वार्ता के मुख्य बिंदु

- सीमा पर शांति-स्थिरता बनाने पर सहमति।
- बॉर्डर मैनेजमेंट को लेकर भी बनी सहमति।
- कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर शुरू करने पर सहमत।
- डायरेक्ट फ्लाइट भी फिर से शुरू।

ट्रंप की एकतरफा नीतियों पर कटाक्ष

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एकतरफा नीतियों पर कटाक्ष करते हुए जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों को बहुपक्षवाद को कायम रखना चाहिए। शी ने कहा कि भारत और चीन को एक बहुध्रुवीय विश्व और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अधिक लोकतंत्र के लिए भी काम करना चाहिए।

पांच जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

शिमला, सोलन और सिरमौर के शिक्षण संस्थानों में आज छुट्टी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। राज्य के कई हिस्सों में बादल फटने की घटनाओं ने तबाही मचा दी है। मौसम विभाग ने एक सितंबर के लिए बिलासपुर, शिमला, कुल्लू, सोलन और सिरमौर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि हमीरपुर, कांगड़ा, ऊना, मंडी और किन्नौर को भी येलो अलर्ट पर रखा गया है। सोमवार को भारी बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए शिमला, सोलन, सिरमौर और कुल्लू के बंजार, कुल्लू व मनाली सब डिवीजन में सभी शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। इसे लेकर तीनों जिलों के डीसी ने आदेश जारी कर दिए हैं।

वहीं, भारी बारिश से चंबा जिले में भरमौर-पठानकोट हाईवे जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गया है। करीब 20 किलोमीटर सड़क जमींदोज होने से भरमौर-पांगी और चुराह का संपर्क पूरी तरह कट गया। ऐसे में मणिमहेश यात्रा पर भी संकट गहरा गया है। वहीं, मंडी जिले के झलोगी के पास किरतपुर-मनाली फोरलेन से गुजर रही एक एंबुलेंस अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में चालक घायल हो गया। गनीमत यह रही कि वाहन ब्यास नदी में गिरने से पहले ही रुक गया। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

राजधानी शिमला में सड़क किनारे भूस्खलन होने से मलबे में फंसे वाहन।

राजधानी शिमला में मलबे में दबीं गाड़ियां

राजधानी शिमला भी लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन से प्रभावित है। शनिवार देर रात विकासनगर क्षेत्र में पहाड़ी से भारी मलबा गिरने से मंदिर के पास खड़े वाहन दब गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यहां चार से पांच गाड़ियां पूरी तरह मलबे में समा गईं। इसी तरह सोलन-बड़ोग मार्ग पर भी यात्रियों को बारिश के बीच पत्थर गिरने की वजह से खतरनाक सफर करना पड़ा।

नुकसान का आंकड़ा 3 हजार करोड़ के पार

राज्य आपदा संचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, इस मानसून में अब तक 3,042 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो चुका है। प्रदेश में तीन राष्ट्रीय राजमार्ग समेत 822 सड़कें बंद हैं। 1,236 बिजली ट्रांसफार्मर और 424 पेयजल योजनाएं ठप हैं। अब तक 320 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 4,000 से अधिक घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं।

कुल्लू में लोरन नाले में फ्लैश फ्लड ने मचाई तबाही

अनंत ज्ञान, कुल्लू। रविवार को जिला मुख्यालय कुल्लू के साथ लगते शीतला माता मंदिर के पास लोरन नाले में फ्लैश फ्लड ने खूब कहर बरपाया। हालांकि, किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ है। भारी बारिश के कारण नगर नाले में पानी बढ़ने से कुल्लू-मनाली लेफ्ट बैंक सड़क नगर में बंद हो गई थी। हालांकि, युद्धस्तर पर बहाली कार्य शुरू कर सड़क को बहाल किया गया है। इस मौके पर मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ भी मौजूद रहे।

लड़कियों-युवतियों की शिक्षा में अहम योगदान के लिए मिला सम्मान

'एजुकेट गर्ल्स' संस्था को मैग्सेसे अवॉर्ड

एजेंसी, मनीला

फिलीपींस की राजधानी मनीला में रविवार को घोषित 2025 के रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड की सूची में भारत की गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स का नाम शामिल किया गया है। यह पहली बार है, जब किसी भारतीय संगठन को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला है। संस्था को लड़कियों और युवतियों की शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार एशिया का 'नोबेल प्राइज' माना जाता है। एजुकेट गर्ल्स की स्थापना 2007 में सेफीना हुसैन ने की थी। वह लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई कर चुकी हैं। संस्था ने राजस्थान से काम शुरू किया और सबसे पिछड़े इलाकों में उन लड़कियों को स्कूल से जोड़ा, जो पढ़ाई से वंचित थीं। (अनंत ज्ञान)

भारत के लिए गौरव का क्षण: सेफीना हुसैन

संस्था की संस्थापक सेफीना हुसैन ने इस उपलब्धि को ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार भारत की लड़कियों की शिक्षा के लिए चलाए जा रहे जन आंदोलन को वैश्विक पहचान दिलाता है। इससे पहले भारत से मदर टेरेसा, जयप्रकाश नारायण, सत्यजीत रे, अरविंद केजरीवाल, किरण बेदी और रविश कुमार जैसे नाम मैग्सेसे अवॉर्ड पा चुके हैं। अब एजुकेट गर्ल्स का नाम इस सूची में शामिल होना देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री के राहत-बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

लोगों से की प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने, नदी-नालों से दूर रहने की अपील

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रविवार को शिमला पहुंचते ही प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और उससे हुए नुकसान की स्थिति की समीक्षा की। दोपहर करीब दो बजे सरकारी आवास ओक ओवर पहुंचने के बाद उन्होंने मुख्य सचिव से विस्तृत जानकारी ली। मुख्य सचिव ने उन्हें प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति और वहां उठाए जा रहे कदमों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए और कहा कि लोगों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें, सतर्क रहें और नदी-नालों के किनारे जाने से बचें।

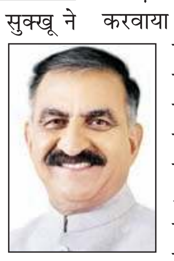

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है और प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में फिलहाल मूसलाधार बारिश जारी है। ऐसे में सभी लोग सावधानी बरतें और मुश्किल में फंसे लोगों की मदद करने में सहयोग दें।

खराब मौसम के चलते कुल्लू दौरा रद्द

खराब मौसम के चलते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रविवार को प्रस्तावित कुल्लू दौरा रद्द कर दिया। मुख्यमंत्री शनिवार को आपदा प्रभावित चंबा और कांगड़ा जिलों का हवाई सर्वेक्षण कर चुके हैं। रविवार को उनका कुल्लू जिला जाने का कार्यक्रम था, लेकिन खराब मौसम के चलते उन्हें चंडीगढ़ से सड़क मार्ग से शिमला लौटना पड़ा।

रूस-यूक्रेन जंग पर भारत को निशाना बनाना गलत: जयशंकर

एजेंसी, नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिनलैंड के विदेश मंत्री से फोन पर बातचीत में कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत को गलत तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत हमेशा शांति और बातचीत की वकालत करता रहा है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'आज फिनलैंड के विदेश मंत्री से फोन पर बात हुई। हमने यूक्रेन जंग और इसके असर पर बात की। इस मामले में भारत को गलत तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हम बातचीत और डिप्लोमेसी के पक्ष में हैं।' दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर रूसी तेल खरीद की वजह से 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया है। ट्रंप का कहना है कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है, जिस वजह से पुतिन को यूक्रेन जंग जारी रखने में मदद मिल रही है। विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब पीएम मोदी एससीओ समिट में शामिल होने चीन पहुंचे हैं। यहां वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। (अनंत ज्ञान)

कहा-हम युद्ध के नहीं, बल्कि बातचीत के हिमायती

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले को रखा बरकरार

वाहन सार्वजनिक स्थान का इस्तेमाल नहीं कर रहा, तो उस पर न लगाया जाए टैक्स

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय में जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के दिसंबर 2024 के फैसले को चुनौती देने वाली एक अपील पर अपना फैसला सुनाया। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, 'मोटर वाहन कर प्रतिपूरक प्रकृति का होता है। मोटर वाहन कर लगाने का औचित्य यह है कि जो व्यक्ति सार्वजनिक बुनियादी ढांचे-जैसे सड़क, राजमार्ग आदि का इस्तेमाल करता है, तो उसे इसका भुगतान करना होगा।' अगर किसी मोटर वाहन का उपयोग सार्वजनिक स्थान पर नहीं किया जाता है तो ऐसी अवधि के लिए मोटर वाहन कर नहीं लगाया जाना चाहिए। (अनंत ज्ञान)

यह है मामला

कोर्ट ने 1985 से रसद सहायता देने के व्यवसाय में लगी एक फर्म द्वारा दायर अपील पर कहा कि फर्म को नवंबर 2020 में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की एक कॉरपोरेट इकाई विशाखापत्तनम स्टील प्लांट, आंध्र प्रदेश के केंद्रीय डिस्पैच यार्ड में लौह और इस्पात सामग्री के संचालन और भंडारण के लिए एक अनुबंध दिया गया था। पीठ ने कहा कि कंपनी ने केंद्रीय डिस्पैच यार्ड परिसर में 36 मोटर वाहन चलाए थे। कंपनी ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि केंद्रीय डिस्पैच यार्ड चारदीवारी से घिरा हुआ है और प्रवेश-निकास उन द्वारों से होता है, जहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवान तैनात हैं और किसी भी आम नागरिक को वहां जाने का अधिकार नहीं है। जब कंपनी के वाहन केंद्रीय डिस्पैच यार्ड परिसर में इस्तेमाल किए जा रहे थे, उस अवधि में कंपनी ने आंध्र प्रदेश प्राधिकरण से मोटर वाहन कर के भुगतान से छूट की अपील की। बाद में मामला उच्च न्यायालय पहुंचा, जहां से कंपनी को राहत देते हुए राज्य प्राधिकरण को कंपनी को 22,71,700 रुपए वापस करने का निर्देश दिया। फैसले के खिलाफ प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने भी उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा है।

सुप्रीम कोर्ट में फर्जी दलों पर सख्ती के लिए याचिका दायर

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में एक अहम याचिका दायर की गई है, जिसमें चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए ठोस नियम बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि देश में फर्जी और बेनामी राजनीतिक दल लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। ये दल न सिर्फ अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को अपने पदाधिकारी बना रहे हैं, बल्कि भारी चंदा लेकर अपराधियों को संगठन में जगह दे रहे हैं। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था और पारदर्शिता पर सीधा हमला हो रहा है। याचिका में दावा किया गया है कि कई ऐसे दल अस्तित्व में आ गए हैं, जिन्होंने अपहरणकर्ताओं, ड्रग्स तस्करों, मनी लॉन्ड्रिंग करने वालों और कुख्यात अपराधियों को राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पदाधिकारी बना दिया है। इन दलों ने बड़ी धनराशि लेकर अपराधियों को संरक्षण दिया और उन्हें राजनीतिक वैधता प्रदान की। याचिका में यह भी आरोप है कि अलगाववादी समूहों ने भी राजनीतिक दल बनाकर चंदा इकट्ठा करने का रास्ता अपना लिया है और कई नेताओं को पुलिस सुरक्षा तक मिल चुकी है। (अनंत ज्ञान)

चुनाव आयोग को सख्त नियम बनाने के लिए निर्देश देने की मांग

वायुसेना को जल्द मिल सकते हैं 2 तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा सचिव आरके सिंह ने कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड इस महीने भारतीय वायुसेना को दो तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान सौंप सकता है। इन विमानों में वेपंस इंटीग्रेशन यानी हथियारों को भी जोड़ा गया है। इसके अलावा सरकार एचएएल के साथ 97 और तेजस खरीदने का नया करार करने जा रही है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 67,000 करोड़ रुपए होगी। इससे पहले न्यूज एजेंसी एएनआई ने रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया था कि केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को भारतीय वायुसेना के लिए 97 LCA मार्क-1ए फाइटर जेट खरीदने के लिए 62 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। दरअसल, फरवरी 2021 में सरकार ने एचएएल के साथ 83 तेजस मार्क-1ए खरीदने के लिए 48,000 करोड़ का करार किया था, लेकिन एचएएल अमेरिकी इंजन की डिलीवरी में देरी की वजह से अभी तक एक भी एयरक्राफ्ट नहीं सौंप पाया है। (अनंत ज्ञान)

क्या है तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान?

तेजस मार्क-1ए एयरक्राफ्ट का एडवांस वर्जन है। इसमें अपग्रेडेड एवियॉनिक्स और रडार सिस्टम लगे हैं। एलसीए मार्क-1ए के 65% से ज्यादा उपकरण भारत में बने हैं। तेजस को भी एचएएल ने डेवलप किया है। यह सिंगल इंजन वाला हल्का लड़ाकू विमान है।

साइबर सुरक्षा उपभोक्ता सुरक्षा पर विशेष पहल, निवेश और बचत की सुरक्षा होगी और मजबूत

हिमाचल के बैंक बनाएंगे ग्राहकों को साइबर सुरक्षित

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। प्रदेश में अब बैंकिंग प्रणाली मजबूत होगी। सभी प्रमुख बैंक अपने ग्राहकों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखेंगे। डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते दौर में अपराधियों की पैठ मोबाइल स्क्रीन और ऑनलाइन खातों तक हो गई है, तब यह कदम एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है, जो न केवल ग्राहकों के पैसे की रक्षा करेगी, बल्कि बैंकों पर जनता के भरोसे को भी और पक्का करेगी।

जानकारी के अनुसार राज्य के सभी सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंकों ने यह सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है कि ग्राहकों के निवेश हर हाल में सुरक्षित रहें। इसके लिए साइबर सुरक्षा तंत्र को अत्याधुनिक बनाया जाएगा।

खासतौर पर ऑनलाइन लेन-देन, एकीकृत भुगतान प्रणाली और इंटरनेट बैंकिंग को लेकर सुरक्षा स्तर ऊंचा किया जाएगा, ताकि धोखाधड़ी और जालसाजी की घटनाओं पर रोक लग सके।

राज्य में साइबर अपराधों की शिकायतें इतनी बढ़ गई हैं कि अब लगभग हर घंटे एक मामला दर्ज हो रहा है। जनवरी से अक्तूबर 2023-24 तक ऐसे मामलों में 77 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुख्यत: मंडी, कांगड़ा और शिमला जिलों में 4,593 से बढ़कर 8,152 शिकायतें दर्ज की गई हैं। वर्ष 2024 के पहले सात महीनों में ही हिमाचल के नागरिकों ने 44 करोड़ से अधिक की रकम साइबर धोखेबाजों को गंवा दी है। तीन साइबर पुलिस थानों शिमला, मंडी और धर्मशाला में कई शिकायतें आई हैं। शिमला में 16.5 करोड़, मंडी में 17.5 करोड़ और धर्मशाला में 10 करोड़ रुपए तक का फर्जीवाड़ा सामने आया है। इस समय प्रतिदिन 260 शिकायतें दर्ज हो रही हैं, जबकि वर्ष 2019 में यह संख्या केवल 11 थी। धोखाधड़ी हेतु इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक खाते का खतरा भी बहुत गंभीर है। लगभग 11,979 ऐसे खाते अब तक हिमाचल पुलिस द्वारा चिन्हित किए जा चुके हैं।

बैंक अब ज्यादा सजग व सचेत : मोहित चावला

डीआईजी साइबर क्राइम मोहित चावला ने हाल ही में एक गंभीर घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि चंबा जिले के हल्टी शाखा में बैंक सर्वर तक पहुंच बनाकर एक ग्राहक की मोबाइल बैंकिंग सेवा को हैक कर लिया गया था, जिससे 11.55 करोड़ रुपए चोरी कर लिए। इससे सबक लेते हुए बैंक सजग और सचेत हो गए हैं और वे अपनी बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा को पहले से अधिक मजबूत बनाने की कोशिशों में लगे हैं। इसको देखते हुए सभी पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर साइबर अटैक्स से होने वाले हमलों से अपनी सुरक्षा मजबूत बना रहे हैं।

232 करोड़ के गबन में अफसर गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक वरिष्ठ प्रबंधक को सरकारी धन की हेराफेरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि एएआई के वरिष्ठ प्रबंधक राहुल विजय (वित्त एवं लेखा विभाग) ने 232 करोड़ रुपए को अपने निजी खाते में हस्तांतरित कर लिया। राहुल विजय 2019 से 2023 तक देहरादून हवाई अड्डे पर वित्त एवं लेखा विभाग के प्रमुख थे। उन पर दर्ज एफआईआर के अनुसार, राहुल पर अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के रूप में पद का दुरुपयोग करते हुए परिसंपत्ति निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली धनराशि को व्यक्तिगत खाते में स्थानांतरित करने का आरोप है। जांच में पाया गया कि राहुल ने देहरादून हवाई अड्डे पर तैनाती के दौरान फर्जी प्रविष्टियां कीं और 232 करोड़ अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए थे। (अनंत ज्ञान)

सुजानपुर-संधोल मार्ग बारिश के कारण फिर हुआ अवरुद्ध

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

भारी बारिश के चलते घरों में घुसा पानी।

बारिश के चलते सुजानपुर-संधोल मार्ग एक बार फिर अवरुद्ध हो गया है। इस बरसात के सीजन में कई बार यह मार्ग बंद हुआ है। सुजानपुर को मंडी जिला के संधोल से जोड़ने वाले इस मार्ग का निर्माण कार्य हो रहा है। जगह-जगह पहाड़ियों की कटिंग के चलते लहजे गिरने से मार्ग के स्थान पर अवरुद्ध हो रहा है। जिसको की विभाग द्वारा ठीक करवाया जा रहा है। दो दिनों से लगातार बारिश के चलते फिर से स्थानीय खडडें तथा नाले तूफान पर आ गए। रात भर हुई लगातार बारिश के चलते सुचुही गांव से बजाहर गांव के जाने वाले रास्ते में नाले का भारी पानी आ गया। जिससे कि सुजानपुर से मंडी जिला को जोड़ने वाला रोड पूरी तरह बंद हो गया। रविवार सुबह 7:30 बंद हुए इस मार्ग को पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा 11 बजे खोला गया।

उधर बजाहर गांव में भारी बारिश के चलते लोगों के घरों में पानी घुस गया। स्थानीय निवासी रणजीत सिंह ने बताया कि बारिश के चलते नल का पानी उनके घरों तथा दुकानों में घुस गया। जिससे उनको भारी नुकसान हुआ है।

लोक निर्माण विभाग के एसडीओ संसार चंद सकलानी ने कहा कि विभागीय टीम को मौके पर भेज कर रोड को क्लियर करवा दिया गया है। रोड पर जेसीबी तैनात कर दी गई है तथा जैसे ही रोड बंद हो रहा है वैसे ही रोड को चालू करवाया जा रहा है

एनआईटी में दुकानों के आवंटन को लेकर उठा विवाद

आवेदक ने पीएमओ को की शिकायत, अनियमितताओं का लगाया आरोप और संस्थान प्रशासन ने आरोपों को किया खारिज

विक्रम ढटवालिया, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। यहां स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की भीतरी व्यवस्था से जुड़े हुए कई विवाद अजीबोगरीब मरले में हैं। कैंपस में दुकानों के आवंटन को लेकर भी एक विवाद ऐसा पैदा हो गया है। जिसकी शिकायत पीएमओ कार्यालय को भी की गई है। दरअसल में कैंपस के भीतर इस बार दुकानों के आवंटन में काफी सरगर्मी रही। 26 शॉप्स (बूथ) को किराए पर देने के लिए प्रशासन ने उनके लिए पिछले महीने की 8 जुलाई को मांगे गए आवेदनों के टेंडर खोले थे। लेकिन जिस दिन टेंडर खुलने थे, उसी से पहले अचानक जो हुआ, वही विवाद असल में समस्या बना। जिस कारण एक आवेदक रंगीला राम ने पीएमओ को शिकायत कर सिलसिले बार अनियमिताओं का हवाला दिया है। हालांकि संस्थान प्रशासन इस मामले में किसी भी तरह के गड़बड़ झाले या हेरा फेरी के आरोपी को खारिज कर रहा है।

सीसीटीवी और रेट लिस्ट की शर्तें अधूरी

दुकानों को आवंटित हुए काफी समय हो गया है। लेकिन जिन शर्तों को आधार बनाकर यह आवंटित की गई है, उसकी स्थिति यहां विवादित दिख रही है। दुकानदारों को कहा गया था कि सभी आवंटित शॉप्स पर सीसीटीवी कैमरे लगने जरुरी थे, रेट लिस्ट भी देखी जानी चाहिए थी, मगर ऐसी स्थिति मुकम्मल तौर पर नजर नहीं आ रही है और कई खाद्य पदार्थ महंगे भी मिल रहे हैं। यही वजह है कि संस्थान के भीतर ऑनलाइन ऑर्डर का भी अब ज्यादा जोर शुरू हो गया है। क्योंकि स्टूडेंट्स को तो बाजिव रेट पर सामान चाहिए।

तीन चंदन पेड़ काटे जाने का मामला बना रहस्य

उधर, इसी महीने कैंपस के भीतर से तीन चंदन के पेड़ काटे गए थे। उनका कोई सुराग अभी तक नहीं मिल पाया है। वहां उसे क्षेत्र में अभी भी सीसीटीवी कैमरे नहीं लग पाए हैं। सवाल इसलिए उठ रहे हैं, क्योंकि उस स्थान पर चंदन के और भी कई पेड़ हैं। निश्चित रूप में चोरों की गिद्ध दृष्टि उन पर होगी।

शॉप्स आवंटन मामले पर नहीं कोई विवाद: अर्चना

संस्थान की रजिस्टर डॉक्टर अर्चना ननोटी का कहना है कि शॉप्स आवंटन के मामले को लेकर कोई भी विवाद नहीं है। एक व्यक्ति बेवजह की बातें कर रहा है। सब कुछ नियमों के तहत हुआ है और इसमें कहीं भी ऐसी गुंजाइश नहीं है जिस पर कोई सवाल खड़े हो सकें। चंदन के पेड़ों को लेकर उनका कहना है कि वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके लिए कमेटी गठित की गई थी, उसकी रिपोर्ट आने पर ही वास्तविक स्थिति का पता चलेगा।

कर्मचारी केस में कोर्ट की फटकार

संस्थान के ही एक कर्मचारी के मामले को लेकर भी संस्थान को कोर्ट की अवमानना पर फटकार का सामना करना पड़ा है। हाई कोर्ट में इस मामले को लेकर संस्थान प्रशासन को अपॉलिजी मांगनी पड़ी है। कोर्ट कंटेंप्ट के कारण इस मामले में संबंधित कर्मचारी को जो बेनिफिट दिए गए, वे पहले ही दिए जा सकते थे। लेकिन इस मामले में देरी हुई व अंततः संबंधित व्यक्ति को राहत मिली। लेकिन अभी उनका इसी केस के साथ जुड़ा हुआ प्रमोशन का पेंडिंग मामला भी है। विवाद जैसे भी हो लेकिन कई विवादों को लेकर सवाल भी उठते हैं।

अंडरटेकिंग बनी विवाद की जड़; इधर असल में टेंडर्स को खोलने से पहले संस्थान की इसके लिए गठित कमेटी ने जो अंडरटेकिंग लेने की प्रक्रिया शुरू हुई उसी पर विवाद शुरू हो गया। शिकायत में कहा गया है कि अंडरटेकिंग का पार्ट टेंडर में शामिल नहीं किया गया था। लेकिन इसे जानबूझकर लिया गया, अलग से जोड़ा गया। बूथ नंबर एक और दो के मामले को लेकर ही यह समस्या रही। जिस आवेदक ने बूथ नंबर एक के लिए अंतिम बोली 52000 की बोली। लेकिन दूसरे ने 50000 की बोली बोली थी, उसे बूथ को आवंटित किया गया। अब दो नंबर बूथ जिसे अलाट किया था, उसे उसने सरेंडर कर दिया है। यानी शॉप नंबर दो संबंधित को आवंटित नहीं हो पाई।

सबसे बड़ी बोली 1.13 लाख की रही जिसमें 18 प्रतिशत अतिरिक्त रूप में जीएसटी भी वसूला जाएगा। समस्या यह है कि इस बार शॉप्स के रेट्स बहुत ज्यादा ऊपर गए हैं और सवाल यह उठ रहा है कि स्टूडेंट का वेलफेयर इसमें कैसे हो पाएगा यदि किराएदार महंगे रैटों पर दुकान लेंगे तो स्टूडेंट या अन्य को बाजिव रेट्स पर समान या खाद्य पदार्थ कैसे उपलब्ध होंगे।

अब आवंटित बूथ नंबर एक के मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भी शिकायत भेजी गई है। जिसमें सारी स्थिति को बयां किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

कमलेश ने कार्यकर्ताओं संग सुनी मन की बात

अनंत ज्ञान, भोरंज। भोरंज की पूर्व विधायक कमलेश कुमारी ने रविवार को बूथ नंबर 54, भोरंज-2 पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 125वां एपिसोड सुना। भोरंज से पूर्व विधायक कमलेश ने कहा कि इस बार का एपिसोड कई मायनों में खास था। प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की, साथ ही जम्मू-कश्मीर में बाढ़ के बीच फुटबॉल टूर्नामेंट की खेल भावना की सराहना भी की। उन्होंने सोलर दीदी देवकी का भी ज़िक्र किया, जो सोलर पैनल लगाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। यह दिखाता है कि कैसे मन की बात कार्यक्रम सिर्फ एक संबोधन नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग से जुड़ी प्रेरणादायक कहानियों का एक मंच भी है। इस मौके पर पार्टी के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लेफ्टिनेंट पुलकित शर्मा का किया स्वागत

शशि सोहल, अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन उपमंडल नौहंगी पंचायत की लेफ्टिनेंट पुलकित शर्मा लेफ्टिनेंट बनने के बाद पहली बार अपने पैतृक गांव पहुंची। उनके पहुंचने पर गांववासियों ने पंचायत उप प्रधान ठाकुर प्रकाश चंद के नेतृत्व में काफी गर्मजोशी के साथ स्वागत किया तथा पंचायत की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलकित शर्मा के पिता राजेंद्र कुमार शर्मा, माता रेणु शर्मा, भाई रिपुल शर्मा, दादा रूमकच राम शर्मा, दादी सावित्री देवी, चाचा कुलदीप कुमार, अजीत कुमार, जगदीश चंद, रामपाल शर्मा के अलावा गांव वासी मोहन सिंह, अभय, अनूज, शुभम, विशाल, राजेन्द्र शर्मा, राकेश शर्मा, शिवान्शु, शमरिति, किरण वाला, डाक्टर रीबू, वीना, संतोष, कमलेश, चेतना इत्यादि उपस्थित रहे।

संयुक्त सलाहकार समिति में नाम डालने की निंदा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिम आंचल पेंशनर्स संघ के प्रदेशाध्यक्ष योग राज शर्मा ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि संघ विरोधी गतिविधियों के चलते वर्ष 2013 में निष्कासित पदाधिकारी अब पेंशनरों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में इन नेताओं ने संयुक्त सलाहकार समिति की सूची जारी की है, जिसमें बिना अनुमति उनके (योग राज शर्मा) तथा जिला प्रधान हमीरपुर के.सी. गौतम का नाम शामिल किया गया है। प्रदेशाध्यक्ष ने इसे भ्रामक कदम बताते हुए कड़ी निंदा की और आगाह किया कि भविष्य में इस प्रकार का कृत्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि संघ का द्विवार्षिक चुनाव 6 सितंबर को हमीरपुर में होगा। नई कार्यकारिणी बनने के बाद पेंशनरों की लंबित आर्थिक मांगों को सरकार तक पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि अन्य संगठनों के दुष्प्रचार से भ्रमित न हों, क्योंकि हिम आंचल पेंशनर्स संघ प्रदेश का सबसे पुराना और सक्रिय संगठन है।

बारिश के कारण अंडर-14 टूर्नामेंट स्थगित

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला में पहली सितंबर से शुरू हो रहे अंडर 14 ब्लाक लेवल टूर्नामेंट को भारी बरसात के कारण स्थगित कर दिया है। प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक कमल किशोर ने अधिसूचना जारी कर इसे स्थगित कर दिया है। उन्होंने बताया कि अगली तारीख निर्धारित कर इस टूर्नामेंट को करवाया जाएगा।

राज राजेश्वरी कॉलेज में मानव हृदय पर व्याख्यान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राज राजेश्वरी शिक्षा महाविद्यालय भोटा, हमीरपुर में एक्टेंशन लेक्चर श्रृंखला के अंतर्गत सहायक प्रोफेसर डॉ. आशीष कुमार ने 'मानव हृदय' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक ज्योति वर्धन ने किया। डॉ. आशीष ने बताया कि मानव हृदय प्रतिदिन एक लाख बार धड़कता है और प्रति मिनट लगभग 1.5 गैलन रक्त पंप करता है। उन्होंने कहा कि हृदय घात आज मृत्यु का प्रमुख कारण है, लेकिन संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और अच्छा जीवनशैली अपनाकर इससे बचा जा सकता है। व्याख्यान के दौरान हृदय की कार्यप्रणाली को वीडियो और चित्रों के माध्यम से समझाया गया। अंत में डॉ. मनोज कुमार ने डॉ. आशीष का आभार जताया। व्याख्यान में बीएड, डीएलएड, बीए के छात्र और संपूर्ण स्टाफ मौजूद रहा।

रिटायर्ड इंप्लाइज वेलफेयर एसो. की बैठक 5 को

अनंत ज्ञान, नादौन। रिटायर्ड इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन नादौन की मासिक बैठक 5 सितंबर को यशपाल साहित्य सदन नादौन में प्रातः 11:00 बजे आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष धर्म सिंह मिन्हास करेंगे। एसोसिएशन के महासचिव ठाकर प्रकाश चंद ने बताया कि बैठक में लाइफ सर्टिफिकेट, पेंशनर्स की समस्याओं व मांगों बारे विस्तार से चर्चा की जाएगी।

विस सत्र के बाद विधायक लखनपाल ने जनता के बीच पहुंचकर जाना दुख-दर्द

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। विधानसभा सत्र की व्यस्तताओं के बीच जब अधिकांश नेता आराम करना पसंद करते हैं, तब बड़सर के विधायक इंद्रदत्त लखनपाल सीधे जनता के बीच पहुंचे। उनके लिए राजनीति नहीं बल्कि जनता सर्वोपरि है। शिमला से लौटते ही उन्होंने विधानसभा अवकाश का एक-एक क्षण अपने क्षेत्र की पीड़ित जनता के नाम कर दिया। देर रात तक विधायक लखनपाल बारिश और भूस्खलन से प्रभावित गांवों में घूम-घूमकर नुकसान का जायजा लेते रहे।

प्रभावित परिवारों के घरों तक पहुंचकर उनका दर्द साझा किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को राहत व पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के आदेश दिए। विधायक ने कहा कि मेरे लिए जनता का सुख-दुख ही सबसे बड़ा धर्म है। विधानसभा सत्र की व्यस्तता बीच मैंने यह संकल्प लिया है कि क्षेत्र का कोई भी परिवार अकेला महसूस न करे। राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विधायक ने युवाओं के साथ सड़क में फंसी गाड़ी को निकालने में की मदद

दौरे से लौटते वक्त समतांना के पास विधायक का काफिला रुका। कारण था- भूस्खलन से सड़क पर फंसी एक गाड़ी। आमतौर पर ऐसे समय नेताओं की गाड़ियां तेजी से निकल जाती हैं, लेकिन विधायक लखनपाल ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी गाड़ी रोकी, खुद बाहर निकले युवाओं के साथ मिलकर फंसी हुई गाड़ी को निकालने में मदद की। उनकी इस तत्परता ने यह साबित कर दिया कि वे केवल विधानसभा तक सीमित नहीं, बल्कि संकट की हर घड़ी में जनता के बीच खड़े रहने वाले सच्चे जनप्रतिनिधि हैं।

नेता प्रतिपक्ष राहुल ने दी 5 करोड़ की राहत राशि

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल में आपदा के बीच मुख्यमंत्री के बिहार दौरे को लेकर भाजपा नेताओं द्वारा उठाए गए सवालों पर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मुख्य प्रवक्ता प्रेम कौशल ने कड़ा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह स्मरण होना चाहिए कि भारी बारिश से जान-माल के नुकसान झेल रहे प्रदेशवासियों के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक संवेदना के दो शब्द भी नहीं कहे। कौशल ने आरोप लगाया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा भी अपने दौरे में महज सिराज तक ही सीमित रहे, जबकि कांग्रेस सरकार प्रदेश के हर नागरिक के प्रति समान दृष्टिकोण से कार्य कर रही है।

भाजपा नेताओं पर प्रेम कौशल का पलटवार

उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पांच करोड़ रुपए की राहत राशि देकर हिमाचल के प्रति अपने सरोकार और संवेदनशीलता का परिचय दिया। वहीं भाजपा सांसदों का प्रतिनिधिमंडल, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और राजीव बिंदल भी शामिल थे, नड्डा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों से मदद की गुहार लगाकर भी ठोस परिणाम नहीं ला सका। कौशल ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह प्राकृतिक आपदाओं को राजनीतिक रंग देती है, जबकि समय संवेदनशीलता और सहयोग का है।

पूर्व सीएम धूमल ने हमीरपुर जिले के स्थापना दिवस पर लोगों को दी बधाई

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

भाजपा के वरिष्ठ नेता और दो बार मुख्यमंत्री रहे प्रो प्रेम कुमार धूमल ने हमीरपुर जिले के स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने हमीरपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रगतिशील भावना को बनाए रखने में उनके निरंतर योगदान के लिए जिले के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रो. धूमल ने याद दिलाया कि 1 सितंबर, 1972 को हमीरपुर जिले को एक अलग प्रशासनिक इकाई के रूप में तब बनाया गया था जब हिमाचल सरकार ने कुशल शासन सुनिश्चित करने के लिए इसकी सीमाओं का पुनर्गठन किया था। उन्होंने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से ही हमीरपुर अपनी उच्च साक्षरता दर, अनुशासित और देशभक्त युवाओं और राष्ट्र सेवा, विशेष रूप से सशस्त्र बलों के माध्यम से एक मज़बूत परंपरा के लिए जाना जाता रहा है। हमीरपुर के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए, प्रो. धूमल ने कहा कि देश के लिए सेवा और बलिदान देने वाले वीर सैनिकों और अधिकारियों के अद्वितीय योगदान के कारण इस क्षेत्र को वीरभूमि कहा जाता है। पिछले कई वर्षों में हमीरपुर एक शैक्षणिक केंद्र के रूप में भी उभरा है, जहां एनआईटी हमीरपुर, आरकेजीएमसी मेडिकल कॉलेज, तकनीकी विश्वविद्यालय, हॉर्टिकल्चर और फॉरेस्ट्री कॉलेज, होटल मैनेजमेंट संसथान जैसे प्रतिष्ठित संस्थान और अन्य व्यावसायिक कॉलेज इसकी पहचान में चार चांद लगा रहे हैं। यह ज़िला राजनीतिक चेतना का केंद्र भी रहा है, जहां से ऐसे नेता निकले हैं जिन्होंने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं।

इस अवसर पर, उन्होंने हमीरपुर के लोगों को उनकी एकता, दृढ़ता और उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि अपने नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से हमीरपुर वीरता और ज्ञान की अपनी गौरवशाली विरासत को बरकरार रखते हुए प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा।

विधानसभा सत्र से लौटते ही कैप्टन रणजीत सिंह ने किया क्षेत्र का दौरा

विधायक कैप्टन रणजीत सिंह बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेते हुए।

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

सुजानपुर के विधायक कैप्टन रणजीत सिंह विधानसभा सत्र से लौटते ही अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर निकल पड़े। सुबह-सुबह क्षेत्र में पहुंचकर उन्होंने हालात का जायजा लिया। विधायक ने कहा कि सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है। घरों और पशुशालाओं के गिरने की घटनाएं अत्यंत दुखदायी हैं। लोक निर्माण विभाग की संपत्तियों को भी काफ़ी क्षति पहुंची है। उन्होंने बताया कि शिमला में रहते हुए भी वे प्रतिदिन प्रशासन से रिपोर्ट लेते रहे और क्षेत्र की स्थिति पर नजर बनाए रखी।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का नुकसान हुआ है, उसे देखे बिना रहा नहीं गया और इसलिए वे सत्र के दौरान ही अपने क्षेत्रवासियों के पास लौट आए। विधायक ने राहत की बात कही कि इस आपदा में किसी की जान नहीं गई और सभी लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रदेश सरकार हर प्रभावित व्यक्ति के साथ खड़ी है और ज़रूरतमंदों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

कैप्टन रणजीत सिंह ने दुःख प्रकट करते हुए कहा कि मणिमहेश यात्रा पर गए कई यात्री अभी भी फंसे हुए हैं, जबकि कुछ श्रद्धालुओं की मौत की दुखद खबरें भी सामने आई हैं। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिजनों को संबल देने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

कौशल विकास निगम की योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगारमुखी बने युवा

अनंत ज्ञान, भोरंज। प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के लिए प्रदेश सरकार स्वरोजगार के अवसर पैदा कर रही है। इसमें कौशल विकास निगम विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगारमुखी बनाने में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। यह बात प्रदेश कौशल विकास निंगम के समन्वयक अतुल कड़ोहता ने यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की विकासात्मक सोच युवाओं में स्वरोजगार की अवसर पैदा कर रही है। यही बजह है प्रदेश के 72 हजार युवाओं ने प्रदेश कौशल विकास निगम के पास पंजीकरण करवाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास निगम ने युवाओं में कौशल निपुणता लाने के लिए व युवाओं को जागरूक करने के साथ अल्प समय के कोर्स औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में शुरू किए हैं। इससे युवाओं में रोजगार व स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के युग में प्रदेश के युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है, इस पर प्रदेश सरकार जोर दे रही है। प्रदेश सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं का उद्देश्य युवाओं की क्षमता को बढ़ावा व रोजगार के अवसर पैदा करना है। उन्होंने कहा कि सीएम सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश के तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी लगातार कार्य कर रहे हैं ताकि प्रदेश के युवा कौशल उन्नयन की दिशा में लाभ उठा सकें।

हैंडराइटिंग प्रतियोगिता में दोरजे, अर्नव अनेजा और यशवी साहा ने मारी बाजी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

हमीरपुर के विकासनगर में स्थित हिम अकादमी पब्लिक स्कूल में जूनियर ब्वॉयज और गर्ल्स बोर्डर्स के लिए हिंदी और अंग्रेजी में हैंडराइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सुंदर एवं सुस्पष्ट लिखावट प्रस्तुत की। प्रतियोगिता के निर्णय मानदंड में लिखावट की स्पष्टता, सुंदरता, स्पेसिंग, शुद्ध वर्तनी तथा प्रस्तुतीकरण को शामिल किया गया। इस प्रतियोगिता का मूल्यांकन आर्यन शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन हॉस्टल पेरेंट अशोक सिंह गुलेरिया, जिमी ठाकुर ब्वॉयज हॉस्टल वार्डन तथा अंकिता चौहान द्वारा किया गया। इस पहल की प्रधानाचार्या नैना लखनपाल तथा डॉक्टर हिमांशु शर्मा, उप-प्रधानाचार्य अश्वनी शर्मा, बीएसडब्ल्यू संजीव कुमार तथा डिप्टी डीएसडब्ल्यू कमल कुमार ने सराहना की और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

प्रतियोगिता में कक्षा पांच के दोरजे ने प्रथम स्थान, जिगटिल ने द्वितीय स्थान और प्रत्युष कौशल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 7 में अर्नव अनेजा प्रथम, अनिरुद्ध सैनी, नोरबू और रिगजिन संयुक्त रूप से द्वितीय तथा पियूष तृतीय रहे। कक्षा छठी में स्वरदीप प्रथम, कार्मा द्वितीय और तेनजिन नीमा तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा आठ में शौर्य पेज्टा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गर्ल्स हॉस्टल से यशवी साहा (कक्षा 8) और कवीन (कक्षा 6) और प्रिया शर्मा कक्षा सात ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

हिम अकादमी की छात्रावास छात्रों के लिए हैंडराइटिंग प्रतियोगिता में बैठे स्टूडेंट्स।

यह प्रतियोगिता न केवल लेखन कौशल को प्रोत्साहित करने वाली रही बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, एकाग्रता और सुंदर प्रस्तुतीकरण की भावना भी विकसित हुई।

आरसेटी से फ्री ट्रेनिंग करने के बाद शुरू करें अपना कारोबार

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

संस्थान में 18 से 50 वर्ष तक का कोई भी व्यक्ति ले सकता है प्रशिक्षण

अगर आप नौकरियों के पीछे भागने के बजाय कुछ हुनर या स्किल सीखकर अपना ही कारोबार शुरू करना चाहते हैं तो उसमें ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) मट्टनसिद्ध, हमीरपुर आपकी काफी मदद कर सकता है। हुनर या स्किल हासिल करने के लिए आपको कोई पैसा खर्च करने की आवश्यकता भी नहीं है। क्योंकि, आरसेटी आपको मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान करेगा। 18 से 50 वर्ष तक का कोई भी हिमाचल निवासी जोकि थोड़ा-बहुत पढ़ना-लिखना जानता है, वह आरसेटी से मुफ्त प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है तथा उसके बाद अपना कारोबार आरंभ कर सकता है। कारोबार आरंभ करने के लिए बैंकों से सस्ती दरों पर ऋण दिलाने में भी आरसेटी काफी मददगार साबित हो सकता है।

जिला हमीरपुर के उपायुक्त एवं आरसेटी के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने बताया कि आरसेटी में कम अवधि वाले कई प्रशिक्षण कोर्स करवाए जा रहे हैं। इनमें एक हफ्ते से लेकर एक महीने तक के कई कोर्स शामिल हैं। ब्यूटी पार्लर, कटिंग-टेलरिंग, बैंक सखी, मशरूम उत्पादन और पुष्प उत्पादन से संबंधित प्रशिक्षण कोर्सों के अलावा फास्ट फूड, अचार, कॉस्ट्यूम ज्यूलरी, खिलौने, मोमबत्ती, बांस के उत्पाद, जूट बैग और पेपर बैग इत्यादि उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण आरसेटी करवा रहा है। लोगों की जरुरत एवं बाजार की मांग के अनुसार कई अन्य कोर्स भी आरसेटी करवा सकता है। उपायुक्त ने बताया कि ये सभी कोर्स बहुत ही कम अवधि के होते हैं और प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के रहने और खाने की व्यवस्था भी आरसेटी द्वारा ही की जाती है।

इसके आवेदन की प्रक्रिया बहुत ही सरल रखी गई है। इच्छुक व्यक्ति सादे कागज पर अपना नाम, पता, आयु वर्ग और प्रशिक्षण कोर्स का नाम लिखकर आवेदन कर सकता है।

परेशानी पलाही योजना शुरू होने में लगेगा समय, हमीरपुर शहर जल संकट बरकरार

ब्यास के जलस्तर ने रोका मरम्मत का काम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

हमीरपुर टाउन और इसके आसपास के कई इलाकों में पीने के पानी की सप्लाई नहीं होने की वजह से अब लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। पलाही में स्थित जी योजना की पाइपलाइन टूट गई है। उसकी मरम्मत में लगातार देरी इसलिए हो रही है क्योंकि ब्यास नदी का जलस्तर फिर बढ़ गया है, और मरम्मत का काम अधर में लटक गया है। लग नहीं रहा कि अगले तीन-चार दिनों में यह काम मुकम्मल होगा। जब तक जलस्तर व्यास का नहीं उतरेगा, मरम्मत का काम अभी नहीं हो पाएगा।

पिछले आठ दिनों से हमीरपुर की उठाओ पेयजल योजना बंद पड़ी है। केवल एक हथली खड्ड की उठाऊ पेयजल योजना ही काम कर रही है। उसका पानी इधर-उधर बताकर व्यवस्थित किया जा रहा है। लेकिन इससे पेयजल ग्रस्त सभी इलाकों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। थोड़ी-थोड़ी सप्लाई जहां तक हो पा रही है, विभाग दे पा रहा है।

जलस्तर उतरने पर शुरू होगा काम: पंकज कटोच

जूनियर इंजीनियर पंकज कटोच का कहना है कि जलस्तर ब्यास का जैसे ही उतरेगा, फिर से काम शुरू होगा। काम बीच में रुक गया है। विभाग ने कुछ व्यवस्था शहर में की है, जिन इलाकों में अभी पानी नहीं पहुंच पाया है, उनमें कल से व्यवस्था की जा रही है।

पाइपलाइन बिछाने की नई योजना तैयार

योजना स्रोत से लेकर मैहली खड्ड तक नहीं सिरे से पाइपलाइन बिछाने का काम भी विभाग की प्रपोज में है। क्योंकि अब यह पाइपलाइन दूसरे रास्ते से डालनी पड़ेगी। नहीं तो ब्यास में बाढ़ आने से बार-बार यह समस्या खड़ी होगी। जिसका स्थाई हल सड़क रास्ते से पाइपलाइन डालकर ही हो सकता है।

डिग्री कॉलेज के इलाके में भी पिछले एक सप्ताह से पानी की आपूर्ति नहीं हो पाई है। शहर के ज्यादातर इलाके अभी भी पानी की सप्लाई से अछूते हैं। लोग टैंकरों से कई जगह पानी मंगवा रहे हैं। जिन्होंने अपने समरसीबल पंप लगाए हुए हैं, उन्हीं से मिल बाटकर कई जगह पानी की आपूर्ति लोग कर रहे हैं।

पलाही की योजना की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसकी मेन राइजिंग पाइपलाइन स्रोत स्थल से 3 किलोमीटर से ज्यादा व्यास नदी के भीतर से होकर निकलती है अब क्योंकि पिछले साल भी यह डैमेज हुई थी इस बार तो हालात ही खराब हैं। ब्यास नदी में एक दिन पानी का जलस्तर उतरने के कारण मुरम्मत का कुछ काम हुआ, लेकिन अब फिर बंद है। और जलस्तर उतरने की इंतजार में विभाग और उसकी टीम कर रही है।

सितंबर में खेल, सेमिनार और परीक्षाओं का दबाव

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

- बारिश से बिगड़े कई कार्यक्रमों के शेड्यूल
- शिक्षक प्रशिक्षण, प्रतियोगिताएं और परीक्षाएं टकराईं
- शिक्षा विभाग से अंतिम डेटशीट की मांग

सितंबर माह स्कूलों के लिए अत्यधिक व्यस्त होने वाला है। ग्रीष्मकालीन अवकाश के कारण स्थगित हुई 9वीं-10वीं की प्रथम टर्म परीक्षाएं अब सितंबर में आयोजित की जा रही हैं। वहीं, 1 से 27 सितंबर तक समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत सीसीई प्रशिक्षण कार्यशालाएं तथा नेतृत्व प्रशिक्षण भी चल रहे हैं, जिससे शिक्षक और प्रधानाचार्य दोनों कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

इसी दौरान खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों का शेड्यूल भी टकरा रहा है। अंडर-14 वर्ग की बालक प्रतियोगिता 1 से 3 सितंबर तक होनी थी, लेकिन भारी बारिश के चलते स्थगित कर दी गई। बालिका प्रतियोगिता 7 से 9 सितंबर तथा जिला स्तरीय खेलकूद 12 से 21 सितंबर के बीच होंगे। इसके अलावा सांस्कृतिक व योग कार्यक्रम 29 सितंबर से 2 अक्टूबर और राज्य स्तरीय आयोजन अक्टूबर में प्रस्तावित हैं।

अंडर-19 वर्ग की प्रतियोगिताएं 15 से 25 सितंबर तक चलेंगी, जबकि जिला स्तरीय इनडोर खेल 27 से 29 सितंबर को होंगे। इस बीच 1 से 8वीं कक्षा की एसए-1 परीक्षाएँ भी सितंबर के तीसरे सप्ताह में निर्धारित हैं।

राजकीय टीजीटी कला संघ के प्रदेश महासचिव विजय हीर ने कहा कि प्रशिक्षण, खेलकूद और परीक्षाओं के टकराव से विद्यार्थी व अध्यापक दोनों असमंजस में हैं। जो छात्र प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे, उनके पेपर्स प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग को जल्द समन्वित डेटशीट और स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर संतुलन बनाना चाहिए।

निजी कंपनियों से सेब बागवानों को नई उम्मीद

दाम बढ़ाने से मंडियों में आया उछाल, तय दरों से आकर्षण और भरोसा बढ़ा

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। प्रदेश में रॉयल डिलीशियस सेब की खरीद को निजी कंपनियों ने कमर कस ली है। प्रतिकूल मौसम से फिलहाल अभी मामूली मात्रा में सेब पहुंच रहा है, अलबत्ता अनुकूल मौसम होने पर बड़े स्तर पर उनके खरीद केंद्रों तक सेब की आपूर्ति बढ़ सकती है। दशकों से सेब की खरीद-फरोख्त कृषि उपज मंडियों में होती रही है, जहां बोली के जरिए दाम तय किए जाते रहे हैं। यह परंपरा बागवानों की आजीविका का हिस्सा रही है। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। बड़ी निजी कंपनियां और बहुराष्ट्रीय घराने सीधे बागवानों तक पहुंच बनाकर सेब की खरीद करने लगे हैं। इससे एक ओर बागवानों को नया रास्ता और निश्चित दाम का भरोसा मिल रहा है। वहीं, पुरानी मंडी व्यवस्था को भी कड़ी टक्कर मिलने लगी है।

जानकारी के अनुसार रतनाडी उत्पाद कंपनी, अदानी कृषि ताजगी, इंद्रप्रस्थ कोल्ड स्टोरेज और वीजा कृषि फ्रेश जैसी निजी कंपनियों ने पहले ही अपने मूल्य सूची जारी कर दी है। ये कंपनियां सेब को आकार, रंग और श्रेणी के आधार पर वर्गीकृत करती हैं। जिसमें, रत्नाडी कंपनी 81 से 100 प्रतिशत रंग वाले बड़े आकार के सेब के लिए 93 रुपए प्रति किलोग्राम की दर तय कर चुकी है, जबकि बागवान मंच इसी वर्ग के लिए 90 रुपए प्रति किलोग्राम का मूल्य दे रहा है। इन तयशुदा दरों ने बागवानों को बोली की अनिश्चितता से राहत दी है और अब उन्हें यह विश्वास है कि उनकी मेहनत का फल निश्चित कीमत पर बिकेगा।

इसी कड़ी में अडानी एग्रो फ्रेश, जो प्रदेश की सबसे बड़ी निजी खरीददार कंपनियों में से एक है, ने भी अपने रेट खोल दिए हैं। कंपनी ने 80 से 100 प्रतिशत रंग वाले प्रीमियम सेब के लिए 95 रुपए प्रति किलोग्राम तक की दर तय की है, जबकि मध्यम आकार और रंग वाली श्रेणियों के लिए यह दरें 70 से 85 रुपए प्रति किलोग्राम तक रखी गई हैं। अदानी की यह पेशकश न केवल बागवानों को आकर्षित कर रही है बल्कि अन्य कंपनियों को भी प्रतिस्पर्धी दरें तय करने पर मजबूर कर रही है। इस स्थिति ने बाजार में नई हलचल पैदा कर दी है और बागवानों को अब विकल्पों के आधार पर अपनी उपज बेचने का अवसर मिल रहा है।

निजी कंपनियों के इस बढ़ते प्रभाव से पारंपरिक मंडियों पर सीधा संकट मंडरा रहा है। बागवान अपनी उपज सीधे खरीद केंद्रों तक पहुंचा सकते हैं, जिससे बिचौलियों की भूमिका और मंडियों की जटिल प्रक्रियाएं कमजोर हो रही हैं। यह प्रक्रिया समय और लागत दोनों बचाती है, लेकिन साथ ही मंडियों को मजबूर कर रही है कि वे अपनी व्यवस्था सुधारें, बागवानों को बेहतर सुविधाएं दें और प्रतिस्पर्धी मूल्य तय करें।

राज्य के बागवानों के लिए एक नया अवसर

इस परिदृश्य में सेब का खेल बदल चुका है। मंडियों और कंपनियों के बीच खिंची यह नई रेखा राज्य के बागवानों के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। आने वाले वर्षों में अब यह तय होता रहेगा कि परंपरा और आधुनिकता की इस जद्दोजहद में जीत किसकी होगी, सदियों पुरानी मंडी संस्कृति की या नए दौर की निजी खरीद व्यवस्था की। फिलहाल, आगे अभी भी इस पर बराबर निगाह बनी रहेगी।

चंबा में 394 पेयजल योजनाएं बहाल 100 करोड़ का नुकसान : डिप्टी सीएम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने प्रदेश में भारी बारिश के कारण प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को राहत एवं बहाली कार्यों को युद्ध स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए।

युद्ध स्तर पर कार्य जारी राहत और बहाली कार्यों में जुटे कर्मचारी

जल शक्ति विभाग को इस आपदा में लगभग 100 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। चंबा जिले की कुल 487 जल आपूर्ति योजनाएं प्रभावित हुई थीं, जिनमें से 394 को आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया है। शेष योजनाओं की मरम्मत और बहाली कार्य तेजी से चल रहा है, जिन्हें पूरी तरह बहाल करने में चार से पांच दिन और लगने का अनुमान है। विशेषकर चंबा और भरमौर क्षेत्र में स्थानीय स्रोतों से अस्थायी जल आपूर्ति व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। उपमुख्यमंत्री ने राहत एवं बहाली कार्यों में लगे कर्मचारियों के साहस और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि मणिमहेश यात्रा के दौरान ड्यूटी पर तैनात सभी 41 कर्मचारी सुरक्षित हैं।

अग्निहोत्री ने आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि जल आपूर्ति व्यवस्था को सामान्य करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं और सरकार पूरी तत्परता से स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

जयराम ठाकुर और डॉ. बिंदल ने सुनी पीएम मोदी की मन की बात

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मन की बात सुनते जयराम ठाकुर और अन्य।

भाजपा के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण अलग-अलग स्थानों से सुना। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारी बारिश के कारण हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए हिमाचल और अन्य राज्यों में हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की सक्रिय भूमिका, जैसे 5125 करोड़ रुपए की मदद और सड़कों के रखरखाव का काम, मन की बात कार्यक्रम में साफ दिखाई दी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के जवानों के साहस और प्रयासों की सराहना की। मणिमहेश में सड़क और संचार संपर्क टूटने पर एसडीआरएफ के जवान यात्रियों की मदद के लिए सक्रिय रहे। तीन हजार तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और 15 यात्रियों की जान बचाना उनके साहस और समर्पण का उदाहरण है।

भाजपा के अन्य नेताओं ने भी मन की बात कार्यक्रम को सुनकर केंद्र सरकार की आपदा प्रबंधन में तत्परता और टीमों की भूमिका को सराहा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिमाचल में भविष्य में भी एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की तैनाती और सतत प्रयास राज्यवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

चबूतरा गांव में भूस्खलन से कई मकान जमींदोज

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

सुजानपुर क्षेत्र की चबूतरा पंचायत के चबूतरा गांव में भारी बारिश के चलते अचानक हुए भूस्खलन ने तबाही मचा दी। रविवार शाम हुए इस लैंडस्लाइड से कई मकान पूरी तरह ढह गए, जबकि दर्जनों को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

गांव की भूमि अपनी जगह से खिसकने लगी, जिससे पूरा इलाका खतरे में आ गया। लोग अपने घरों को छोड़कर बाहर निकलने को मजबूर हैं। पंचायत प्रधान अनु बाला ने बताया कि बारिश के चलते जमीन दरकने से दर्जनों परिवार प्रभावित हुए हैं। गनीमत रही कि भूस्खलन के समय लोग घरों में मौजूद थे और गड़गड़ाहट सुनकर समय रहते बाहर निकल गए, जिससे जानमाल की बड़ी हानि टल गई।

सूचना मिलते ही पुलिस, होमगार्ड और फायर ब्रिगेड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य शुरू किया। वहीं, सुनील कुमार और बंटी के मकान पूरी तरह ढह चुके हैं। गांव को खाली करवा लिया गया है और प्रभावितों को पास के स्कूल में अस्थायी रूप से ठहराने की व्यवस्था की जा रही है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है।

कैग रिपोर्ट में कांग्रेस सरकार की नाकामी उजागर : अनुराग

अनंत ज्ञान, शिमला

पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर सांसद अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत वर्ष 2023-24 की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट को कांग्रेस सरकार की असफलता का पुख्ता सबूत बताया है।

अनुराग ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार गठन से ही जनविरोधी नीतियों के कारण आर्थिक बदहाली की स्थिति पैदा कर रही है, लेकिन सरकार ने कोई सुधर नहीं दिखाया। कैग रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि केंद्र सरकार द्वारा विकास कार्यों के लिए भेजी गई राशि में से 1024 करोड़ रुपए से अधिक वापस लौटाए गए, जो सरकार की आर्थिक व्यवस्था और विकास के प्रति उदासीनता को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार केवल दिखावे के लिए अनुपूरक बजट लाती है, जबकि वास्तविकता में मूल बजट भी सही से खर्च नहीं हो पा रहा। कैग रिपोर्ट के अनुसार 40 परियोजनाओं के लिए आवंटित बजट का एक भी रुपया खर्च नहीं हुआ, जो सरकार की निकम्मी कार्यप्रणाली का स्पष्ट प्रमाण है और प्रदेश हितों के साथ धोखा है।

हिमाचल में आपदा की स्थिति बनी गंभीर, राष्ट्रीय आपदा घोषित करना अब आवश्यक

केंद्र सरकार की अनदेखी पर सवाल मानसून की तबाही से हिमाचल बेहाल

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल के ज्यादातर जिले मानसून की भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की चपेट में हैं। चंबा, कुल्लू, शिमला, किन्नौर, लाहौल-स्पीति सहित लगभग सभी क्षेत्रों में अरबों की संपत्ति बहकर नष्ट हो चुकी है। नदियां और नाले उफान पर हैं, सड़कों और पुलों का संपर्क टूट गया है और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की जीवनयात्रा कठिनाई से गुजर रही है। किसानों और बागवानों के वर्षों का परिश्रम क्षतिग्रस्त हुआ है, और राज्य के समग्र ढांचे पर भी स्थायी असर पड़ा है।

हालांकि, राज्य सरकार ने विधानसभा में सर्वसम्मति से इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया था। लेकिन अब तक केंद्रीय स्तर से कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं मिली है। हिमाचल की जनता लगातार आपदा के मार झेल रही है और राहत कार्य राज्य सरकार के दमन प्रयासों पर निर्भर है।

राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन की आवश्यकता

बहरहाल राज्य के पहाड़ों और घाटियों में मानसून की इस आपदा ने स्पष्ट कर दिया है कि अब केवल राज्य सरकार की पहल पर्याप्त नहीं है। केंद्र सरकार को तुरंत कदम उठाकर इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करना चाहिए। इससे प्रभावित जिलों में वित्तीय मदद, लंबी अवधि की पुनर्निर्माण योजनाएं और राहत कार्यों में गति आएगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते राष्ट्रीय आपदा घोषित न होने से प्रभावित जिलों में पुनर्निर्माण और वित्तीय मदद में विलंब होगा, जिससे नुकसान और बढ़ सकता है।

राज्य सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य में तेजी लाई है। हेलिकॉप्टर और रेस्क्यू टीमों के माध्यम से फंसे हुए यात्रियों और ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। नदी-नालों में ड्रेजिंग और पुनर्निर्माण कार्य तेज गति से हो रहे हैं। इसके बावजूद, जब तक केंद्रीय सहायता और राष्ट्रीय आपदा का दर्जा नहीं मिलेगा, तब तक हिमाचल की लड़ाई पूरी तरह समाप्त नहीं होगी।

राजनीतिक कलह और सरकारी उपेक्षा से त्रस्त कर्मचारी : प्रवीण

अनंत ज्ञान, शिमला। कर्मचारी संघर्ष मोर्चा हिमाचल प्रदेश के संस्थापक प्रवीण शर्मा ने एक प्रैस बयान में देश के राजनीतिक दलों पर तीखा हमला करते हुए सवाल उठाया कि क्या उनकी आपसी कलह के चलते देश वास्तव में विकसित हो रहा है। राजनीतिक दल 5 साल एक-दूसरे की गलतियां निकालने में गवां देते हैं और चुनाव आते ही नए प्रलोभन देकर वोट मांगने लगते हैं। प्रवीण ने आरोप लगाया कि हिमाचल में कर्मचारियों का बुरी तरह शोषण हो रहा है। एरियर नहीं दिए जा रहे, महंगाई भत्ते बंद कर दिए गए हैं और न्यायालय के आदेशों को भी दरकिनार किया जा रहा है। आशा वर्कर, एमडीएम, पैरावर्कर, एसएमसी, आउटसोर्स कर्मचारी आदि सभी सरकार की उपेक्षा से परेशान हैं। उन्होंने राष्ट्रपति से सवाल किया कि क्या यह देश केवल पूंजीपतियों और धनाढ्य नेताओं का है? मोर्चा ने सरकार से अपील की है कि वह तुरंत कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करे।

बिलासपुर जिले के झंडुता विधानसभा क्षेत्र की बेरी मियां पंचायत ने स्वच्छता और विकास की मिसाल कायम की है। यह पंचायत न केवल स्वच्छता अभियान में सर्वोपरि है, बल्कि प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र की मेजबानी कर भविष्य की संभावनाओं का केंद्र भी बन रही है। हर वार्ड में इंटरलॉक टाइलों से सजे पक्के रास्ते, रसोई व स्नानागार के गंदे पानी के निकास हेतु अंडरग्राउंड पाइपलाइन और संग्रहण टैंक यहां की पहचान हैं। पंचायत प्रधान मधु चंदेल, जिन्होंने दो बार प्रधान रहते हुए नेतृत्व किया है। स्वच्छता के क्षेत्र में दोनों कार्यकाल में जिला स्तरीय पुरस्कार जीतकर इतिहास रच चुकी हैं। उनकी दूरदृष्टि और प्रतिबद्धता के चलते पंचायत को एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि भी मिली है, जो इस पंचायत की उपलब्धियों को और खास बनाती है। पंचायत के लोगों से बात करने पर यह भी पता चला कि इस पंचायत में आयुर्वेदिक संस्थान और आईटीआई की बहुत मांग है जो की काफी समय से चली आ रही है। लोगों का कहना है कि ये दोनों संस्थान यहां पर होने चाहिएं। वहीं, बरसंड में औद्योगिक क्षेत्र के कार्य को पूरा करने की मांग भी लोगों ने रखी। अनंत ज्ञान की टीम ने ग्राउंड जीरो पर जाकर पंचायत कार्यों की पड़ताल की। पेश है लोगों से बातचीत के अंश :-

बेरी मियां पंचायत: स्वच्छता और विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाई पर

पंचायत को स्वच्छता के लिए मिला एक लाख रुपए का पुरस्कार : प्रधान मधु चंदेल

प्रधान मधु चंदेल से बात करने पर उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में स्वच्छता पर ज्यादा ध्यान दिया। जिसका उद्देश्य यह था कि पंचायत को स्वच्छ और शौच मुक्त बनाया जा सके। इस कार्य में वह पूरी तरह से सफल रही है। पांच के पांच वार्डों में ग्रे-वॉटर पर कार्य किया है। लोगों के स्नानागार और रसोई का पानी नालियों के माध्यम से टेंकों में डाला है जो की अंडरग्राउंड बनाए गए हैं। इसके अलावा सार्वजनिक शौचालय मार्केट में और सामुदायिक भवन के पास बनाया गया है। क्योंकि मार्केट में शौचालय की बहुत जरूरत थी। उन्होंने कहा कि सफाई के लिए उन्हें इस बार भी प्रशंसा पत्र मिला है और जो 100000 रुपए की राशि मिली थी वह भी भूमि सुधार और रास्तों के कार्य में लगाई गई है। इसके अलावा मनरेगा के माध्यम से भी बहुत कार्य किया है। उन्होंने कहा कि अगर रोस्टर में महिला के लिए यह सीट आती है तो वह निश्चित रूप से चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने आयुर्वेदिक अस्पताल आईटीआई खोलने की आवश्यकता को भी महत्वपूर्ण बताया।

पंचायत में सफाई व्यवस्था बेहतर : लता देवी

पंचायत की निवासी लता देवी का मानना है कि पंचायत में सफाई व्यवस्था बहुत बेहतर है, लेकिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में यहां कमी है यहां पर कोई अपना चिकित्सालय नहीं है।

पार्क को डेवलप करने की जरूरत : अंति देवी

अंति देवी का कहना है कि पंचायत में पार्क तो बना हुआ है, लेकिन उसे डेवलप नहीं किया गया है, इसलिए बच्चों को खेलने के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है, क्योंकि आजकल नशे से मुक्ति दिलाने के लिए खेलों की ओर बच्चों को मोड़ा जाता है, इसलिए इस पंचायत में पार्क को डेवलप करना बहुत जरूरी है।

स्वास्थ्य संस्थान होना जरूरी : तारा देवी

तारा देवी का कहना है कि यहां सब कुछ ठीक है, लेकिन एक स्वास्थ्य संस्थान यहां पर होना चाहिए, जिसमें कि योग का प्रशिक्षण देने वाला भी कोई व्यक्ति होना चाहिए।

प्रधान का काम सराहनीय : संतोष देवी

महिला मंडल बेरी मियां की प्रधान संतोष देवी कहती हैं कि वर्तमान प्रधान ने दूसरी बार पंचायत में कार्यभार संभाला है और दोनों ही बारी में बहुत अच्छा कार्य किया है। हर व्यक्ति के साथ इनका सहयोग बहुत अच्छा है। सड़कों और गलियों को पक्का किया गया है, इसलिए हमें अगली बार भी यही प्रधान चाहिए।

अधूरे औद्योगिक क्षेत्र को पूरा करवाए पंचायत : जसवंत

जसवंत सिंह चंदेल का कहना है कि जब से प्रधान मधु चंदेल ने कार्यभार संभाला है बहुत अच्छा कार्य इस पंचायत में किया जा रहा है। हां यह जरूर है कि पंचायत में स्वास्थ्य संस्थान नहीं है, वहीं इस पंचायत का जो औद्योगिक क्षेत्र है, वह भी अधूरा है। स्वास्थ्य संस्थान और औद्योगिक क्षेत्र का काम पूरा होना चाहिए, बाकी इस पंचायत में सफाई व्यवस्था बहुत बेहतर है जिसके लिए पंचायत को पारितोषिक भी मिले हैं।

गांव में कई काम अधूरे : तृप्ता देवी

जज्जर गांव की महिला तृप्ता देवी का कहना है कि सड़कों और डंगों का काम बहुत अच्छा हुआ है, लेकिन सरकार की ओर से मिलने वाली राशि में थोड़ी कंजूसी हुई है जिस वजह से कम कई काम पूरे नहीं हो पाए हैं इसके अलावा गरीबों के लिए बहुत बेहतर काम पंचायत ने किए हैं प्रधान ने घर-घर जाकर लोगों को योजनाएं बताई और समझाई हैं और पिछड़े लोगों को ऊपर उठाया है।

पंचायत में बने पोखर को पक्का किया जाए : कै. दिलीप सिंह

सेना से रिटायर्ड कैप्टन दिलीप सिंह भी पंचायत के कार्यों को बहुत सराहनीय बताते हैं। पंचायत में जो पोखर थे, उन्हें तालाबों के रूप में कंक्रीट से पक्का किया गया है।जो कि बहुत बेहतर काम है। और यह पंचायत पूरी तरह से शौच मुक्त है। आईआरडीपी में भी लोगों को पंचायत की ओर से घर दिलवाए गए हैं।

बिजली के कटों से गांववासी परेशान : सागर सिंह

गांववासी सागर सिंह का कहना है कि सभी गलियां पक्की हैं। शौचालय बने हैं। सामुदायिक भवन बना है, लेकिन एक समस्या है कि बिजली के कट यहां लगातार लगते हैं, जिसकी वजह से विद्यार्थियों और अन्य लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि आईटीआई और एक आयुर्वेदिक अस्पताल भी पंचायत में होना चाहिए।

अधूरे इंडस्ट्रियल एरिया को पूरा करने की जरूरत : नीलम

बरसंड वार्ड की वार्ड मेंबर नीलम ठाकुर का कहना है कि पंचायत में बहुत कार्य हुआ है, लेकिन इंडस्ट्रियल एरिया अधूरा है, जिसकी वजह से रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं, उसे पूरा किया जाना चाहिए।

जोगिंदर व रविंद्र बोले- अधूरा तालाब कब होगा पूरा?

गांववासी जोगिंदर सिंह ने बताया कि पुराना तालाब है, इसका काम काफी हद तक पंचायत ने किया है, लेकिन अभी पूरा नहीं हुआ है इसे पूरा किया जाए। उन्होंने बताया कि तालाब में कमल के फूल खिलते हैं।

वहीं, रविंद्र चंदेल का कहना है कि अधूरे रहे इस तालाब को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जो औद्योगिक क्षेत्र बनाया जा रहा है वह भी कागजों से हटकर धरातल पर आना चाहिए और आईटीआई भी इस पंचायत को मिलनी चाहिए, ताकि लोगों को और बेरोजगारों को इसका लाभ हो सके।

जोगिंदर सिंह

रविंद्र चंदेल

गांव की स्वच्छता पर पूरा ध्यान : संजू देवी

वार्ड नंबर 2 की सदस्य संजू देवी ने कहा कि पंचायत में स्वच्छता बहुत सही तरीके से की गई है, सभी वार्डों का रखरखाव बहुत बेहतर है, लेकिन सरकारी क्षेत्र में अस्पताल और आईटीआई का होना बहुत जरूरी है।

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के खिलाफ महिला मोर्चा का प्रदर्शन आज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की ओर से कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। महिला मोर्चा का कहना है कि इन दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अभद्र टिप्पणियां और असंवेदनशील भाषा का इस्तेमाल कर देश की महिलाओं का भी अपमान किया है। इसको लेकर मोर्चा ने कांग्रेस से देश की जनता से माफी मांगने की मांग उठाई है।

धरना-प्रदर्शन एक सितंबर, सोमवार को शिमला के सीटीओ पर सुबह 10 बजे आयोजित होगा। इसकी अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्षा डेजी ठाकुर करेंगी। कार्यक्रम में महिला मोर्चा अग्रिम भूमिका में रहेगा। इसके लिए जिला शिमला और इसके अंतर्गत आने वाले छह मंडलों की महिला मोर्चा इकाइयां भी सक्रिय सहयोग देंगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि वोटर अधिकार यात्रा के दौरान विपक्षी नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई टिप्पणियां लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत हैं। ऐसे में महिला मोर्चा इस विरोध सभा के माध्यम से कांग्रेस नेताओं से माफी की मांग करेगी।

आपदा के समय मुख्यमंत्री सुक्खू रहे बिहार में, भगवान भरोसे चंबा : हर्ष महाजन

अनंत ज्ञान, चंबा

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन से मची तबाही के बीच भाजपा राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन ने सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि चंबा में चारों ओर तबाही मची रही, लेकिन मुख्यमंत्री बिहार में व्यस्त रहे और जिला प्रशासन पूरी तरह निष्क्रिय बैठा रहा।

महाजन ने आरोप लगाया कि आपदा राहत में भारी लापरवाही हुई। लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन से लेकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तक मौके से नदारद थे। फंसे लोगों से हवाई निकासी के लिए 75 हजार रुपए और बसों के किराए वसूलने जैसे गंभीर आरोप भी उन्होंने लगाए। उन्होंने कहा कि मंत्री जरूर दौरे पर आए, लेकिन मुख्यमंत्री ने उनकी शक्तियाँ छीन कर उन्हें 'असहाय' बना दिया है। उन्होंने राज्य सरकार को बजट डाइवर्ट करने और प्रकृति से छेड़छाड़ का दोषी ठहराया।

केंद्र सरकार से राहत मिलने की बात पर उन्होंने स्पष्ट किया कि 2023 और 2024 की आपदाओं के लिए केंद्र ने पहले ही सहायता दी है। भाजपा सांसदों ने मिलकर हिमाचल का पक्ष मजबूती से रखा है और आगे भी राहत दिलवाने के लिए प्रयासरत हैं। अंत में महाजन ने कहा कि अगर यह सरकार एक दिन और चलती है तो यह प्रदेश की बदकिस्मती होगी।

हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी हिमालय का वह क्षेत्र है, जहां जैव विविधता की अद्भुत धरोहर छिपी हुई है। यहां अनेक औषधीय और खाद्य पौधे उगते हैं, जिनका यदि सही ढंग से उपयोग किया जाए तो ये न केवल पोषण का बेहतर स्रोत बन सकते हैं, बल्कि ग्रामीण समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर सकते हैं। ऐसा ही एक अद्भुत गुणों से भरपूर पौधा है दूधी (Euphorbia hirta), जिसे आमतौर पर खरपतवार समझकर उखाड़ फेंक दिया जाता है। पहले के समय में गांव की महिलाएं जो साग बनाती थीं, उसमें खाने योग्य पत्तेदार सब्जियों के साथ-साथ दूधी जैसी 30 से 40 तरह की औषधीय जड़ी-बूटियां भी थोड़ी-थोड़ी मात्रा में मिलाई जाती थीं। यह वास्तव में भोजन को औषधि के रूप में अपनाने का वैज्ञानिक तरीका था, क्योंकि साग में ये जड़ी-बूटियां संतुलित मात्रा में उपयोग होती थी, जिससे एक तो उनका स्वाद अप्रिय नहीं लगता था और दूसरा उनके औषधीय गुण भी शरीर को सहज रूप से प्राप्त हो जाते थे। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि छोटे बच्चे भी इसे आसानी से खा लेते थे और उनके शरीर को औषधीय लाभ स्वतः मिल जाते थे। दुर्भाग्यवश, यह अमूल्य परंपरा अब तेजी से विलुप्त हो रही है। हम अपने चारों ओर उगने वाली और आसानी से मिलने वाली अनेक उपयोगी जड़ी-बूटियों को भी नजरअंदाज कर रहे हैं। यदि हम इस पारंपरिक ज्ञान को फिर से अपनाएं, तो हम स्वाद, पोषण और स्वास्थ्य तीनों का संतुलन अपने भोजन में ला सकते हैं।

दूधी : छोटा पौधा, बड़ा उपचार

‘गरीबों का हर्बल डॉक्टर’

औषधीय, पोषक गुणों से भरपूर अनमोल घास

पोषण मूल्य

दूधी पोषक तत्वों का एक उत्कृष्ट स्रोत है और इसे सुपरफूड माना जा सकता है। इसका संतुलित उपयोग पोषक तत्वों की कमी से बचाने में सहायक हो सकता है। 100 ग्राम सूखी दूधी में मिलने वाले पोषक तत्व इस प्रकार हैं।

आय का स्रोत

दूधी को सही तरीके से सुखाकर और पाउडर या हर्बल चाय के रूप में पैक करके बेचा जा सकता है। ग्रामीण समुदाय इसे आय के नए साधन के रूप में अपना सकते हैं। इसके लिए बड़े पैमाने पर जन-जागरूकता और प्रशिक्षण की आवश्यकता है। आज बाजार में दूधी के तवा-तवा चाय, हर्बल डाइटरी सप्लीमेंट जैसे अनेक उत्पाद उपलब्ध हैं, जो दूधी के अपार आर्थिक, आहारिक और औषधीय महत्व को दर्शाते हैं। विडंबना यह है कि वर्तमान में इसे केवल एक घास मानकर हटा दिया जाता है। जब दिल्ली जैसे महानगरों में लोग वायु प्रदूषण के कारण श्वसन रोगों से पीड़ित हैं, तब ऐसे पौधों की उपेक्षा हमारे स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकती है। यह पौधा कहीं भी आसानी से उग जाता है, इसे पानी और खाद की विशेष ज रत नहीं होती। इस दृष्टि से यह जलवायु परिवर्तन में भी टिकाऊ पौधा है, जिसे छोटे पैमाने पर हर्बल गार्डन में उगाया जा सकता है।

डॉ. तारा देवी सेन, विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान, वल्लभ राजकीय महाविद्यालय, मंडी

पहचान और विशेषताएं

दूधी का तना लालभूरा व रोयेदार होता है, जिसे तोड़ने पर सफेद दूधिया रस निकलता है। इसी दूधिया रस के कारण इस पौधे को दूधी कहा जाता है। दूधी की पत्तियां अंडाकार, हल्की दांतेदार और अक्सर लाल धब्बेदार होती हैं। इसमें लगने वाले छोटे-छोटे फूल पत्तियों के जोड़ पर गुच्छों में आते हैं। यह पौधा प्रायः रास्तों के किनारे, खाली जमीन या खेतों में खरपतवार की तरह उगता है। यह गर्मियों की शुरुआत से लेकर शरद ऋतु तक आसानी से खेत-खलिहानों, आंगनों और रास्तों के किनारे मिल जाती है।

महत्व

दूधी को पारंपरिक चिकित्सा में अस्थमा के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है, इसलिए इसे इंग्लिश में ‘अस्थमा वीड’ भी कहा जाता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि दूधी मैंगनीज, जिंक और विटामिन-सी, फ्लावोनॉइड्स, टैनिन्स और ट्राइटरपेनॉइड्स जैसे तत्वों से भरपूर होती है, जो एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण देते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में बेहद उपयोगी है। अध्ययनों में इसे एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल भी माना गया है। पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में महिलाएं इसके दूध जैसे रस का उपयोग त्वचा रोग और घाव भरने के लिए करती थीं तथा बच्चों के पेटदर्द और पेट कीड़ों के लिए भी इसका हल्का घोल दिया जाता था। कई जगह इसे ‘गरीबों का हर्बल डॉक्टर’ कहा जाता था, लेकिन आज दूधी का औषधीय उपयोग न के बराबर है।

औषधीय महत्व/प्रभाव

❖ **श्वसन तंत्र**
दमा, खांसी, जुकाम, ब्रोंकाइटिस में लाभकारी पत्तियों का काढ़ा या रस बनाकर सेवन

❖ **पाचन तंत्र**
दस्त, पेचिश, आंतों के कीड़े, अम्लपित्त
सूखी पत्तियों का चूर्ण, रस या काढ़ा

❖ **त्वचा रोग**
फोड़े, फुंसी, घाव, खुजली, दाद, ताजे रस को प्रभावित जगह पर लगाना

❖ **मूत्र तंत्र**
मूत्र रोग, पथरी, पेशाब में जलन, जड़/पत्तियों का काढ़ा पीना

❖ **महिलाओं में उपयोग**
दूध की वृद्धि (लैक्टेशन), मासिक धर्म संबंधी समस्याएं, पत्तियों का काढ़ा या रस सेवन

❖ **प्रतिरक्षा एवं रक्त शुद्धि**
शरीर से विषैले तत्व बाहर निकालता है, प्रतिरक्षा बढ़ाता है रस या काढ़ा

❖ **वेदना निवारण**
सिर दर्द, पेट दर्द में राहत पत्तियों का लेप या काढ़ा

❖ **नेत्र रोग**
आंखों की लाली, जलन पतला किया हुआ रस बाहरी प्रयोग (सीधे आंख में नहीं डालते)

खाने में उपयोग

दूधी की पत्तियों को कम मात्रा में अन्य खाने योग्य पत्तों के साथ मिलाकर आमतौर पर साग बनाया जाता हैं। इसकी कोमल पत्तियां पकौड़े, परांठा, कचौरी यहां तक की पनीर, मशरूम और पास्ता तक में मिलाकर स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं। दूधी की सूखी जड़ों से बनी चाय- ‘तवा-तवा टी’-बाजार में लोकप्रिय है, जो अस्थमा और त्वचा रोगों में लाभकारी मानी जाती है। हालांकि, दूधी स्वाद में इतनी अच्छी नहीं होती है, इसलिए इसको किसी भी व्यंजन में कम मात्रा (5-10 ग्राम ताजे दूधी के पत्ते या 1-2 ग्राम सूखे पत्ते प्रति दिन प्रति व्यक्ति) में ही उपयोग करना चाहिए।

दूधी का सेवन करने के तरीके

सब्जी के रूप में
दूधी को आलू, टमाटर या मूंग दाल के साथ हल्की मसालेदार सब्जी के रूप में पकाया जाता है।

दूधी का रायता
बारीक कटी हुई दूधी को उबालकर दही में मिलाकर स्वादिष्ट रायता बनाया जा सकता है।

दूधी का पराठा या ओम्लेट
आटे में बारीक कटी हुई की हुई दूधी और हरे मसाले मिलाकर पराठा या ओम्लेट बनाया जाता है।

सूप
दूधी को दूसरी सब्जियों एवं मसालों के साथ उबालकर हल्का और पौष्टिक सूप बनाया जाता है।

जूस
ताजी दूधी का रस सुबह खाली पेट पीना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है।

खिचड़ी में
चावल और दाल के साथ मिलाकर दूधी की खिचड़ी बनाई जा सकती है।

भरवा दूधी
मसाले भरकर दूधी को धीमी आँच पर पकाकर स्वादिष्ट व्यंजन बनाया जाता है।

घटक	मात्रा (प्रति 100 ग्राम सूखा पौधा)
नमी	75.18 ग्राम
प्रोटीन	12.57 ग्राम
रेशा	36.59 ग्राम
कार्बोहाइड्रेट	13.90 ग्राम
वसा	3.67 ग्राम

खनिज	मात्रा(मि.ग्रा.)
सोडियम	175.80
पोटैशियम	5536.27
कैल्शियम	116.94
लिथियम	39.44
नाइट्रोजन	1981.32
फॉस्फोरस	241.89
गंधक	1746.11
लोहा	82.82
तांबा	2.60
मैंगनीज	8.71
जस्ता	5.44

विटामिन	मात्रा(मि.ग्रा.)
विटामिन सी	91.18
कैरोटीन	297.44

आयुर्वेद में छिपा है सेहत का खजाना

आयुर्वेद में स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्राचीनकाल से प्राकृतिक तौर तरीकों पर बल दिया जाता है। बिना किसी साइड इफेक्ट के जड़ी-बूटियों के इस्तेमाल से स्वास्थ्य लाभ पाने के लिए आयुर्वेद लोगों का भरोसेमंद साथी बन गया है। आयुर्वेद में स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्राचीनकाल से प्राकृतिक तौर तरीकों पर बल दिया जाता है। यह चिकित्सा पद्धति इतना प्रभावशाली है कि धीरे-धीरे इसकी ख्याति पूरे विश्व में हो गई है। स्वास्थ्य लाभ की बात आती है लोगों का पहला चयन आयुर्वेदिक उपचार ही होता है। बॉडी केयर के लिए आयुर्वेद में तीन दोषों के संतुलन पर जोर दिया जाता है। ये तीन दोष हैं: वात, पित्त, कफ। आयुर्वेद के अनुसार, यही तीन दोष आपके शरीर में मुख्य ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके कारण आपका शरीर सुचारु रूप से कार्य कर पाता है। स्वस्थ शरीर के लिए इन दोषों का संतुलन काफी जरूरी होता है। यही तीन दोष शरीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेदिक टिप्स

ध्यान : तन और मन के बीच सामंजस्य बैठाने के लिए ध्यान बहुत जरूरी है। नियमित ध्यान करने से आपका तनाव कम होता है, एकाग्रता बढ़ती है और विचारों में स्पष्टता आती है, इसलिए आपको ध्यान को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। इससे निर्णय लेने की क्षमता में भी विकास होता है और अध्यात्म में रुझान बढ़ता है

उचित आहारः किस व्यक्ति को क्या खाना चाहिए, इसका निर्णय उसके शरीर में मौजूद तीनों दोषों के स्तर को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। उचित आहार से ये सभी दोष संतुलित हो जाते हैं और इसके कारण होने वाले विकारों से मुक्ति मिल जाती है। यह पाचन तंत्र को मजबूती प्रदान करता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

पंचकर्म : पंचकर्म आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की वह तकनीक है, जिसकी मदद से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाला जाता है। यही विषाक्त पदार्थ आपके शरीर में मौजूद कई बीमारियों का कारण हो सकते हैं।

दैनिक दिनचर्याः आपकी दैनिक दिनचर्या दिनचर्या सही है, तो आपको अच्छी नींद आती है और पाचन शक्ति भी बढ़ती है। इससे आपकी कार्य करने की क्षमता भी प्रभावित होती है, इसलिए एक दैनिक दिनचर्या बनाएं और उसका पालन करें।

तनाव प्रबंधन : आधुनिक समय में व्यस्त जीवनशैली के कारण लोगों का तनाव भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में तनाव के कारण तरह तरह की बीमारियां भी उत्पन्न होती हैं, जो धीरे-धीरे स्वास्थ्य पर नेगेटिव प्रभाव डालती है। शरीरिक और मानसिक आरोग्य के लिए तनाव प्रबंधन बहुत जरूरी है। इसके लिए आप योग, आयुर्वेदिक उपचार, ध्यान, आदि का उपयोग कर सकते हैं।

डॉ. चिराग ठाकुर, मंडी

भरपूर नींदः एक अच्छे स्वास्थ्य के लिए नींद बेहद जरूरी है। यह जीवन के तीन महत्वपूर्ण आधारों में से एक है। नींद के दौरान शरीर के अंदर ऊर्जा का संचय होता है, जिसकी मदद से शरीर कार्यान्वित होता है। नींद शरीर का सामंजस्य प्रकृति के साथ स्थापित करता है और विचारों की स्पष्टता प्रदान करता है।

हर्बल उपचारः आयुर्वेद में कई ऐसी जड़ी-बूटियों के बारे में बताया गया है, जिनके सेवन से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसमें प्रमुख हैं तुलसी, अश्वगंधा, हल्दी, आंवला, नीम, शतावरी, गुडुची, आदि। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है और संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ होता है।

स्टाई

डॉ. निधि जोशी, गांधीधाम कच्छ (गुजरात)

स्टाई (गुहेरी) आंख की पलक (eyelid) पर होने वाला एक छोटा, दर्दनाक फोड़ा (boil) है। यह तब बनता है, जब पलकों के किनारे पर स्थित तैलीय ग्रंथियां या रोमकूप बैक्टीरिया संक्रमण के कारण सूज जाती हैं और उनमें पस भर जाता है।

स्टाई के प्रकार

1. बाहरी स्टाई
पलक के बाहर की ओर बनता है। यह पलकों की बरौनी के बालों के रोमकूप या पास की तेल ग्रंथियों के संक्रमण से होता है।

2. भीतरी स्टाई
पलक के अंदर की ओर बनता है। यह मेइबोमियन ग्रंथियों के संक्रमण से होता है।

लक्षण

- पलक पर लाल, सूजा हुआ छोटा फोड़ा
- आंखों में दर्द और जलन
- आंखों से पानी आना
- आँखों में रेत जैसा अहसास होना
- प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता
- पलक का भारीपन
- कभी-कभी आंखों की धुंधली दृष्टि (यदि सूजन ज्यादा हो तो)

स्टाई होने के कारण

- बैक्टीरिया का संक्रमण
- गंदे हाथों से आंखों को रगड़ना
- मेकअप का सही से साफ न करना
- कॉन्टैक्ट लेंस का अनुचित प्रयोग
- बार-बार आंखों को छूना
- शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता का कमजोर होना
- ब्लेफेराइटिस (पलक की क्रॉनिक सूजन)

घरेलू उपचार

1. गर्म पानी की सिकाई
दिन में 3-4 बार 10-15 मिनट तक गर्म पानी की पट्टी रखें। इससे पस बाहर आने में आसानी होती है और दर्द कम होता है।

2. पलक की सफाई करें
आंखों को साफ और सूखा रखें। गुनगुने पानी से पलकों को धोएं।

3. मेकअप से बचें
संक्रमण ठीक होने तक कोई भी आई-मेकअप न लगाएं।

4. स्टाई को दबाएं नहीं
फोड़े को फोड़ने या दबाने से संक्रमण फैल सकता है।

होम्योपैथिक औषधियां

1. **Staphysagria:** बार-बार स्टाई होना। खासकर पलक के किनारे पर बार-बार फुंसी जैसी बनती है। यदि मरीज में गुस्सा दबाने की प्रवृत्ति हो।
2. **Pulsatilla:** स्टाई में पस बनने की प्रवृत्ति। मुलायम, लाल, सूजी हुई पलकें। आंख से लगातार पानी आना। ठंडी हवा से तकलीफ बढ़ती है, खुली हवा में राहत। बच्चों, औरतों में अधिक उपयोगी।
3. **Hepar Sulphur:** स्टाई में बहुत दर्द, स्पर्श सहन न होना। पस जल्दी बनने की प्रवृत्ति। गर्म सिकाई से आराम मिलता है। अगर स्टाई पक्क कर फूटने वाली अवस्था में हो।
4. **Silicea:** पुरानी/ बार-बार होने वाली स्टाई। पलक पर गांठ की तरह रह जाना। शरीर में रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम हो तो यह औषधि मददगार।
5. **Graphites:** आंखे के कोनों में खुजली और चिपचिपा स्राव। पलक पर सूजन और मोटापन। पुरानी स्टाई या पलक पर बार-बार होने वाली गुहेरी।
6. **Conium:** पलक पर कठोर गांठ रह जाने पर। दर्द कम, लेकिन गांठ लंबे समय तक बनी रहती है।

ध्यान दें: सही औषधि का चुनाव रोगी के लक्षण और प्रकृति देखकर करना चाहिए। होम्योपैथिक दवा का चुनाव लक्षणों और रोगी की संपूर्ण स्थिति देखकर ही करें।

रोकथाम

- आखों को बार-बार हाथ न लगाएं।
- हाथों को हमेशा साफ रखें।
- सोने से पहले आई-मेकअप पूरी तरह हटा दें।
- व्यक्तिगत तौलिया, रुमाल या कॉस्मेटिक्स शेयर न करें। कॉन्टैक्ट लेंस का इस्तेमाल साफ-सुथरे तरीके से करें।

तंबाकू की आदत बन सकती है मुंह के कैंसर का कारण

दुनिया के मुकाबले भारत में माउथ कैंसर के ज्यादा मामले देखने को मिलते हैं, क्योंकि यहां लोग तंबाकू का बहुत ज्यादा सेवन करते हैं। हर साल यहां लाखों लोग की मौत माउथ कैंसर की वजह से हो जाती है, लेकिन तंबाकू ही एकमात्र वजह नहीं इस कैंसर के होने की, कुछ अन्य कारणों से भी इस कैंसर के होने की संभावना बढ़ जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. एनके गुप्ता का कहना है कि किसी भी तरह का तंबाकू सेवन सेहत के लिए हानिकारक होता है। तंबाकू से होने वाली बीमारियों को हेल्दी डाइट और सही देखभाल से रोक से इस खतरे को रोका जा सकता है।

▶▶ हेल्दी डाइट और सही देखभाल से रोक सकते हैं कैंसर का खतरा

माउथ कैंसर के कारण लक्षण और बचाव

दुनियाभर में कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ओरल या माउथ कैंसर लंग, प्रोस्टेट, लिवर कैंसर जैसा ही जानलेवा है। साल 2002 में मुंह के कैंसर के कारण 57 मौतें हुईं। हालांकि, 2021 तक यह संख्या दोगुनी होकर 103 हो गई। विश्व स्तर पर, हर साल मुंह के कैंसर के लगभग 377,000 मामले सामने आते हैं। ये मामले सालाना 177,000 से ज्यादा मौतों का कारण बनते हैं, जो सभी कैंसर से संबंधित मौतों का लगभग 2% है। डॉ. गुनीता सिंह, डेंटल सर्जन से जानते हैं मुंह के कैंसर की वजहों के साथ ही इससे बचने के उपाय भी।

कारण

मुंह का कैंसर, जिसे ओरल कैंसर भी कहा जाता है, मुंह के अलग-अलग हिस्सों में विकसित हो सकता है, जिसमें होंठ, मसूड़े, जीभ, गाल, तालू और मुंह का निचला हिस्सा शामिल हैं। भारत में, मुंह के कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक तंबाकू का सेवन है। इसमें गुटखा, जर्दा, खैनी, सिगरेट, बीड़ी और हुक्का जैसे विभिन्न रूप शामिल हैं। युवा और वयस्क दोनों ही आबादी में लगातार तंबाकू के सेवन के कारण मुंह के ट्यूमर विकसित होने का जोखिम होता है। इसके अलावा, अत्यधिक शराब के सेवन से मुंह के कैंसर की संभावना बढ़ जाती है। सूर्य के संपर्क में आने से भी होंठ का कैंसर हो सकता है, जबकि पुराना तनाव मुंह के कैंसर के विकास में योगदान दे सकता है। अंत में, खराब तरीके से फिट किए गए डेंटल प्रोस्थेटिक्स और नुकीले दांत भी मुंह के कैंसर के विकास में कारक हो सकते हैं।

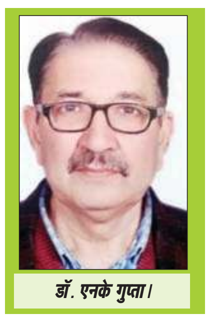

डॉ. एनके गुप्ता।

मुंह के कैंसर को कैसे रोकें

दिन में दो बार अपने दांतों को ब्रश करें। माउथवॉश का इस्तेमाल करें। अपने मसूड़ों की मालिश करें और दांतों के साथ जीभ को भी नियमित रूप से साफ करें। डेंटिस्ट से नियमित चेकअप करवाते रहें। अपने मुंह में किसी भी समस्या को जल्दी पकड़ने के लिए दंत जांच करवाते रहें। इन यात्राओं को टालें नहीं, क्योंकि जल्दी पता लगने से बेहतर परिणाम मिलते हैं। कीवी, ब्लूबेरी और ग्रीन टी जैसे एंटीऑक्सीडेंट युक्त खाद्य पदार्थों के साथ हेल्दी डाइट कई प्रकार के कैंसर को रोकने में मदद कर सकती है।

प्रस्तुतिः मोहन चौहान, सोलन।

शिरोरोग : सिरदर्द का आयुर्वेदिक समाधान

डॉ. प्रियंका शर्मा आयुर्वेदिक विशेषज्ञ, बिलासपुर

सिरदर्द यानी शिरोरोग एक सामान्य, लेकिन अत्यंत कष्टदायक समस्या है। लगभग हर व्यक्ति जीवन में किसी न किसी समय इसका अनुभव करता है। कई बार यह दर्द क्षणिक होता है, तो कई बार इतना गहरा और बार-बार होने वाला कि जीवन की दिनचर्या को प्रभावित करने लगता है। आयुर्वेद ने इसे केवल एक लक्षण न मानकर एक स्वतंत्र रोग माना है और इसके कारणों व उपचार का विस्तृत वर्णन किया है। चरक संहिता और सुश्रुत संहिता के अनुसार शिरोरोग त्रिदोषों-वात, पित्त और कफ-के असंतुलन से उत्पन्न होता है। सुश्रुत संहिता में इसे पांच प्रकारों में विभाजित किया गया है। वातज सिरदर्द सामान्यतः मानसिक थकान, चिंता, नींद की कमी और कब्ज के कारण होता है। इसमें सिर में तीव्र पीड़ा होती है, जो प्रायः रात के समय और बढ़ जाती है। ऐसे रोगियों को तेल की मालिश, घी और दूध जैसे पदार्थों का सेवन विशेष लाभ देता है। पित्त, सिरदर्द, आंखों में गर्मी, चिड़चिड़ापन और तेज प्यास जैसे लक्षण प्रकट होते हैं। इसका समाधान शीतल पदार्थों, चंदन लेप और विश्राम में है। वहीं, कफज सिरदर्द में भारीपन, नाक बंद होना, नींद अधिक आना और आलस्य की स्थिति देखी जाती है, जो प्रायः ठंडे और कफवर्धक आहार के सेवन से उत्पन्न होती है। इसके उपचार के लिए नस्य, भाप लेना, धूमपान (धूमवर्ति) और कफहर औषधियां उपयुक्त मानी गई हैं। माइग्रेन यानी अर्धावभेदक की समस्या आम हो गई है। सुश्रुत संहिता में इसका उल्लेख एक विशिष्ट शिरोरोग के रूप में किया गया है। इसमें दर्द सिर के केवल एक ओर होता है और वह तीव्र तथा चुभनभरा होता है। प्रकाश और ध्वनि के प्रति संवेदनशीलता भी इसमें बढ़ जाती है। वात और पित्त दोषों की प्रधानता इसके पीछे मुख्य कारण मानी गई है। इसके उपचार में पंचकर्म विशेषकर शिरोधारा और नस्य, शुद्ध घी, दूध, त्रिफला का सेवन तथा मानसिक शांति और पर्याप्त विश्राम की विशेष भूमिका है। यह स्पष्ट है कि सिरदर्द केवल शारीरिक रोग न होकर मानसिक, आहारिक और पर्यावरणीय कारणों से भी जुड़ा होता है। यदि हम अपनी जीवनशैली को संतुलित करें, आहार को शुद्ध और व्यवस्थित रखें तथा मानसिक स्थिरता को अपनाएं, तो शिरोरोग से न केवल राहत मिल सकती है बल्कि इसे जड़ से मिटाना भी संभव है।

प्रस्तुति : अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर

राधाष्टमी के शाही स्नान में बारिश बनी बाधा

उम्मीद से कम जुटे श्रद्धालु, मणिमहेश यात्रा के रद्द होने से थी संख्या बढ़ने की आस

▶▶ प्रशासन ने किए थे पुख्ता इंतजाम
▶▶ पानी से लबालब भरी थी डल झील

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान ब्यूरो

धर्मशाला। मिनी मणिमहेश के नाम से विख्यात धर्मशाला के नड्डी स्थित डल झील में राधाष्टमी के शाही स्नान में बारिश बाधा बनी, जिसके चलते अपेक्षा के अनुरूप भीड़ नहीं जुट पाई। चंबा जिले की मणिमहेश यात्रा के आपदा के चलते स्थगित होने के चलते प्रशासन व मंदिर ट्रस्ट को श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नजर नहीं आया। शाही स्नान के लिए जहां प्रशासन व पुलिस ने ट्रैफिक व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। वहीं, पवित्र डल झील भी लबालब भरी हुई थी।

हालांकि, सुबह से ही श्रद्धालु जुटना शुरू हो गए थे, लेकिन दिनभर श्रद्धालुओं के आगमन का सिलसिला इक्का-दुक्का ही रहा। शाही स्नान के लिए कम भीड़ जुटने के पीछे मौसम विभाग की ओर से जारी ऑरेंज अलर्ट व जिला व प्रदेश में बरसात के चलते कई मार्गों के क्षतिग्रस्त होना प्रमुख कारण रहे। शाही स्नान के चलते महिलाओं व पुरुषों के लिए झील किनारे घाट बनाए गए थे। नहाने की जगह किसी अनहोनी से बचने के लिए रस्सियां लगाई थी, जिससे कि स्नान करने वाले श्रद्धालु रस्सियां पकड़कर स्नान कर सकें। सुरक्षा के लिए पुलिस व होमगार्ड जवानों सहित एसडीआरएफ टीम व गोताखोर तैनात किए गए थे।

जगह-जगह लगाए गए लंगर

बारिश के बावजूद राधाष्टमी शाही स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए धर्मशाला बाईपास से लेकर डल झील किनारे स्थित ऐतिहासिक दुर्वेश्वर महादेव मंदिर व आसपास के क्षेत्रों में लोगों द्वारा भोजन, खीर सहित अन्य प्रकार के व्यंजनों के लंगर लगाए गए थे।

प्रशासन के पुख्ता थे इंतजाम: एसडीएम

एसडीएम धर्मशाला मोहित रत्न ने कहा कि पवित्र स्नान के लिए के लिए प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए थे, लेकिन बारिश के चलते श्रद्धालुओं की संख्या में कमी दर्ज की गई है। बारिश के चलते कई जगहों पर सड़कों को भी क्षति पहुंची है। सुरक्षा, ट्रैफिक को लेकर हर इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं ने अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कम उपस्थिति दर्ज करवाई है।

पिछले दो वर्षों की अपेक्षा कम रहे श्रद्धालु

जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 में 10 से 11 हजार श्रद्धालु और वर्ष 2024 में 16 से 17 हजार श्रद्धालु राधाष्टमी पर डल झील में शाही स्नान के लिए पहुंचे थे, लेकिन इस वर्ष श्रद्धालुओं का आंकड़ा 2 हजार को भी नहीं छू पाया है। ऐसे प्रशासन की तैयारियां बारिश के आगे धरी की धरी रह गईं। वहीं, दुकानदारों को भी मायूसी हाथ लगी।

भ्रम के चलते शाम को पहुंचे लोग

जानकारी के अनुसार सड़कें बंद होने को लेकर फैलाया गया भ्रम भी श्रद्धालुओं की कम संख्या का कारण रहा। बताया जा रहा है कि नादौन से डलझील में शाही स्नान शाम पांच बजे यहां स्नान करने पहुंचे, जिनका कहना था कि उन्हें सड़क बंद होने की जानकारी दी गई। इसके चलते वे बैजनाथ पहुंच गए, जबकि शाम को वे यहां स्नान करने के लिए पहुंचे।

अधिक भीड़ जुटने की थी उम्मीद: सुभाष

दुर्वेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी सुभाष शर्मा ने इस बार राधाष्टमी पर गर्म स्नान था, जिसके चलते श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रहने की संभावना थी, लेकिन जिला के चंबा के मणिमहेश में जो त्रासदी हुई है, उस कारण लोग शायद डर गए हैं और रविवार को भारी बारिश का अलर्ट भी था। इसके चलते धीरे-धीरे श्रद्धालु आ रहे हैं। कई सड़क मार्ग भी टूटे हुए हैं, यही कारण है कि स्नान के लिए कम श्रद्धालु पहुंचे हैं।

मौसम खुलता तो बढ़ती भीड़: संजीव जसवाल

श्री दुर्वेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के सदस्य संजीव जसवाल ने कहा कि राधाष्टमी स्नान के लिए बेहतर इंतजाम किए गए हैं। पूर्व के वर्षों की तरह इस बार भी खासी संख्या में श्रद्धालुओं के उमड़ने की उम्मीद थी, लेकिन बारिश की वजह से संख्या कम रही है। दिन में दो से तीन घंटे के लिए भी मौसम खुल जाता, तो संख्या बढ़ सकती है।

न्यूज ब्रीफ

6.03 ग्राम चिट्टे के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, इंदौरा। पुलिस चौकी कंडवाल के तहत ज्योति पैलेस के पास गश्त के दौरान नारकोटिक्स नूरपुर टीम ने सब इंस्पेक्टर अजायब सिंह की अगुवाई में एक संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उक्त व्यक्ति के पास से 6.03 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। आरोपी की पहचान साहिल निवासी गढ़, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एएसपी नूरपुर धर्मचंद वर्मा ने बताया कि नशे के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

अवैध खनन: 1 जेसीबी और 1 टिप्पर जब्त

अनंत ज्ञान, इंदौरा। विधानसभा क्षेत्र इंदौरा के तहत माइनिंग 15 सितंबर तक प्रतिबंध होने के बावजूद खनन माफिया के लोग अवैध खनन कर रहे हैं, जिस पर कार्रवाई करते हुए डमटाल थाना पुलिस ने एक जेसीबी मशीन तथा एक टिप्पर को अवैध खनन करते हुए पकड़ा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जहरीला पदार्थ खाने से नाबालिगा की मौत

अनंत ज्ञान, परागपुर। पुलिस थाना रक्कड़ के तहत एक नाबालिगा की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। मृतका दसवीं कक्षा की छात्रा थी। परिजनों ने पुलिस में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया कि गांव के ही निवासी पति-पत्नी कुछ समय से उनकी बेटी को बदनाम करने की धमकियां दे रहे थे। लगातार मिल रही धमकियों से तंग आकर बेटी ने जहर खा लिया, गंभीर हालत में उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल गरली लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। देहरा में शव का पोस्टमार्टम करवाया गया।

पुलिस में नीरज हिमाचली का नया पहाड़ी गीत शूट

ढलियारा की वादियों में गूंजा गल मेरी सूण ढोला

शालबिया शर्मा, अनंत ज्ञान, गरली। ढलियारा की वादियों में रविवार को नीरज हिमाचली (पक्कू) ने अपने परिवार संग नया गीत गल मेरी सूण ढोला शूट किया। खास बात यह रही कि उनकी पत्नी पूजा हिमाचली लीड मॉडल रहीं, जबकि माँ लता हिमाचली व बच्चों फांदू, परी और पूजा ने भी अभिनय कर इसे पारिवारिक रंग दिया। गीत को जेके पालमपुरिया ने लिखा व गाया है। निर्देशन बिक्की नरियाल ने किया। नीरज बीते छह वर्षों से पहाड़ी भाषा के संरक्षण के लिए पारिवारिक शॉर्ट वीडियो बनाते आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनकी प्रस्तुतियों को लाखों दर्शक पसंद करते हैं।

डाडासीबा में 363 ग्राम चरस व 94,800 रुपए बरामद

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। डाडासीबा पुलिस ने रविवार को नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की। डाडासीबा पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि राज कुमार (44), पुत्र जगदीश चंद, निवासी गांव गुरुवाड़, नशे की सामग्री अपने घर में छुपा कर रख रहा है। पुलिस ने आरोपी के घर दबिश दी और तलाशी के दौरान 363 ग्राम चरस और 94,800 रुपए बरामद किए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है। डीएसपी राजकुमार डाडासीबा ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

खराब मौसम: निशुल्क ईएनटी शिविर रद्द

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान, कांगड़ा। विवेकानंद उत्तर प्रांत के संचालक अशोक रैना ने बताया कि दिल्ली से धर्मशाला जाने वाली इंडिगो की उड़ान खराब मौसम के कारण रद्द कर दी गई। इस कारण डॉ. संजय सदयेव गोपाल बाग कांगड़ा में आयोजित निःशुल्क ईएनटी ओपीडी शिविर में शामिल नहीं हो पाए और शिविर रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा कि विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी शाखा कांगड़ा और रिपुदमन चैरिटेबल ट्रस्ट शिविर के आयोजक इस असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हैं। शिविर की अगली तिथि शीघ्र ही सूचित की जाएगी।

सामाजिक सेवा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। भाजपा जिला देहरा के उपाध्यक्ष डॉ. सुकृत सागर ने रविवार को अपने निवास बूथ गुलेर-20 पर परिवार और पार्टी कार्यकर्ताओं संग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात सुना। डॉ. सागर ने कहा कि यह कार्यक्रम समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री ने हालिया बाढ़ व भूस्खलन जैसी आपदाओं पर संवेदना व्यक्त की और राहत कार्यों में जुटी सेना व एजेंसियों की सराहना की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री के संदेशों से प्रेरित होकर सामाजिक सेवा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

लंबित महंगाई भत्ता जल्द किया जाए जारी

कोहली, अनंत ज्ञान, शाहपुर। प्रदेश पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की रैत ब्लॉक इकाई की बैठक अध्यक्ष पवन धीमान और शहरी इकाई शाहपुर के अध्यक्ष सेठ राम की अध्यक्षता में हुई। राज्य अध्यक्ष एवं प्रदेश पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुरेश ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में पेंशनर्स की कई लंबित मांगों पर चिंता व्यक्त की गई। वक्ताओं ने कहा कि 1 जनवरी 2016 से 31 जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों की संशोधित ग्रैच्युटी, कम्यूटेशन और लीव इनकैशमेंट का भुगतान अभी तक लंबित है, जिसे शीघ्र अदा किया जाए। 13 फीसदी लंबित महंगाई भत्ते और 110 माह के बकाया महंगाई भत्ते को तुरंत देने की मांग की गई। संशोधित छठे वेतनमान की देनदारियां भी 1 जनवरी 2016 से शीघ्र भुगतान करने का आग्रह किया गया। चिकित्सा बिलों के भुगतान के लिए पर्याप्त बजट प्रदान करने की भी मांग की गई।

राष्ट्र निर्माण में संस्कृत एवं संस्कृतज्ञों की अहम भूमिका

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू) के संस्कृत विभाग की ओर से संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में संस्कृत और संस्कृतज्ञों की अहम भूमिका है, जिसे सुदृढ़ करने के लिए समाज को ठोस प्रयास करने होंगे। मुख्य वक्ता संस्कृत भारती के उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री नरेंद्र कुमार ने कहा कि भाषा, संस्कृति और भूसंरक्षण तीनों के समन्वय से राष्ट्र का निर्माण होता है और संस्कृत इस राष्ट्र की आत्मा है। यदि भारत को पुनः परम वैभव की ओर ले जाना है, तो संस्कृत का संरक्षण, अध्ययन और प्रचार आवश्यक है।

समाजसेवी ममता निजोन का हार्टअटैक से निधन

अनंत ज्ञान, गगल। गगल की समाजसेवी ममता निजोन का दिल का दौरा पड़ने से रविवार सुबह निधन हो गया। उनके निधन की खबर इलाके में फैलते ही शोक की लहर दौड़ गई। ममता के घर के साथ ही गणेश उत्सव का त्योहार भी चला हुआ था। गणेश उत्सव कमेटी के प्रधान मोहन हरजाई ने कहा कि शाम को केवल आरती ही करेंगे, बाकी कार्यक्रम नहीं करेंगे।

सकुशल लौटा कुंजेश्वर महादेव मणिमहेश सेवा दल

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। जयसिंहपुर उपमंडल के कुंजेश्वर महादेव मणिमहेश सेवा दल, जो 9 अगस्त को मणिमहेश यात्रा धनछो नामक स्थान पर भंडारे लंगर लगाने के लिए गया था वह सभी सकुशल रविवार को जयसिंहपुर पहुंच गए हैं। यह जानकारी कुंजेश्वर मणिमहेश सेवा दल के अध्यक्ष संजीव ठाकुर ने दी।

चौधरी बिरादरी खड़ा करेगी तीसरा मोर्चा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला। भारतीय क्षेत्रीय धृत बाहती चाहंग महासभा ब्लॉक धर्मशाला की एक विशेष बैठक पंचायत मंडल में अध्यक्ष सुदर्शन अंगारिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में 93वें संविधान संशोधन (20 जनवरी 2006) के अनुसार शैक्षणिक संस्थानों में ओबीसी आरक्षण लागू करने की मांग पर चर्चा हुई। यह आरक्षण देशभर में लागू है, लेकिन हिमाचल प्रदेश में 19 वर्ष बीत जाने के बावजूद इसे अब तक लागू नहीं किया गया है। सभी सदस्यों ने प्रस्ताव पारित कर भाजपा और कांग्रेस दोनों पर उपेक्षा का आरोप लगाया और तीसरे मोर्चे को समर्थन देने का ऐलान किया।

चौधरी समुदाय ने आगामी चुनावों में केवल तीसरे मोर्चे के पक्ष में मतदान करने की शपथ ली। सरकार के विरोध में 20 सितंबर को कांगड़ा से धर्मशाला तक पैदल मार्च कर विशाल रैली निकाली जाएगी, जिसका संचालन ओबीसी संगठन के सौरभ व चौधरी रामलाल करेंगे।

कोटला में भूस्खलन से मकान ध्वस्त, एनएच पर पहुंचा मलबा

शिबू ठाकुर, अनंत ज्ञान, कोटला। कोटला में रविवार को राम कुमार गुप्ता के घर से कुछ दूरी पर बलाह की पहाड़ी से भारी भूस्खलन हुआ। भूस्खलन से राम कुमार के मकान का कुछ हिस्सा गिर गया, जो एनएच को पार करता हुआ आशीष धीमान के फर्नीचर शोरूम के साथ जा टकराया, जिससे भारी नुकसान हुआ है। जेसीबी के माध्यम से मलबा हटाकर यातायात बहाल किया गया। वहीं, कोटला बाजार में पंकज कुमार, सुमन कुमार, हैप्पी, सरूपी, विक्की आदि की दुकानों में पानी घुस गया, जिससे दुकानों में रखा हुआ सामान खराब हो गया। त्रिलोकपुर में डॉक्टर निखिल की गोशाला ध्वस्त हो गई। प्राकृतिक शिव मंदिर त्रिलोकपुर के पास बह रही खड्ड ने भयंकर रूप धर लिया है। इससे मंदिर परिसर पूरी तरह से कीचड़ से भर गया है।

पवन कौंडल बने घृत बाहती चाहंग महासभा इकाई नूरपुर के अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, नूरपुर। नूरपुर उपमंडल के बौड़ स्थित एक निजी पैलेस में घृत बाहती चाहंग महासभा इकाई नूरपुर का गठन जिलाध्यक्ष एमएल कौंडल की अध्यक्षता में किया गया। चुनावी प्रक्रिया में लगभग 300 लोगों ने भाग लिया। सर्वसम्मति से ई. पवन कौंडल को अध्यक्ष और रविंद्र चौधरी (भम्भी) को महासचिव चुना गया। राजकुमार चौधरी व अशोक कौंडल उपाध्यक्ष, जबकि किशोरी लाल सचिव नियुक्त किए गए। बैठक में पूर्व चेयरमैन वलदेव पप्पी चौधरी, जिला महासचिव गुरचर्ण सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष जवाली मनोहर लाल आचार्य, प्रेम सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पौंग बांध से छोड़े जा रहे पानी से हालात बिगड़े, इंदौरा उपमंडल में भारी तबाही

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। पौंग बांध के स्पिलवे और टरबाइन पिछले 25 दिनों से लगातार खुले हुए हैं। बांध से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण फतेहपुर सहित इंदौरा क्षेत्र में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। पौंग बांध के पानी ने इंदौरा उपमंडल में काफी तबाही मचाई हुई है, जहां हालात पहले से खराब होते जा रहे है। रिहायशी इलाकों में पानी घुस आया है और कई घर व जमीनें बाढ़ में समा चुकी हैं। लोग घरों का सामान निकालकर गाड़ियों में भरकर सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। कई सड़कों पर आवाजाही ठप हो चुकी है। बीबीएमबी के अनुसार, मौजूदा समय में 94,855 क्यूसिक पानी झील में आ रहा है, जबकि 1.09 लाख क्यूसिक पानी स्पिलवे व टरबाइन से छोड़ा जा रहा है।

▶ रिहायशी इलाकों में घुसा पानी

पौंग बांध का जलस्तर इस समय 1391 फुट पर है। विभाग ने पहले ही प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जलस्तर 1400 फुट पहुंचा तो पानी फ्री फ्लो में छोड़ा जाएगा। एसडीएम फतेहपुर ने लोगों से अपील की है कि वे पूरी तरह सतर्क रहें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि संवेदनशील इलाकों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

आज मैक्लोडगंज लौटेंगे धर्मगुरु दलाईलामा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा करीब डेढ़ माह के उपरांत सोमवार को मैक्लोडगंज वापस लौटेंगे। धर्मगुरु के आगमन पर उनके स्वागत के लिए तिब्बती समुदाय ने तैयारी कर ली है। जगह-जगह तिब्बती समुदाय की ओर से झंडे लगाए गए हैं। तिब्बती धर्मगुरु 12 जुलाई को लेह लद्दाख के लिए रवाना हुए थे। वहां पर विभिन्न आयोजनों में भाग लेने उपरांत धर्मगुरु दिल्ली प्रस्थान कर गए थे। दिल्ली में स्वास्थ्य चेकअप के बाद एक सितंबर को धर्मगुरु मैक्लोडगंज वापस लौटेंगे। सोमवार को पहली फ्लाइट से कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां तिब्बत सरकार के प्रतिनिधि व समुदाय के लोग उनका स्वागत करेंगे।

3 दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह संपन्न

अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर। सीएसआईआर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान पालमपुर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह रविवार को संपन्न हुआ। यह आयोजन 29 अगस्त को संस्थान के निदेशक, डॉ. सुदेश कुमार यादव द्वारा स्टाफ और शोधार्थियों को फिट इंडिया प्रतिज्ञा दिलाने के साथ शुरू हुआ था। समारोह के दौरान क्रिकेट, वॉलीबाल, और एथलेटिक्स जैसे खेलों ने परिसर को ऊर्जा से भर दिया। वहीं, टेबल टेनिस और कैरम जैसे इनडोर खेलों में भी प्रतिभागियों ने खूब उत्साह दिखाया।

सामुदायिक प्रेरकों को बताई सिंचाई प्रबंधन की तकनीक

अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर। कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर में प्रदेश फसल विविधिकरण प्रोत्साहन परियोजना (एचपीसीडीपी) फेज-2 के तहत सामुदायिक प्रेरकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें जिला कांगड़ा की विभिन्न उप परियोजनाओं से 30 प्रेरकों ने भाग लिया। शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रेरकों को सिंचाई प्रबंधन की तकनीकों, जल उपयोग दक्षता और कृषि उत्पादकता में वृद्धि के उपायों की जानकारी देना रहा। डॉ. लव भूषण ने सिंचाई प्रबंधन का महत्व, क्षेत्रीय जल स्रोत, फसलों की नाजुक अवस्थाएं और सिंचाई निर्धारण विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कुलदीप बने पीटीएफ जिला कांगड़ा के प्रधान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्राइमरी टीचर फेडरेशन (पीटीएफ) जिला कांगड़ा के चुनाव रविवार को नगरोटा बगवां में हुए। इसमें कुलदीप पठानिया को निर्विरोध जिला अध्यक्ष चुना गया। नव निर्वाचित प्रधान कुलदीप ने कहा कि वह सदा शिक्षक हितों और सामान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। वहीं, जिला कार्यकारिणी में मुख्य संरक्षक अनिल भाटिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीव शर्मा, महासचिव दिनेश राणा, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार, मुख्य सलाहकार मनोहर राणा, संयुक्त सचिव ओम प्रकाश, महालेखाकार तरसेम लाल, वरिष्ठ संगठन मंत्री मनीष शर्मा, सरंक्षक हरि ओम शर्मा, मीडिया प्रभारी सुभाष भाटिया, प्रधान सलाहकार मनोहर राणा, उपाध्यक्ष चमन शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी चुने गए।

धार्मिक आयोजनों से बढ़ता है भाईचारा: काजल

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। विधायक पवन काजल ने रविवार को पुराना कांगड़ा में आयोजित गणेश उत्सव में भाग लिया। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में भाईचारा बढ़ता है और युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से जुड़ती है। विधायक ने नशे के विरुद्ध समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया। काजल ने बताया कि पुराना कांगड़ा मोक्षधाम के विकास पर 18 लाख रुपए खर्च किए गए हैं, जबकि तीन महिला मंडल भवनों के निर्माण पर 15 लाख रुपए व्यय हो रहे हैं। जंजघर भवन पर 4 लाख रुपये खर्च हुए हैं और दूसरी मंजिल का कार्य शीघ्र शुरू होगा।

नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से रहे दूर

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ। मौसम विज्ञान विभाग ने 1 सितंबर व 2 सितंबर को जिला कांगड़ा सहित उपमंडल बैजनाथ में मौसम की स्थिति खराब रहने की संभावना जताई है। भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। एसडीएम बैजनाथ संकल्प गौतम ने स्थानीय जनता से अपील की है कि अनावश्यक यात्रा से बचें। नदी-नालों, खड्डों तथा भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें। यदि गणपति विसर्जन का आयोजन प्रस्तावित है, तो मौसम की अनुकूलता को देखते हुए ही संपन्न करें।

धर्मशाला में झियोल बना नया पटवार सर्किल, अधिसूचना जारी

▶ दो विधानसभाओं को सेवाएं देने वाली धर्मशाला तहसील में हुए अब 24 पटवार वृत्त

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला और शाहपुर दो विधानसभा क्षेत्रों को सेवाएं देने वाली धर्मशाला तहसील में अब 24 पटवार सर्किल हो गए हैं। झियोल में नया पटवार सर्किल बनाने के आदेश जारी हो गए हैं। घियाना कलां पटवार वृत्त का विघटन करके नया सर्किल बनाया गया है। सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों ने पूर्व जिला परिषद सदस्य व कांग्रेस नेता चौधरी हरभजन सिंह के समक्ष यह मांग रखी थी। इस पर हरभजन सिंह भज्जी ने कांग्रेस नेता व पूर्व नगर निगम मेयर देवेंद्र जग्गी के जरिए इस मांग को मुख्यमंत्री सुक्खू तक पहुंचाया था। इस मांग पर अब मुहर लग गई है। अधिसूचना जारी होने के बाद धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र के हजारों लोगों में खुशी की लहर है। कांग्रेस नेता चौधरी हरभजन सिंह ने कहा कि घियाणा कलां पटवार सर्किल काफी बड़ा था। इस कारण लोगों को काम करवाने में काफी दिक्कत आ रही थी। मुख्यमंत्री ने जनता को बड़ी राहत प्रदान की है। इस पटवार वृत्त में पटवारी के अलावा एक अन्य कर्मचारी की तैनाती की जाएगी। हरभजन सिंह ने लोगों की मांग पूरा होने पर मुख्यमंत्री सुक्खू, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, धर्मशाला के पूर्व मेयर व कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र जग्गी आदि का आभार जताया है। बहरहाल अब धर्मशाला में 24 पटवार वृत हो गए हैं।

विधायक मलेंद्र ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

प्रभावितों की समस्याएं सुनीं, बाढ़ से हुआ भारी नुकसान

▶ बोले- विधानसभा में दोबारा प्रमुखता से उठाएंगे इंदौरा क्षेत्र की समस्याएं

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान

इंदौरा। इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन ने रविवार को उपमंडल की बाढ़ प्रभावित पंचायत मीलवां, बसंतपुर, तयोडा, मंड, सनौर, बेला इंदौरा और ठाकुरद्वारा का दौरा किया। विधायक ने मीलवां में स्थापित राहत शिविर का निरीक्षण किया और वहां ठहरे लोगों से समस्याओं की जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत शिविर में किसी भी प्रकार की आवश्यक वस्तु की कमी न रहे और प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद समय पर उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि पौंग बांध में जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर होने के चलते लगातार पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे क्षेत्र की 17 पंचायतों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बाढ़ से लोगों की फसलों, बगीचों, पशुधन के साथ-साथ सड़क मार्ग, पुलियां व पेयजल योजनाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों के कार्यों सराहना करते हुए कहा कि राहत व

विधायक ने मीलवां में स्थापित राहत शिविर का निरीक्षण किया और लोगों से बातचीत की।

बचाव कार्यों को तेज गति से अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं को विधानसभा में उठाया है और सोमवार से पुनः आरंभ होने वाली कार्यवाही में इसे फिर से मजबूती से रखा जाएगा।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से भी दोबारा मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं व आवश्यकताओं को रखेंगे, ताकि प्रभावित लोगों को शीघ्र राहत मिल सके। इस अवसर पर एसडीएम डॉ. सुरिंद्र ठाकुर, तहसीलदार अमनदीप, थाना प्रभारी आशीष पठानिया, कृषि विभाग से एसएमएस बोधराज, बिजली विभाग के एसडीओ शंकर दयाल आदि उपस्थित रहे।

बैठक सड़कों और पेयजल योजनाओं की मरम्मत को प्राथमिकता देने के दिए निर्देश

शाहपुर विस में बरसात से 48 करोड़ का नुकसान: पठानिया

▶ लोक निर्माण और जलशक्ति विभाग को सबसे ज्यादा क्षति

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया की अध्यक्षता में रैत वन विभाग के विश्राम गृह में बरसात से हुए नुकसान के आकलन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। विधायक ने बताया कि बरसात में शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में अब तक लगभग 48 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो चुका है।

लोक निर्माण विभाग को सबसे ज्यादा 24 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। एक फुटब्रिज बह गया और 24 सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। जलशक्ति विभाग को 17.60 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जिसमें सिंचाई योजनाओं को 15.60 करोड़ और पेयजल योजनाओं को 2 करोड़ रुपए का

बरसात से हुए नुकसान के आकलन को लेकर समीक्षा बैठक करते केवल पठानिया।

नुकसान शामिल है। इसके अलावा ग्रामीण विकास विभाग को 3.60 करोड़, विद्युत विभाग को 80 लाख, प्रारंभिक शिक्षा विभाग को 25 लाख और वन विभाग को 14 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। इसके अतिरिक्त अन्य विभागों को भी नुकसान हुआ है। पठानिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों और पेयजल योजनाओं की मरम्मत को प्राथमिकता दी जाए, ताकि आम जनता को ज्यादा कठिनाई न हो।

उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत पहुंचाई जाए, ताकि कोई भी परिवार असहाय महसूस न करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि आमजन सीधे उनके मोबाइल पर किसी भी समय संपर्क कर सकते हैं।

श्री दुर्वेश्वर महादेव मंदिर में नवाया शीश

▶ बोले-एक करोड़ से होगा डल झील का जीर्णोद्धार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने रविवार को परिवार सहित श्री दुर्वेश्वर महादेव मंदिर में माथा टेका और विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और शांति की कामना की। मंदिर कमेटी की ओर से पठानिया को शॉल, टोपी व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। पठानिया ने बताया कि 1 करोड़ रुपए की लागत से डल झील का जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें, पारंपरिक पूजा पद्धति में गुणवत्ता लाई जाए और मंदिरों का विकास डिजिटल व व्यवस्थित रूप से हो।

जिले में दो दिन भारी बारिश की चेतावनी, सतर्क रहें लोग: डीसी

▶ कहा- भूस्खलन की दृष्टि से अति संवेदनशील मार्गों की करें मॉनिटरिंग
▶ अधिकारियों को भी फील्ड में डटे रहने के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

डीसी हेमराज बैरवा ने कहा कि मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में जिले में रेड अलर्ट तथा कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। उन्होंने लोगों को सतर्क रहने का आग्रह किया है। उन्होंने सभी नागरिकों व पर्यटकों से नदी-नालों के किनारे न जाने की अपील की है।

उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि भारी बारिश को देखते हुए अनावश्यक यात्रा न करें, सुरक्षित स्थानों पर रहें और किसी प्रकार का जोखिम न उठाएं। वहीं, विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी एसडीएम तथा विभागीय अधिकारियों के साथ आपदा प्रबंधन की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की। डीसी ने सभी अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही भूस्खलन इत्यादि की दृष्टि से अति संवेदनशील मार्गों को यातायात के लिए बंद करने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा है, ताकि किसी भी स्तर पर जान-माल का नुकसान न हो सके। उन्होंने कहा कि जिले में जहां सड़कों पर भूस्खलन इत्यादि हो रहा है, वहां पर जेसीबी जैसी मशीनरी भी तैनात की गई हैं।

उन्होंने इंदौरा के उपमंडलाधिकारी से उपमंडल में आपदा प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की नियमित तौर पर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्रभावित लोगों को किसी भी तरह से असुविधा नहीं हो। उन्होंने लोक निर्माण, जल शक्ति तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों को भी फील्ड में डटे रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि आपदा की स्थिति में तत्काल प्रभाव से निपटा जा सके।

विकास को विनाश समझना उचित नहीं : विक्रमादित्य

बोले-आपदा से 800 करोड़ का नुकसान, बहाली सबसे बड़ी चुनौती व घणाहट्टी में खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

घणाहट्टी में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते मंत्री विक्रमादित्य सिंह।

शिमला। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घणाहट्टी में कसुम्पटी खंड की अंडर-14 ब्यॉयज एंड गर्ल्स श्रेणी की तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विकास को विनाश के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। प्रदेश में 24 से 27 अगस्त के बीच आई आपदा से 800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है और प्रभावित क्षेत्रों की बहाली सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि एक-एक पैसे का सही उपयोग करना होगा ताकि राज्य का भविष्य सुरक्षित रहे।

मंत्री ने चिंता जताई कि बादल फटने और प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जो हिमाचल के लिए गंभीर चेतावनी है। उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण हितैषी विकास मॉडल अपनाना होगा और मलबे को निर्धारित डंपिंग साइट पर ही फेंका जाना चाहिए। यदि भविष्य की पीढ़ी खतरे में रहेगी तो यह सभी के लिए चिंता का विषय होगा, क्योंकि आज पहाड़ लगातार दरक रहे हैं। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि देवभूमि हिमाचल के पवित्र स्थलों पर गंदगी न फैलाएं। इन स्थानों की गरिमा और महत्व को बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि आज लोग देवस्थलों पर कूड़ा-कचरा फैलाकर इन्हें प्रदूषित कर रहे हैं, जो सही नहीं है। खेलकूद और शिक्षा के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों की नींव स्कूलों में ही मजबूत होती है। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय रहना चाहिए। प्रदेश सरकार राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल और स्मार्ट क्लासरूम जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। साथ ही, वोकेशनल कोर्स भी शुरू किए गए हैं, ताकि विद्यार्थी पढ़ाई के बाद स्वरोजगार में आगे बढ़ सकें और हिमाचल को आत्मनिर्भर बना सकें।

स्थानीय विकास और खेलों को देंगे प्रोत्साहन

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्स सिंह ने घणाहट्टी स्कूल परिसर में इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाने के लिए पांच लाख रुपए और कुश्ती ग्राउंड के जीर्णोद्धार के लिए पंद्रह लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकास कार्य जारी हैं और स्कूली छात्रों को इंडोर स्टेडियम जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने के विकल्प तलाशे जाएंगे। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में 17 स्कूलों के लगभग 400 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं।

लायंस क्लब ने संस्था को भेंट की एंबुलेंस

विधायक कुलदीप राठौर ने दिखाई हरी झंडी, जनता को समर्पित

लायंस क्लब शिमला ने जीवन ज्योति वेलफेयर एसोसिएशन को एंबुलेंस भेंट की। इस दौरान विधायक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अनंत ज्ञान, कुमारसैन

लायंस क्लब शिमला द्वारा कुमारसैन की सामाजिक संस्था जीवन ज्योति वेलफेयर एसोसिएशन को एक एंबुलेंस भेंट की। इस मौके पर मौजूद स्थानीय विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने हरी झंडी दिखाकर रोगी वाहन को जनता को समर्पित किया। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि इस पहल से दूर दराज के ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगे उन्होंने इस जनहित कार्य के लिए लायंस क्लब शिमला की सराहना की तथा आभार व्यक्त किया।

जीवन ज्योति वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान महावीर वर्मा ने लायंस क्लब के इस पुनीत कार्य के लिए आभार जताया। इस मौके पर लायंस क्लब के प्रधान कृष्ण वैद्य, अध्यक्ष कपिल देव सूद, प्रोजेक्ट चेयरपर्सन रवि सूद, डॉक्टर राजेश चानन, ओपी मेहता व एसडीएम कुमारसेन मुकेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

जीवन ज्योति वेलफेयर एसोसिएशन के राजेश शर्मा, सुरेंद्र गुप्ता, कमल गुप्ता भी मौजूद रहे। एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीर वर्मा ने कहा कि इस रोगी वाहन के आ जाने से कुमारसेन के क्षेत्र के गांव के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने लायंस क्लब शिमला का आभार व्यक्त किया।

सराहन में 2 से 5 अक्तूबर तक आयोजित होगा दशहरा मेला

- 20 देवी-देवताओं को भीमाकाली मंदिर न्यास भेजेगा आमंत्रण: हर्ष
- साडा क्षेत्र में सौर लाइटें और कचरा प्रबंधन प्रणाली होगी विकसित

अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर

उपमंडल अधिकारी (ना.) रामपुर हर्ष अमरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में भीमाकाली मंदिर सराहन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में दशहरा मेले की तैयारियों, राजा वीरभद्र सिंह जी की प्रतिमा की नींव एवं स्थापना, सीवरेज लाइन बिछाने तथा साडा क्षेत्र में सौर लाइटों की स्थापना संबंधी विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में लिए निर्णय लिए गए कि सराहन में जिला स्तरीय दशहरा मेला आगामी 2 से 5 अक्तूबर तक आयोजित किया जाएगा। दो अक्तूबर को देवी-देवताओं का आगमन तथा रघुनाथ जी की रथ यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें सभी देवी-देवता भाग लेंगे। भीमाकाली मंदिर न्यास द्वारा कुल्लू, किन्नौर एवं रामपुर क्षेत्र के लगभग 20 देवी-देवताओं को मेले में आमंत्रित किया जाएगा। मेले के दौरान दो दिन रात्रि संध्या का भी आयोजन होगा। सराहन नगर में विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) के स्पष्ट एवं दृश्य बोर्ड स्थापित किए जाएंगे, जिन पर भवन नियम, दिशानिर्देश एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी प्रदर्शित होगी। सराहन बाजार एवं मंदिर परिसर के आसपास कचरा प्रबंधन प्रणाली विकसित करने का भी निर्णय लिया गया।

पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नगर में उपयुक्त भूमि चिन्हित कर पार्किंग स्थल विकसित किए जाएंगे ताकि यातायात जाम की समस्या कम हो सके।

खराब मौसम के चलते अंडर-14 खेल प्रतियोगिता स्थगित

अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर। खराब मौसम के चलते सराहन ब्लॉक में 31 अगस्त से आयोजित होने वाली अंडर-14 बच्चों की खेल प्रतियोगिता स्थगित कर दी गई है। यह जानकारी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ज्योरी के जोनल कोऑर्डिनेटर व प्रधानाचार्य ने बताया कि यह निर्णय मौसम की खराबी व संपर्क मार्गों के बंद होने के कारण लिया गया है। खेल प्रतियोगिता आगामी आदेशों तक स्थगित कर दी गई है।

इसी प्रकार जोनल को ऑर्डिनेटर कम प्रधानाचार्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल रामपुर द्वारा रामपुर ब्लाक के सभी स्कूलों को आवश्यक निर्णय निर्देश दिए गए हैं, क्योंकि आज रविवार 31 अगस्त से सराहन व तकलेच में अंडर-14 खेल प्रतियोगिता को मौसम की खराबी व संपर्क मार्गों के बंद होने के कारण स्थगित किया गया है। आगामी तिथि जल्द घोषित की जाएगी।

डीएवी एसजेवीएन दत्तनगर में क्लस्टर खेल प्रतियोगिता संपन्न

विजेताओं को प्रशस्ति पत्र-स्मृति चिन्ह से नवाजा

डीएवी एसजेवीएन पब्लिक स्कूल दत्तनगर में दो दिवसीय क्लस्टर खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ी और अन्य।

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान

रामपुर बुशहर। डीएवी एसजेवीएन पब्लिक स्कूल दत्तनगर में दो दिवसीय कलस्टर लेवल खेल कूद प्रतियोगिता संपन्न हुई। इस भव्य कार्यक्रम में डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स टूर्नामेंट, क्लस्टर 5, अंडर -14, 17 और 19 (ब्वॉयज एंड गर्ल्स) की मेजबानी करने के लिए बेहद विशेषाधिकार प्राप्त और गर्व महसूस करता है। इस टूर्नामेंट में शिमला जिला के 7 स्कूलों भाग लिया। डीएवी चोपाल, डीएवी कोठखाई, डीएवी सरस्वती नगर, डीएवी कुमारसैन, डीएवी रामपुर, डीएवी रिकांगपियो और डीएवी एसजेवीएन दत्तनगर की टीमों ने भाग लिया। दो दिवसीय इस खेल प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, व्यायाम, मुक्केबाज़ी, कराटे आदि प्रतियोगिताएं हुई। इस खेल प्रतियोगिता में कुल 115 टीमों ने भाग लिया। जिसमें 488 लड़के और 296 लड़कियां शामिल हैं। मेजबान एसजेवीएन डीएवी स्कूल दत्तनगर की प्रधानाचार्य मुक्ता चौहान ने इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। प्रतियोगिता में अव्वल रहे छात्रों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

ठियोग में सेब से भरे ट्रक में अचानक लगी आग

- ड्राइवर और कंडक्टर ने कूदकर बचाई जान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में सेब सीजन अपने चरम पर है, इसी बीच शिमला जिला के ठियोग क्षेत्र के गल्लू मंदिर के पास बीती रात एक बड़ा हादसा टल गया। यहां सेब से लदा ट्रक (नंबर यूपी 70एल्टी 1585) अचानक आग की चपेट में आ गया। ट्रक में उस समय ड्राइवर अनिल और कंडक्टर विमलेश कुमार मौजूद थे। जैसे ही उन्हें धुएं और लपटों को देखा, तुरंत गाड़ी से बाहर छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ।

सूचना मिलते ही ठियोग पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक ट्रक में लदे सेब की अधिकतर पेटियां जलकर राख हो चुकी थीं। बताया जा रहा है कि ट्रक में लाखों रुपये का सेब लदा था, जिसे अप्पर शिमला से बाहरी राज्यों की मंडियों में भेजा जा रहा था।

फिलहाल आग लगने के कारणों का सही-सही पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि इंजन गर्म होने या शॉर्ट सर्किट के चलते यह घटना हुई होगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आग लगने की असली वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सेब सीजन के दौरान इस तरह की घटनाएं परिवहन व्यवस्था और सुरक्षा मानकों पर भी सवाल खड़े करती हैं। समय रहते चालक और परिचालक ने समझदारी दिखाई, अन्यथा यह हादसा कहीं ज्यादा भयावह हो सकता था।

झंडूता में मानसून की तबाही, 13.83 करोड़ का नुकसान

गोपाल कपिल, अनंत ज्ञान, झंडूता (बिलासपुर)। झंडूता उपमंडल में इस वर्ष मानसून सीजन के दौरान भारी बारिश ने भारी तबाही मचाई है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशाषी अभियंता राकेश शर्मा ने बताया कि अब तक उपमंडल में बारिश के कारण 13 करोड़ 83 लाख रुपये का नुकसान हो चुका है। बारिश का दौर अभी भी जारी है, जिसके चलते विभाग ने अपने अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। राकेश शर्मा ने कहा कि अधिकारियों को आदेश दिए गए हैं कि जहां भी नुकसान की सूचना मिले, वहां मल्टीटास्क वर्करों और अन्य कर्मचारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर सड़कों को तुरंत सुचारू किया जाए। नुकसान का विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि बरोहा-सुन्हाणी सड़क पर 20 लाख, बाला गालियां रोड पर 25 लाख, बरोहा से कोहिना सड़क पर 80 लाख, थुराण से पोली सड़क पर 70 लाख और गेहडवी से बैहनाजट्टा सड़क पर 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। विभाग ने सड़कों की मरम्मत और यातायात को सुचारू रखने के लिए त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही, बारिश के दौरान होने वाले नुकसान को कम करने के लिए निरंतर निगरानी की जा रही है।

प्रदेश में कहर जारी, केंद्र से विशेष मदद की गुहार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश में वर्षा का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी डॉ. केडी लखनपाल और ब्लॉक कांग्रेस के कोऑर्डिनेटर अनिल ने बिलासपुर में यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए विकास कार्यों और निर्माण कार्यों को भी वैज्ञानिक तरीके से करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर परिस्थिति में केंद्र सरकार को चाहिए कि वह हिमाचल को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे और तुरंत राहत पैकेज प्रदान करे। साथ ही प्रदेश के सांसदों (लोकसभा और राज्यसभा दोनों) को भी इस मुद्दे को संसद में जोर-शोर से उठाना चाहिए। प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री दिन-रात राहत और बचाव कार्यों में लगे हुए हैं, परंतु लोगों का आरोप है कि केंद्र सरकार इस आपदा पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रही। आरोप यह भी है कि राजनीतिक प्रतिशोध के चलते केंद्र सरकार हिमाचल को उसकी कठिन परिस्थिति में पर्याप्त मदद नहीं दे रही।

धर्माणी ने घुमारवीं में प्रभावित क्षेत्र का लिया जायजा

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने घुमारवीं स्थित पुराने बस स्टैंड क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भारी बरसात के कारण खतरे की जद में आए नौ परिवारों के लोगों से बातचीत की तथा स्थिति का जायजा लिया। राजेश धर्माणी ने आज मौके पर पहुंच कर भारी बरसात से प्रभावित परिवारों की स्थिति का जायजा लिया तथा विश्वास दिलाया कि बरसाती मौसम के समाप्त होते ही उनके घरों को सुरक्षित करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे।

आवास योजना से 120 परिवारों को मिला अपना घर

अनंत ज्ञान, कलोल (बिलासपुर)। प्रधानमंत्री आवास योजना ने रविवार को झंडूता विधानसभा क्षेत्र के कलोल में 120 परिवारों के सपनों को पंख दे दिए। मानव विकास संस्थान कलोल में आयोजित कार्यक्रम में विधायक जीतराम कटवाल ने सात पंचायतों डूडियां, धनी, पपलोआ, सलवाड़, जेजवीं, कलोल और मलरांव के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र भेंट किए। इससे पहले शनिवार को घराण में 80 लाभार्थियों को यह सौगात दी गई थी। यानी मात्र दो दिनों में कुल 200 परिवारों को अपने पक्के आशियाने का प्रमाण पत्र मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने करोड़ों बेघर लोगों को सुरक्षित छत दी है। कार्यक्रम से पूर्व विधायक जीतराम कटवाल ने अपने रोपड़ी स्थित आवास पर परिवार और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम भी सुना।

बाढ़ और भूस्खलन से हुई त्रासदी पर जताया शोक

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। अखिल भारतीय हिमाचल सामाजिक संस्था संघ (पंजी.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के एम लाल ने पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड सहित देश के विभिन्न भागों में हुई भीषण बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से हुई जनहानि और व्यापक तबाही पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि, देश के विभिन्न क्षेत्रों में आई इस प्राकृतिक आपदा से असंख्य लोगों की मृत्यु, संपत्ति की भारी क्षति और कई लोगों के लापता होने का समाचार अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। अखिल भारतीय हिमाचल सामाजिक संस्था संघ पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता है और लापता लोगों के शीघ्र सकुशल मिलने की कामना करता है। संघ ने राहत कार्यों में प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने की अपील भी की है।

कीरतपुर से नेरचौक तक फोरलेन से सफर बना चुनौती

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। कीरतपुर से नेरचौक तक बनी फोरलेन अब वाहन चालकों के लिए मुश्किलों से भरा सफर बनती जा रही है। इस रणनीतिक मार्ग में निर्माण और रख-रखाव की खामियों ने सड़क की मजबूती और यात्रियों की सुरक्षा को चुनौती में डाल दिया है।

फोरलेन परियोजना को स्थानीय और लचीले ढांचे की बजाय दायित्व और सुरक्षा की दिशा में पुनर्गठन की सख्त आवश्यकता है न रणनीतिक खामियों का समाधान हुआ और न ही निर्माण के बाद की देखरेख का तंत्र बना।

खतरनाक भू-स्थिरता और कटिंग डिजाइन

इस मार्ग में सड़क धसने और पहाड़ से पत्थरों के टकराने की घटनाएं आम हो गई हैं। पहाड़ी से लगातार पत्थर गिरने से यात्रा बेहद खतरनाक हो रही है। लोगों ने बताया कि फोरलेन बनने के बाद ही भू-संतुलन बिगड़ा है, और 2023 में हुई डैमेज के बावजूद यह समस्या अनसुलझी रह गई है।

ज्यादा परेशानी गरामोड़ा क्षेत्र में

यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी समलेटू और गरामोड़ा जैसे दर्जन भर संवेदनशील इलाकों में हो रहा है।बिलासपुर के थापना, मैहला, मंडी भराड़ी, जकातखाना, समलेटू जैसे क्षेत्रों में भारी भूस्खलन और धंसने की घटनाएं हुई। पिछले जून में ही जगतखाना के पास एक छोटे से भूस्खलन से यातायात बाधित हुआ था-यात्री भले सुरक्षित रहे, लेकिन यह एक चिंतास्पद संकेत था।

बारिश और बाढ़ में सबसे ज्यादा चुनौतियां

मौसमी अत्यधिक बरसात और बाढ़ ने फोरलेन के कई हिस्से को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है। एन एच ए आई मौजूदा डिजाइन को फिर से तैयार कर आईआई टी की मदद से नयी डीपीआर बनवाने में लगी है, जिससे भविष्य में स्थायित्व सुनिश्चित किया जा सके।

गति सीमा 60 कि.मी. प्रति घंटा पर होगा पुनर्विचार

हाईकोर्ट ने बिलासपुर में लगे 60 किमी/घंटा की सीमित गति सीमा पर पुनर्विचार की मांग की है क्योंकि सड़क में डिवाइडर मौजूद होने के बावजूद गति प्रतिबंध यातायात नियमन में विघ्न पैदा कर रहा है। अदालत ने यात्री सुरक्षा के लिए फुटपाथों, फुटब्रिज और बेहतर नियंत्रण प्रणाली की भी मांग की है।

अतिक्रमण हटाने के आदेश

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने बिलासपुर, मंडी और कुल्लू जिलों के डीसी को अतिक्रमण हटाने और अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि हाईवे पर व्यावसायिक गतिविधियों को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जिससे सड़क की सुरक्षा और उद्देश्य प्रभावित होता है।

बरठीं टिहरी क्लस्टर में लहलहा रही अनार की फसल

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश में बागवानी किसानों की आजीविका और ग्रामीण विकास का मजबूत स्तंभ बन रही है। प्रदेश सरकार वित्तीय वर्ष 2025-26 में एचपी शिवा परियोजना पर 100 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। इसी परियोजना के तहत बिलासपुर जिला के बरठीं के टिहरी क्लस्टर में अनार की फसल ने 44 किसानों की जिंदगी बदल दी है।

किसान प्रेम लाल नड्डा ने बताया कि शुरुआती सालों में ही कई किसानों को 1-1.5 लाख तक की आमदनी हुई, जबकि इस वर्ष 3-4 लाख रुपए तक की उम्मीद है। किसान सोम देव शर्मा का कहना है कि उनके 125 पौधों से प्रति पौधा 25-30 किलो उत्पादन होगा। उपनिदेशक बागवानी डॉ. जगदीश चंद वर्मा ने बताया कि जिले में 37 क्लस्टर स्थापित किए गए हैं, जिनमें टिहरी क्लस्टर अकेला अनार का क्लस्टर है। उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि शिवा परियोजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और किसानों को स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है।

विवाद घुमारवीं में बंदोबस्त की गड़बड़ियों ने बढ़ाई बेचैनी

पुश्तैनी रास्ते रिकॉर्ड से गायब

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

उपमंडल घुमारवीं नगर परिषद और आसपास की पंचायतों में सरकार द्वारा करवाए गए हालिया बंदोबस्त की खामियाँ अब गंभीर विवाद का रूप लेती जा रही हैं। ग्रामीणों और नगर परिषद निवासियों का आरोप है कि बंदोबस्त की प्रक्रिया में पटवारियों और कानूनगो ने ऐसी गंभीर ग़लतियाँ की हैं जिससे लोगों की पुश्तैनी जमीनें और रास्ते खतरे में पड़ गए हैं।

लोगों का कहना है कि बंदोबस्त अधिकारियों ने न केवल निजी भूमि की प्रविष्टियों में गड़बड़ी की, बल्कि दशकों से चले आ रहे पुश्तैनी कच्चे रास्तों को भी नए रिकॉर्ड से पूरी तरह गायब कर दिया। इसके अलावा नगर परिषद के नक्शों में जो अपनी मलकियत भूमि से मकानों और दुकानों के आगे तीन मीटर छोड़ी गई थी, उसे भी गलत तरीके से लोक निर्माण विभाग के नाम दर्ज कर दिया गया है। यह समस्या केवल गांवों तक सीमित नहीं है बल्कि नगर परिषद घुमारवीं के सात वार्ड बड्डू एक,इंदिरा मार्किट दो, अंबेडकर वार्ड तीन, कल्याणा वार्ड चार, बजोहा बार्ड पांच, टिक्करी छः और दकड़ी सात में भी यही गड़बड़ी सामने आई है।

साथ ही ग्राम पंचायत दकड़ी और इसके अधीन आने वाले गांवों में भी लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कहा-बंदोबस्त रिकॉर्ड में किसी के नाम की भूमि

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने वर्षों से जिस भूमि पर खेती की, घर बनाए या रास्ते बनाए, वह अब बंदोबस्त रिकॉर्ड में किसी और के नाम चली गई है। नगर परिषद क्षेत्र में तो यह समस्या और भी बड़ी है क्योंकि यहां लोग मकान और दुकानें नगर परिषद की मंजूरी लेकर, नक्शे पास कराकर बनाते आए हैं। उन नक्शों में स्पष्ट रूप से रास्ते और छोड़ी गई जगहें दर्ज थीं, मगर बंदोबस्त में उन्हें ही खत्म कर दिया गया। लोगों का कहना कि जो बंदोबस्त हुआ है उसे निरस्त करके और पुराने भूमि रिकॉर्ड को देखकर दौबारा से बंदोबस्त करवा कर लोगों की भूमियों को दुरुस्त किया जाए। समस्या को गंभीरता से उठाते हुए अबढाणी घाट निवासी करतार सिंह चंदेल की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने घुमारवीं के रेस्ट हाउस में तकनीकी शिक्षा एवं नगर ग्राम योजना मंत्री राजेश धर्माणी से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा।

समाधान का मिला आश्वासन

मंत्री राजेश धर्माणी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि राजस्व मंत्री से बातचीत करेंगे और समस्या का समाधान करवाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में नगर परिषद अध्यक्ष रीता सहगल, उपाध्यक्ष एवं ब्राह्मण बोर्ड के राज्य मनोनीत सदस्य श्याम शर्मा , हिमाचल किसान एवं जन कल्याण सभा के प्रदेश अध्यक्ष बृज लाल शर्मा, हंसराज भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव में धांधली के खिलाफ उठाई आवाज

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया की स्थानीय इकाई ने शनिवार को कॉलेज परिसर में पोस्टर अभियान चलाकर 2024 लोकसभा चुनाव में कथित धांधली और वोट चोरी के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाल ही में देश के सामने खुलासा किया है कि लोकसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हुईं। उन्होंने मांग उठाई कि भारत के राष्ट्रपति तत्काल हस्तक्षेप करें।

खेल प्रतियोगिता में व्यासपुर क्लब विजयी

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। बिलासपुर में राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित ध्यानचंद मैमोरियल प्रतियोगिता में व्यासपुर क्लब ने फाइनल में घुमारवीं क्लब को 4-2 से हराकर खिताब जीता। दिनभर चली प्रतियोगिताओं में सैक रेस, स्पून रेस, रस्साकशी, कबड्डी, जूडो और प्रश्नोत्तरी में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। समापन पर एडीसी ओमकांत ठाकुर ने विजेताओं को सम्मानित किया।

जुखाला कॉलेज में टैलेंट हंट शुरू

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय जुखाला में दो दिवसीय टैलेंट हंट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्राचार्य डॉ. ध्रुव पाल ने विद्यार्थियों को मंच का उपयोग कर अपनी कला और प्रतिभा प्रदर्शित करने का आह्वान किया। पहले दिन क्विज और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित हुईं, जिनमें अमित कुमार, अभिषेक और अंजलि ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

डडोग में नेत्रदान जागरूकता अभियान

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े पर स्वास्थ्य विभाग ने गांव डडोग में लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। हेल्थ एजुकेटर मस्तराम ने बताया कि देश में 1.5 करोड़ लोग नेत्र विकारों से पीड़ित हैं, जिनमें से लाखों को नेत्रदान से रोशनी मिल सकती है। इस दौरान भाषण, मेहंदी और चेयर गेम प्रतियोगिताएं भी करवाई गईं।

नौनिहालों ने खेल दिवस पर दिखाई प्रतिभा

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। नवालोक आदर्श विद्यालय खनसरा (घुमारवीं) में राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने म्यूजिकल चेयर, दौड़, लेमन रेस, बोतल रेस और तीन पैर दौड़ जैसे खेलों में भाग लिया। कबड्डी मुकाबले में लड़कों में भगत सिंह टीम और लड़कियों में रानी लक्ष्मीबाई टीम ने जीत दर्ज की।

ठाकुरद्वारा गेहड़वीं में रक्तदान शिविर 7 को

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। जन सेवा नारायण सेवा समिति गेहड़वीं और इंसानियत संस्था के संयुक्त तत्वावधान से, जो वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय है, रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर 7 सितंबर 2025 को प्रातः 9:00 बजे से ठाकुरद्वारा गेहडवीं में आयोजित किया जाएगा। जन सेवा नारायण सेवा समिति गेहड़वीं अध्यक्ष प्रकाश चंद धीमान व इंसानियत संस्था डाहड़ के प्रधान पवन चंदेल ने बताया कि इस रक्तदान शिविर का उद्देश्य ज़रूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है, जिससे कई ज़िंदगियाँ बचाई जा सकें। उन्होंने कहा कि संस्था निरंतर ऐसे सेवा कार्य करती आ रही है और समाज के सभी वर्गों से अपील करती है कि वे आगे आकर इस पुनीत कार्य में भाग लें।

शारीरिक सुंदरता किसी काम की नहीं होती

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। शहर के बाबा विश्वकर्मा मंदिर में चल रही 27 वें श्री गणेश उत्सव में चल रही गणेश कथा के तृतीय दिवस पर कथा व्यास पंडित चमन लाल जी ने अपने प्रवचनों में कहा की आदमी को कभी भी किसी पराई औरत के साथ अकेले स्थान पर नहीं रहना चाहिए क्योंकि इंद्रियां बलवान होती हैं और वह कभी भी व्यक्ति को अपने वश में ले लेती है सतयुग में भी इस तरह की घटनाएं घटित हो चुकी हैं इसलिए शास्त्रों में कहा गया है कि इस तरह की स्थिति में जाने से हमेशा बचना चाहिए । और आगे इन्होंने कहा कि सभी तरह के पद, प्रतिष्ठा, धन, दौलत, शारीरिक सुंदरता किसी काम की नहीं होते है। इसलिए व्यक्ति को किसी भी प्रकार अभिमान नहीं करना चाहिए। हमेशा वाणी मधुर रखनी चाहिए क्योंकि न कोई किसी का भला करता है न बुरा ये सब तो पूर्व जन्मों के फल होते है जो हमें अवश्य भोगने पड़ते हैं। कथा के उपरांत अभी भक्तजनों को खीर का प्रशाद आबंटित किया गया।

बारिश से पांगी में भारी नुकसान सड़कों की मरम्मत के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान, पांगी

आवासीय आयुक्त पांगी रमन घरसंगी ने जानकारी दी कि घाटी में हुई भारी वर्षा से हुए नुकसान का जायजा लिया गया है। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि धरवास नाले पर बना बैली ब्रिज, महालू नाला सड़क मार्ग, सिद्ध मंदिर मार्ग तथा सच्चे जोत सड़क को गंभीर क्षति पहुंची है।

उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और लोक निर्माण विभाग को

आवासीय आयुक्त ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की

आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। युद्धस्तर पर चलाए जा रहे कार्यों से जल्द ही सड़कें पुनः बहाल होने की उम्मीद है। आयुक्त ने यह भी बताया कि क्षेत्र में नेटवर्क सेवा बहाल कर दी गई है, जिससे संचार व्यवस्था अब सामान्य हो गई है। अंत में उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे सतर्क रहें, अनावश्यक जोखिम न उठाएं और सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

मणिमहेश यात्रा पर प्रकृति का प्रकोप, सदियों पुरानी परंपरा टूटी

अनंत ज्ञान, भरमौर

प्रदेश के चंबा जिले में इन दिनों प्रकृति का कहर ऐसा बरपा है कि उसने न केवल जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, बल्कि सदियों से चली आ रही अटूट आस्था और परंपराओं को भी गहरा आघात पहुंचाया है। इसका सबसे बड़ा और अभूतपूर्व उदाहरण श्री मणिमहेश यात्रा में देखने को मिला, जहां इतिहास में पहली बार 'डल तोड़ने' की पवित्र रस्म पूरी नहीं हो सकी।

राधा अष्टमी के पावन अवसर पर परंपरा के अनुसार हर साल की तरह इस बार भी संचुई गांव के शिव चेले (भगवान शिव के विशेष उपासक) सुबह-सवेरे श्रद्धा और हौसले के साथ पवित्र मणिमहेश डल झील की ओर रवाना हुए थे। लेकिन इस बार हालात ने उन्हें आगे बढ़ने ही नहीं दिया। जैसे ही जत्था हड़सर पहुंचा, वहां से आगे का पूरा रास्ता भूस्खलन और बाढ़ से

पहली बार 'डल तोड़ने' की रस्म अधूरी रह गई

तबाह नजर आया। जगह-जगह विशाल पत्थरों और मलबे के ढेर पड़े थे, जबकि लगातार हो रही बारिश ने हालात और भयावह बना दिए थे। इस विकट परिस्थिति में आगे बढ़ना जान जोखिम में डालने से कम नहीं था। लिहाजा शिव चेलों ने भारी मन से यह कठिन निर्णय लिया कि वे यात्रा को आगे नहीं बढ़ा सकते। और इस तरह वे वहीं से वापस भरमौर लौट गए।

स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं का कहना है कि यह पहली बार है जब मणिमहेश यात्रा में 'डल तोड़ने' जैसी परंपरा अधूरी रह गई। यह घटना न केवल आस्था को झकझोरने वाली है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि प्रकृति के प्रकोप के सामने इंसान का हर साहस और परंपरा भी विवश हो जाती है।

तीन दिनों में 12 हजार से अधिक श्रद्धालु हुए रवाना: डीसी मुकेश

अनंत ज्ञान, चंबा। उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने बताया कि बीते तीन दिनों में श्री मणिमहेश यात्रा के 12 हज़ार से अधिक श्रद्धालु चंबा से अपने गंतव्य की ओर रवाना हो चुके हैं। श्रद्धालुओं को नूरपुर, पठानकोट व भदरवाह तक राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा निशुल्क बस सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि चंबा चौगान में ठहरे जम्मू-कश्मीर से आए श्रद्धालु भी वापस लौट चुके हैं।

इसी क्रम में रामबन के 11 सदस्यीय परिवार को एचआरटीसी बस के माध्यम से पठानकोट भेजा गया। उपायुक्त ने बताया कि कुछ श्रद्धालु अपने मित्रों और परिचितों के पास ठहरे हो सकते हैं, जबकि छड़ी यात्रा व लंगर सेवा के साथ आए श्रद्धालुओं के वाहन पुलिस ग्राउंड बारगाह से रवाना कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बग्गा तक पैदल लौट रहे श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, भोजन, रहने व परिवहन की समुचित व्यवस्था की गई है। भरमौर-चंबा राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर अधिकारियों को तैनात कर श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है।

16 प्रभावित परिवारों को दी 2 लाख 30 हजार की फौरी राहत

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करते हुए।

अनंत ज्ञान, चंबा

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने भटियात विधानसभा क्षेत्र के तहत आपदा प्रभावित गांव रौणी, सुदली, चंबी, काकडार, भट्टी का दौरा कर वर्तमान स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया तथा 16 परिवारों को 2 लाख 30 हजार की फौरी राहत प्रदान की। उन्होंने आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाक़ात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने उपमंडलीय प्रशासन को राहत एवं पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि सीएम सुक्खू ने चंबा जिला के प्रवास के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने वर्तमान स्थिति का जायजा लिया है। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी लगातार जमीनी स्तर पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

इस अवसर पर सदस्य निदेशक मंडल राज्य वन निगम कृष्ण चंद चेला, पूर्व उपाध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तरुण मल्होत्रा, एसडीएम डलहौजी अनिल भारद्वाज, चुवाड़ी पारस अग्रवाल, खंड विकास अधिकारी अनिल गुरड़ा सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क, पेयजल और बिजली आपूर्ति को बहाल करने में जुटे अधिकारी व कर्मचारी

अनंत ज्ञान, चंबा

जिला में हुई भारी वर्षा के कारण बाधित हुई सेवाओं की बहाली युद्धस्तर पर की जा रही है। उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने बताया कि जलशक्ति विभाग, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय उच्च मार्ग प्राधिकरण और विद्युत बोर्ड के लगभग 600 अधिकारी व कर्मचारी दिन-रात कार्य कर रहे हैं। विभागों की अथक मेहनत से शनिवार रात तक चंबा-लंगेरा-भदरवाह सड़क बहाल की गई और 190 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित कर 1850 श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला गया। शनिवार को 30 सड़कें खोली गईं और रविवार शाम तक 43 और सड़कों के बहाल होने की संभावना है।

विद्युत व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि लगभग 1100 बंद ट्रांसफार्मरों में से 838 को सुचारू किया जा चुका है और रविवार शाम तक 120 अतिरिक्त ट्रांसफार्मर चालू

किए जाएंगे। जंरगला सबस्टेशन के प्रभावित गांवों को वैकल्पिक आपूर्ति से जोड़ा गया है और 133 केवी करियाँ-धरवाला ट्रांसमिशन लाइन भी देर शाम तक बहाल हो जाएगी। विद्युत बहाली में 150 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी तथा ठेकेदार स्टाफ सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

जलशक्ति विभाग ने अब तक प्रभावित 487 पेयजल योजनाओं में से 394 को आंशिक रूप से बहाल कर लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया है। शेष योजनाओं को भी शीघ्र सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग के मुख्य अभियंता उत्तरी जोन धर्मशाला स्तर पर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। उपायुक्त ने अपील की कि लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल प्रशासन की जानकारी पर भरोसा करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार और प्रशासन मिलकर लोगों की सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुचारू बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

सुल्तानपुर वार्ड-1 में प्रभावित लोगों से मिले चंबा सदर विधायक नीरज नैय्यर

सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों को किया खारिज

अनंत ज्ञान, चंबा

लगातार हो रही भारी बारिश से प्रभावित हालात का जायजा लेने के लिए चंबा सदर विधायक नीरज नैय्यर रविवार को सुल्तानपुर वार्ड नंबर-1 पहुंचे। यहां उन्होंने आपदा से प्रभावित परिवारों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। विधायक नैय्यर ने इस दौरान लोगों को भरोसा दिलाया कि राहत और पुनर्निर्माण कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। उन्होंने अपील की कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सोशल मीडिया पर मौतों के जो आंकड़े वायरल हो रहे हैं, वे पूरी तरह झूठे और भ्रामक हैं। लोग केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

भरमौर में आई प्राकृतिक आपदा के बारे में जानकारी देते हुए विधायक ने कहा कि स्थिति गंभीर ज़रूर है, लेकिन सरकार और प्रशासन पूरी

विधायक नीरज नैय्यर आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करते हुए।

मुस्तैदी के साथ राहत कार्यों में जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थिति में अफवाहें फैलाना जनता को और अधिक गुमराह कर सकता है, इसलिए लोग सजग रहें और एक-दूसरे का सहयोग करें।

वहीं, हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा ने पूरे चम्बा विधानसभा क्षेत्र को गहराई से प्रभावित किया है। पहाड़ दरकने, रास्तों के टूटने और भारी बारिश से हुए नुकसान को लेकर हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। लगातार बारिश अभी भी जारी है, जिससे स्थिति संभलने में समय लगेगा।

सदर चम्बा के विधायक नीरज नैय्यर ने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा कि यह आपदा बेहद बड़ी है और नुकसान व्यापक स्तर पर हुआ है। उन्होंने कहा कि हम सबको इस मुश्किल घड़ी में धैर्य बनाए रखना होगा। बिना आवश्यक कार्य के सफर न करें और विशेषकर पानी की निकासी पर ध्यान दें। जहाँ कहीं पानी जमा है, वहाँ तुरंत उसकी राह बनाई जाए ताकि किसी तरह की नई समस्या उत्पन्न न हो।

उन्होंने बताया कि पानी और बिजली की आपूर्ति अधिकतर स्थानों पर सुचारू कर दी गई है, लेकिन सड़कें और डंगे (सपोर्टिंग दीवारें) बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हैं। इनकी मरम्मत और पुनर्निर्माण में समय लगेगा।

विधायक ने भरोसा दिलाया कि आपदा से प्रभावित चम्बा को फिर से पटरी पर लाने के लिए सरकार और जनता मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हम सब एकजुट होकर अपने चम्बा को इस आपदा से बाहर निकालेंगे।

पांगी घाटी में बारिश के कारण दूरसंचार बाधित

अनंत ज्ञान, पांगी। आवासीय आयुक्त पांगी रमन घरसंगी ने बताया कि क्षेत्र में लगातार हो रही भारी वर्षा के चलते दूरसंचार व्यवस्था प्रभावित हो गई है। इस कारण लोगों को संचार सेवाओं में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि जियो कम्पनी के शिमला स्थित हेड ऑफिस से उनका संपर्क हुआ है और कम्पनी ने पांगी घाटी में नेटवर्क सिग्नल में शीघ्र सुधार का आश्वासन दिया है। आयुक्त ने कहा कि संचार व्यवस्था प्रभावित होने का मुख्य कारण जम्मू-कश्मीर की ओर से आने वाली ऑप्टिकल फाइबर केबल में आई दिक्कत और लगातार हो रही बारिश है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सेवाओं को बहाल करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

शीघ्र सुधरेंगे जियो नेटवर्क के सिग्नल

करसोग अस्पताल में बच्चेदानी के कैंसर की स्क्रीनिंग सुविधा शुरू: डॉ. गोपाल

अनंत ज्ञान, करसोग

करसोग अस्पताल ने मरीजों के उपचार क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ाते हुए महिलाओं को होने वाले बच्चेदानी के कैंसर की स्क्रीनिंग या जांच सुविधा शुरू की है। गत 30 अगस्त से शुरू की गई स्क्रीनिंग की इस सुविधा को सरकार की गैर संचारी रोगों की जांच और उपचार संबंधी योजना के अंतर्गत शुरू किया गया है।

बीएमओ करसोग डॉ. गोपाल चौहान और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर इशू मेहता के प्रयासों से अस्पताल में शनिवार के दिन दो महिलाओं की बच्चेदानी के कैंसर के लिए जांच की गई। जांच उपरान्त, बीएमओ करसोग डॉ गोपाल चौहान ने बताया कि यह जांच माइनर ऑपरेशन थियेटर में एसिटिक ऐसिड तकनीक के माध्यम से की गई। उन्होंने बताया कि यह एक बहुत ही सरल प्रक्रिया है, जिसमें 5 प्रतिशत एसिटिक ऐसिड महिला की बच्चेदानी में लगाया जाता है और एक मिनिट तक महिला को एग्जामिन किया जाता है। अगर एक मिनट में बच्चेदानी के मुख का रंग सफेद हो जाए तो उसमें कैंसर की आगामी जांच शुरू की जाती है और यदि नॉर्मल हो तो उस महिला को पांच वर्ष बाद दोबारा ये टेस्ट करने के लिए बुलाया जाता है।

मास्टर ट्रेनर भी हैं डॉ. चौहान

डॉ. गोपाल चौहान इससे पूर्व, इस कार्यक्रम में राज्य अधिकारी के रूप में सेवाएं दे चुके हैं और राज्य में कैंसर स्क्रीनिंग के मास्टर ट्रेनर भी हैं। इस क्षेत्र में इनकी ट्रेनिंग दिल्ली के प्रतिष्ठित एम्स संस्थान में हुई है। उन्होंने बताया कि डॉ. इशू मेहता एक मेहनती गाइनकोलॉजिस्ट है और कुछ समय में हम उनके साथ मिलकर करसोग के सभी डॉक्टर्स, नर्सेज और सीएचओ को इसमें ट्रेनिंग देने की भी योजना हैं ताकि किसी भी महिला में बच्चेदानी के कैंसर का पता शुरुआती चरण में ही लगाया जा सके और समय रहते इलाज शुरू किया जा सके। चौहान ने बताया कि बच्चेदानी के कैंसर का इलाज पूर्णतः संभव है यदि इसका शुरू में ही पता चल सके।

पांच पंचायतों को सुजानपुर शिफ्ट करने पर भड़के राणा

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। हमीरपुर ब्लाक मुख्यालय की सीमावर्ती पांच ग्राम पंचायतों को सुजानपुर शिफ्ट करने के निर्णय पर भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता व पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सरकार की हठधर्मिता, निष्ठुरता और असंवेदनशीलता का जीवंत उदाहरण है।

राणा ने बताया कि ग्राम पंचायत कुठेड़ा, ख्याह लोहाखरियां, देई का नौण, टिब्बी और मझोग सुल्तानी को पहले हमीरपुर से सुजानपुर ब्लाक में मिलाया गया था, लेकिन विरोध के चलते ख्याह लोहाखरियां को टौणी देवी में शामिल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इन पंचायतों के लोग चाहते हैं कि वे हमीरपुर ब्लाक में ही रहें, क्योंकि यह मुख्यालय उनसे केवल 4 से 6 किलोमीटर दूर है, जबकि सुजानपुर 24 किलोमीटर दूर पड़ता है। उन्होंने कहा कि पंचायतों को सुजानपुर शिफ्ट करने से लोगों को एक काम के लिए सुजानपुर और अन्य कार्यों के लिए फिर हमीरपुर का रुख करना पड़ेगा। यह जनता के लिए भारी परेशानी का कारण बनेगा। राणा ने आरोप लगाया कि सरकार पहले ही बड़े कार्यालयों को इधर-उधर कर क्षेत्रवाद को हवा दे रही थी, अब पंचायत स्तर पर भी वही गलती दोहरा रही है।

दुनाली से भरमौर तक क्षतिग्रस्त मार्ग को जल्द खोलें: नेगी

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने किया चंबा-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण

अनंत ज्ञान, चंबा

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने जिला चंबा के प्रवास के दूसरे दिन दुनाली से भरमौर तक क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय राजमार्ग का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क की शीघ्र बहाली के लिए प्रशासन व विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इससे पहले 29 अगस्त को उन्होंने चंबा से बकानी पुल तक का निरीक्षण वाहन द्वारा किया, जबकि बकानी पुल से दुनाली तक का सफर उन्होंने पैदल तय किया। इसी क्रम में 30 अगस्त को प्रातः 5 बजे वे दुनाली से खड़ामुख होते हुए पैदल भरमौर पहुंचे। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर क्षति का जायजा लेते हुए उन्होंने लोक निर्माण विभाग, जिला प्रशासन तथा

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करते हुए।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नेगी लगातार सेटेलाइट फोन के माध्यम से प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क में रहे और विभिन्न स्थानों पर हुई क्षति की जानकारी देते रहे। उन्होंने सीएम सुक्खू से भी सेटेलाइट फोन पर बातचीत कर राष्ट्रीय राजमार्ग-154ए की क्षति की जानकारी दी और इसके शीघ्र पुनर्निर्माण के सुझाव साझा किए।

भरमौर पहुंचने पर मंत्री ने उपमंडल प्रशासन से आपदा से हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी ली तथा मणिमहेश यात्रा पर आए श्रद्धालुओं को प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं की

खड़ामुख व गैहरा में खुलेंगे एचपीएमसी के खरीद केंद्र

समीक्षा की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में नेगी ने बताया कि अगले 2-3 दिनों के भीतर खड़ामुख और गैहरा में एचपीएमसी के खरीद केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां स्थानीय बागवानों से 12 रुपए प्रतिकिलो की दर से सी-ग्रेड सेब खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-154 की बहाली के लिए बड़ी मशीनरी को एयरलिफ्ट करने पर विचार किया जा रहा है। वहीं, क्षेत्र में कार्यरत जलविद्युत कंपनी जेएसडब्ल्यू ने तत्काल एक पोकलेन मशीन उपलब्ध करवाई है व शीघ्र ही एक और मशीन देने का आश्वासन दिया है।

सूडोकु नवताल- 7539

**** मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7538 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी, श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

सोमवार, 1 सितंबर 2025

विक्रमी संवत: 2082, **शक संवत:** 1947 (विश्वासवसु), **मास:** भाद्रपद, **तिथि** नवमी (05:58): **नक्षत्र** चित्रा (08:44), **पक्ष:** शुक्ल, **योग:** सिद्ध (12:00), **शुभ मुहूर्त:** अभीजित (कोई नहीं)। **राहुकाल** (11:59-01:35)।

विशेष दिन

- 1 सितंबर 2025: अदुःख नवमी आज।
- 1 सितंबर 2025: तल नवमी आज।

मेष: जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी।

वृष: हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

मिथुन: कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा।

कर्क: किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी।

सिंह: अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं।

कन्या: संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है। अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें।

तुला: महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा।

वृश्चिक: स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें।

धनु: पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी।

मकर: व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ: जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है।

मीन: मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

नालियों के जाले व सीवरेज की पाइपें चोरी, सीसीटीवी कैमरे में आई तस्वीरें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

एक तरफ बारिश का कहर और बिजली पानी की परेशानी से जूझ रहे लोग तो दूसरी तरफ चोरों ने जीना हराम कर रखा है। मंडी शहर के सैण मुहल्ला से चोर नालियों के जाले ही निकाल कर ले गए जबकि इससे पहले लोहे की बड़ी सीवरेज पाइप को ही काट कर ले गए थे। गणपति मंदिर ट्रस्ट कमेटी व आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान दीना नाथ सैणी ने बताया कि बीती रात चोरों ने दर्जनों लोहे के जालों पर हाथ साफ कर दिया। इससे पहले इसी मोहल्ले में चोर सीवरेज की मोटी पाइप को ही काट कर ले गए।

स्थानीय निवासी खेमचंद सैनी ने बताया कि चोरों ने मोटी पाइप को ही काट लिया और पूरी लाइन टूट गई। सीवरेज भी खुले में बहने लगा है। लोगों ने मांग की है कि कुछ लोगों ने जो अपने घरों में सीसीटीवी कैमरे लगा रखे हैं उनकी रिकार्डिंग को खंगाल कर इन चोरों को पकड़ कर वसूली की जाए व इन जालों व पाइपों को फिर से लगाया जाए। जालों को निकालने की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। ऐसे में लोगों में अपने घरों की सुरक्षा को लेकर भी खौफ पैदा हुआ है जिसे पुलिस सख्ती करके कम कर सकती है।

प्रतिभागियों को विधायक ने नवाजा

आदर्श, अनंत ज्ञान, नेरचौक। कमलाहिया फिटनेस केंद्र नलसर में बिभिन्न आयुवर्ग, भारवर्ग की खेल क्रीड़ाएं करवाई गई जिसमे मुख्य अतिथि कि रूप मे बल्ह के विधायक इंदर सिंह गांधी शामिल हुए। कमलाहिया फिटनेस केंद्र के संस्थापक सनी ठाकुर व सूरज सिंह ठाकुर ने मुख्य अथिति का स्वागत किया मुख्य तिथि ने सभी खिलाड़ियो को नशे से दूर रहने का संदेश दिया और खिलाड़ियों को मेडल देकर समानित किया। पुश अप में अंडर-19 में लक्ष्य प्रथम, पुल अप में अंडर-19 में युग प्रथम, बेंच प्रेस में बिलो 65 जतिन प्रथम, ओपन में हर्ष प्रथम, डेडलिफ्ट में बिलो 65 जतिन प्रथम, विलो 75 में काव्यांश ने प्रथम स्थान हासिल किया।

शिक्षा क्षेत्र में योगदान देने वाले शिक्षकों को रोटरी अवार्ड से मिलेगा सम्मान

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान देने वाले शिक्षकों को जोगिंद्रनगर रोटरी क्लब द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए क्लब ने कवायद शुरू कर उपमंडल के सरकारी व निजी स्कूलों से शिक्षकों की सूची मांगी है लक्ष्मी बाजार स्थित रोटरी कार्यालय में संपन्न हुई अर्धमासिक बैठक में लिए गए इस निर्णय की जानकारी क्लब के सचिव अधिवक्ता रणजीत चौहान ने दी।

उन्होंने बताया कि ऐसे शिक्षक, जो न सिर्फ पढ़ाई में गुणवत्तापूर्ण योगदान दे रहे हैं, बल्कि विद्यार्थियों को अन्य गतिविधियों में भी परिपक्व बना रहे हैं, उन्हें रोटरी अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। क्लब अध्यक्ष डॉ. चंद्रभूषण शर्मा ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में रोटरी अवार्ड की यह परंपरा बीते दस वर्षों से जारी है। अब तक लगभग सौ शिक्षकों को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस बार भी सितंबर माह में शिक्षकों को यह अवार्ड प्रदान किए जाएंगे।

बैठक में अंतर्राष्ट्रीय रोटरी के चेन्नई सम्मेलन में शिरकत करके लौटे डेलीगेट अजय ठाकुर, संजय शर्मा, रामलाल वालिया और रणजीत चौहान को क्लब की ओर से बधाई दी गई। इस मौके पर विशेष रूप से रोटेरियन मेजर ज्ञान चंद बरवाल और रोटेरियन डॉ. शशि सकलानी भी मौजूद रहे।

जर्जर स्कूल भवन का निरीक्षण कर किया अनसेफ घोषित

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। राजकीय प्राथमिक पाठशाला बफड़ी का भवन लगभग दो वर्ष से जर्जर बना हुआ है इसकी स्थिति को लेकर बरसात की छुट्टियों से पहले और स्कूल लगने के बाद भी शिक्षा विभाग को अवगत कराया था, लेकिन फिर भी प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने कोई कदम नहीं उठाया। अब जबकि भारी बरसात के कारण स्कूल के कमरों में पानी टपकने से बच्चों का बैठना मुश्किल हो गया तो एसएमसी को उपायुक्त से मिलकर स्कूल के भवन को अनसेफ घोषित कर इसे गिराने का आग्रह किया। क्योंकि स्लेट वाली छत ऊपर से टूट गई थी और बारिश का पानी कमरों में टपक रहा था जिसमें बैठना तो दूर कमरे में खड़ा होना भी मुश्किल हो गया था।

अब स्कूल में पढ़ रहे 40 बच्चों को एक ही कमरे बिठाया जा रहा है। स्कूल के मुख्याध्यापक विनोद कुमार का कहना है कि हाई स्कूल बच्चों को शिफ्ट करने में दिक्कत हो रही है क्योंकि बच्चों का मिड डे मील भवन के साथ बनी रसोईघर में तैयार किया जाता है और प्रतिदिन बच्चों से संबंधित रिकार्ड मांगा जाता है ऐसे में बार बार ऊपर स्कूल में जाना मुश्किल है। बता दें कि 70 पहले राजकीय प्राथमिक पाठशाला बफड़ी का भवन बनाया गया था, भारी बरसात के कारण इसकी हालत हो गई है।

- **उपायुक्त से मिलने के बाद हरकत में आया शिक्षा विभाग**
- **40 बच्चों को एक कमरे में करवाई जा रही पढ़ाई**
- **असुरक्षित भवन को लेकर एसएमसी ने उपायुक्त से की थी शिकायत**

हालांकि बारिश से होने वाले नुकसान की रिपोर्ट प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय भेज दी गई थी, लेकिन इसे अनसेफ घोषित नहीं किया गया था। जिसके कारण अभिभावकों को अपने बच्चों की चिंता सताने लगी थी। एसएमसी ने उपायुक्त से मिलकर यह स्पष्ट कर दिया था कि यदि कोई अनहोनी होती है तो इसका जिम्मेदार शिक्षा विभाग और प्रशासन होगा। फिलहाल प्रारंभिक शिक्षा विभाग के उप निदेशक कमल किशोर ने लोक निर्माण विभाग के जेई के साथ संयुक्त निरीक्षण इस स्कूल भवन का किया है। कमेटी ने स्कूल भवन को अनसेफ घोषित कर यहां किसी भी बच्चे को न जाने की हिदायत दी है। वहीं उप निदेशक ने हाई स्कूल में बच्चों को शिफ्ट करने को कहा है।

इस बारे में प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक कमल किशोर ने बताया कि मैंने शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग के जेई के साथ संयुक्त निरीक्षण किया था। स्कूल के भवन को अनसेफ घोषित कर दिया है। उन्होंने बताया कि स्कूल प्रबंधन को इस भवन को सील करने के आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि सर्वे रिपोर्ट तैयार कर निदेशालय भेजी जाएगी।

संगति आप को ऊंचा उठा भी सकती है और यह आपको ऊंचाई से गिरा भी सकती है, इसलिए संगति अच्छे लोगों की करें। **–स्वामी विवेकानंद**

संपादकीय

भारत-चीन में सुधरते संबंध

शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ का शिखर सम्मेलन एशिया के लिए केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि भविष्य की राजनीति और अर्थव्यवस्था का संकेत भी है। चीन में हो रहे इस शिखर सम्मेलन के बहाने भारत और चीन के बीच संवाद की एक नई खिड़की खुली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कहा कि मौजूदा अस्थिर आर्थिक परिदृश्य में भारत और चीन जैसी दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का सहयोग पूरी दुनिया के लिए स्थिरता लाने में सहायक होगा। इस कथन का संदेश सीधा है कि भारत-चीन के साथ टकराव की जगह सहयोग का रास्ता चुनना चाहता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या चीन भरोसेमंद है और क्या भारत को पूर्व के अनुभवों को भूलकर उस पर आंख मूंदकर विश्वास कर लेना चाहिए ? इतिहास बताता है कि भारत और चीन का रिश्ता उतार-चढ़ाव भरा रहा है। 1962 का युद्ध, डोकलाम की तनातनी और गलवान घाटी की घटना भारतीय जनमानस के लिए गहरे घाव छोड़ चुकी है। इसके अलावा पाकिस्तान को चीन का लगातार समर्थन, संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर भारत विरोधी रुख और 'वन बेल्ट वन रोड' जैसी परियोजनाओं को भारत की सहमति के बिना पड़ोसी देशों में लागू करना यह संकेत देता है कि चीन का व्यवहार हमेशा विश्वासयोग्य नहीं रहा। फिर भी यह भी सच है कि भारत और चीन के बीच व्यापारिक रिश्ते बेहद गहरे हैं। भारत का सबसे बड़ा आयातक साझेदार चीन ही है और सालाना व्यापार 100 अरब डॉलर से अधिक है। दवा उद्योग से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक भारत काफी हद तक चीनी उत्पादों पर निर्भर है। इसलिए आर्थिक दृष्टि से दोनों देशों के बीच सहयोग अपरिहार्य है। इसी संदर्भ में एससीओ का मंच महत्व रखता है।

इस संगठन में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान और मध्य एशियाई देश शामिल हैं। धीरे-धीरे यह मंच पश्चिमी वर्चस्व के विकल्प के रूप में उभर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत, चीन और रूस पर भारी-भरकम टैरिफ थोपे जाने के बाद यह संभावना और भी प्रबल हो गई है कि ये देश आपसी सहयोग को और गहरा करेंगे। यदि ये तीनों देश मिलकर एक साझा रणनीति तैयार करते हैं तो अमेरिका जैसे शक्तिशाली राष्ट्र को भी अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। हालांकि ट्रंप का कहना है कि अगर उन्होंने टैरिफ वापस लिया तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा। इसी बीच एक संघीय अदालत ने यह भी कहा है कि राष्ट्रपति के पास शुल्क लगाने का कानूनी अधिकार नहीं है, जिस पर ट्रंप अब सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। यह पूरा परिदृश्य इस बात का सबूत है कि दुनिया एक नए आर्थिक और राजनीतिक ध्रुवीकरण की ओर बढ़ रही है और इसमें भारत, चीन और रूस की मित्रता की अहम भूमिका हो सकती है, लेकिन भारत के सामने दुविधा यही है कि चीन पर भरोसा किया जाए या नहीं। हाल ही में चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा और विदेश मंत्री एस. जयशंकर तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ हुई वार्ता में कुछ सकारात्मक संकेत जरूर मिले।

दोनों देशों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, व्यापार बहाल करने और सीधी उड़ान सेवाएं शुरू करने जैसे कदमों पर सहमति जताई। यह संकेत कूटनीतिक स्तर पर अच्छे हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत अलग होती है। गलवान की घटना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। भारत को यह समझना होगा कि कूटनीति और संवाद के बावजूद सुरक्षा की तैयारियों में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। रूस का फैक्टर इस पूरे समीकरण को और दिलचस्प बना देता है। रूस, भारत और चीन तीनों अगर रणनीतिक तालमेल बनाते हैं तो यह अमेरिका और यूरोप के लिए बड़ी चुनौती होगी। रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों ने उसे चीन और भारत के और करीब ला दिया है। तेल और गैस की बिक्री से लेकर हथियारों के सौदों तक रूस अब इन दोनों देशों पर अधिक निर्भर हो रहा है, लेकिन यह मान लेना कि इस तिकड़ी से रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान निकल आएगा, शायद जल्दबाजी होगी।

रूस अपनी सुरक्षा और सामरिक चिंताओं को लेकर बहुत सख्त है और यूक्रेन को अमेरिका और यूरोप का खुला समर्थन मिला हुआ है। हां, यह जरूर है कि यह मंच संवाद का रास्ता खोल सकता है और पश्चिमी दबाव को कम कर सकता है। भारत की रणनीति पिछले कुछ वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति पर आधारित रही है। वह अमेरिका के साथ क्वाड और आई2यू2 जैसे मंचों में भी सक्रिय है और ब्रिक्स व एससीओ जैसे संगठनों में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। यह रणनीति भारत को वैश्विक राजनीति में एक संतुलनकारी शक्ति बनाती है, लेकिन चीन के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखना आसान नहीं है, क्योंकि सीमा विवाद, पाकिस्तान को समर्थन और हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती मौजूदगी भारत की सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती है। बहरहाल, एससीओ शिखर सम्मेलन भारत और चीन के बीच रिश्तों को नया आयाम देने का अवसर है, लेकिन भारत को चीन पर अंधा विश्वास करने की गलती नहीं करनी चाहिए। भारत को सतर्क सहयोग की नीति अपनानी होगी। आर्थिक और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए संवाद जरूरी है, लेकिन सुरक्षा और रणनीतिक मोर्चे पर किसी भी ढिलाई की गुंजाइश नहीं है।

भारत-चीन-रूस की तिकड़ी वैश्विक शक्ति संतुलन में असर डाल सकती है। रूस और यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए व्यापक वैश्विक सहमति और अमेरिका-यूरोप की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। भारत को अपनी कूटनीति को लचीला रखकर हर मंच का उपयोग अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए करना होगा। चीन के साथ संबंधों में मधुरता तभी संभव है जब चीन अपने पुराने रवैये को बदलकर वास्तविक भरोसा कायम करे, अन्यथा यह सम्मेलन भी कई पहले के सम्मेलनों की तरह केवल औपचारिकता भर साबित होगा। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

नेता और समाज सुधारक

केपी केशव मेनन मालाबार के प्रमुख कांग्रेसी नेता तथा समाज सुधारक थे। कांग्रेस द्वारा संचालित विभिन्न आंदोलनों में, मुख्यत: असहयोग आंदोलन तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन का इन्होंने मालाबार में कुशलतापूर्वक संचालन किया था। केपी केशव मेनन ब्राह्मणों के प्रभुत्व के विरोधी थे तथा उन्होंने झझबा लोगों की दशा में सुधार पर बल दिया। उन्होंने अछूतों के प्रवेश को लेकर 'वैकम सत्याग्रह' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा 30 मार्च, 1924 को सभी जातियों के एक विशाल जुलूस का नेतृत्व किया। 'गुरुवायूर सत्याग्रह' में भी केपी केशव मेनन की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। ट्रावनकोर के दीवान रामास्वामी अय्यर की निरंकुश एवं दमनकारी नीतियों का विरोध केपी केशव मेनन ने किया था। सार्वजनिक उपक्रम के क्षेत्र में सन 1966 में भारत सरकार द्वारा केपी केशव मेनन को 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया था। ■

केपी केशव मेनन
जन्म : 1 सितंबर, 1886
मृत्यु : 9 नवंबर, 1978

कविता

सत्य की विजय

अशोक सिंह गुलेरिया, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल के पर्वत कांप उठे, देवी-देवता भी मौन हुए हैं।
डायनों की जीत की चर्चा है, प्रलय के बादल घिर आए।

नदियां उफान भर कर बोलें, पेड़-पौधे धरती पर डोलें।
धरती मां की छाती हिल गई, इंसानों की नींद उड़ गई।

अंधकार चाहे जितना फैले, प्रकाश की किरण बुझती नहीं।
सत्य और धर्म अमर रहेंगे, अधर्म की गाथा चलती नहीं।

पर भाई! विश्वास बनाए रखना, सूरज निकलेगा, बादल छंट जाएंगे।
सत्य की ज्योति फिर चमकेगी, डायनों की शक्ति मिट जाएगी।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

आवारा कुत्तों की फिक्र, गोवंश को कौन दे सहारा ?

हमारे देश में पशुओं से जुड़ी समस्याएं कभी केवल भावनाओं या धार्मिक आस्थाओं से जुड़ी नहीं रहीं, बल्कि समय के साथ यह सामाजिक सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृषि संकट और नीति निर्धारण का गंभीर सवाल बन चुकी हैं। आवारा कुत्तों से लेकर बेसहारा गोवंश की समस्या अब हर जगह दिखने को मिल रही है। इससे हर साल हजारों जानें जा रही हैं और लाखों लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है। आंकड़े गवाही देते हैं कि स्थिति कितनी भयावह हो चुकी है और अदालतों से लेकर पंचायत स्तर तक इस पर लगातार आवाज उठ रही है। सवाल यह नहीं है कि योजनाएं बनीं या नहीं बनीं, बल्कि यह है कि उन योजनाओं को दिल से अमल में उतारने की इच्छाशक्ति कितनी दिखाई गई ?

भारत में आवारा कुत्तों की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल होती जा रही है। यह आंकड़ा किसी को भी चौंका सकता है कि हर साल देश में करीब बीस हजार लोग रेबीज की वजह से अपनी जान गंवा देते हैं। यह केवल स्वास्थ्य तंत्र की असफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं पर भी बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लिया और स्पष्ट आदेश दिए कि आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण अनिवार्य रूप से किया जाए। कोर्ट ने कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और आक्रामक या रेबीज संक्रमित कुत्तों को पकड़ने के बाद छोड़ा नहीं जा सकता। यह आदेश निश्चित रूप से दूरगामी असर डाल सकता है, अगर उस पर पूरी ईमानदारी से अमल हो, लेकिन आशंका यह भी है कि कहीं यह आदेश भी महज कागजों तक सीमित न रह जाए, जैसे अतीत में कई बार हुआ।

केंद्र सरकार ने अप्रैल 2024 में संसद में बताया था कि देशभर में 4.30 लाख कुत्तों के काटने के मामले दर्ज हुए। अगर पूरे साल का हिसाब लगाया जाए तो यह संख्या साढ़े चार लाख के आसपास पहुंच सकती है। वर्ष 2024 में अकेले 37 लाख मामले दर्ज किए गए थे। इसका मतलब है कि हर दिन हजारों लोग इस संकट से जूझ रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों के लिए सड़कें असुरक्षित हो गई हैं। लोग सुबह की सैर या मंदिर जाने तक से डरने लगे हैं। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सख्ती दिखाई।

मार्स पेटकेयर के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में करीब 5.25 करोड़ आवारा कुत्ते हैं। इनमें से लगभग 80 लाख कुत्ते किसी न किसी शेल्टर होम या रेस्क्यू सेंटर में हैं, लेकिन बाकी खुले में घूम रहे हैं। कुत्तों की यह विशाल आबादी केवल काटने की घटनाओं से ही नहीं, बल्कि शोर, गंदगी, सड़कों पर दुर्घटनाओं और कभी-कभी छोटे बच्चों की जान लेने वाली घटनाओं से भी जुड़ी हुई है। हिमाचल प्रदेश का उदाहरण लें तो वहां 2012 में आवारा कुत्तों की संख्या 65,220 थी, जो 2019 में बढ़कर 76,933 हो गई। 2022 से 2024 तक तीन साल में 60,000 से अधिक लोग कुत्तों के हमले के शिकार हुए। ऊना, हमीरपुर और शिमला जैसी घटनाओं ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया, जब बच्चों की जान चली गई। इसके बावजूद हिमाचल में अभी तक किसी भी जिले में कोई स्थायी शेल्टर होम नहीं बना, केवल कुछ रेस्क्यू सेंटर जरूर बनाए गए।

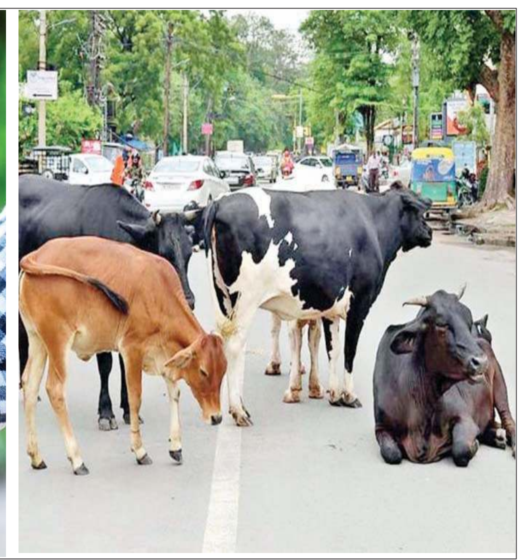

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सवाल यह उठता है कि क्या सरकारें वास्तव में इस पर ईमानदारी से काम करेंगी ? नसबंदी और टीकाकरण की प्रक्रिया अगर ठीक से की जाए तो स्थिति कुछ हद तक सुधर भी सकती है, लेकिन यह भी सच है कि नीति-निर्माताओं और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं का नजरिया एक-दूसरे से टकराता रहता है। एक पक्ष जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है, तो दूसरा पशुओं के अधिकारों की रक्षा की बात करता है। बीच में पिसती है आम जनता।

यथार्थ

समरजीत

इसी तरह हिमाचल प्रदेश और देशभर में बेसहारा गोवंश की समस्या भी लंबे समय से जटिल रूप ले चुकी है। दशकों से सरकारें आती-जाती रहीं, लेकिन कोई ठोस नीति धरातल पर नहीं उतरी। कांग्रेस हो या भाजपा, योजनाएं जरूर बनीं पर उन्हें लागू करने में पिछड़ गईं। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने साफ कहा था कि बेसहारा गोवंश को शेल्टर होम में रखा जाए, लेकिन आज भी हजारों गाय-बैल सड़कों और कूड़े के ढेर पर मुंह मारते दिखाई देते हैं। वे प्लास्टिक और सड़े-गले खाने से बीमार हो जाते हैं, जिससे उनका जीवन और भी नारकीय हो जाता है।

वर्तमान सुक्खू सरकार ने कुछ पहल जरूर की है। उसने गोपाल योजना के तहत ऐसी व्यवस्था की कि कोई भी व्यक्ति अगर सड़क पर घूमते बेसहारा पशु को अपनाना चाहता है तो सरकार उसे आर्थिक मदद देगी। हर महीने प्रति गोवंश 1200 रुपए का अनुदान दिया जा रहा है। गोसेवा आयोग निजी क्षेत्र में नए गोसदनों के लिए 10 लाख रुपए और विस्तार के लिए 5 लाख रुपए तक का अनुदान दे रहा है। अभी तक आयोग ने करीब 40 करोड़ रुपए की राशि जारी की है। हिमाचल प्रदेश में इस समय 260 गोसदन कार्यरत हैं, जिनमें से 15 सरकारी और 245 निजी हैं। इनमें 21,300 बेसहारा गोवंश को आश्रय दिया गया है, लेकिन समस्या का पैमाना देखें तो तस्वीर अभी भी अधूरी है। 2019 की 20वीं पशुगणना के अनुसार, प्रदेश में 36,311 गोवंश सड़क पर घूम रहे थे। नई 21वीं गणना भी हो चुकी है, पर आंकड़े अभी जारी नहीं हुए। यानी अभी भी हजारों पशु बिना आश्रय के भटक रहे हैं। सरकार ने शराब की हर बोतल पर 2.50 रुपए गो सेस लगाया है, ताकि इससे गोसदनों को सहायता मिल सके। किसानों के पाले गए पशुओं की 100 प्रतिशत टैगिंग की जा रही है, ताकि बाद में उन्हें आवारा न छोड़ा जा सके। पंचायत अधिनियम के तहत अगर कोई पशुपालक अपने जानवर को छोड़ देता है तो पहली बार 500 और उसके बाद 700 रुपए का जुर्माना तय किया गया है।

फिर भी यह सवाल बना हुआ है कि क्या केवल योजनाओं और जुर्माने से समस्या का समाधान होगा। वास्तविकता यह है कि बेसहारा पशु ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गंभीर परेशानी बन चुके हैं। खेतों में लगी फसलों को ये पशु चट कर जाते हैं। किसान रातभर पहरेदारी करने को मजबूर हैं। कुछ ने बांस के बाड़े बनाए, लेकिन भूखे पशु उन्हें भी तोड़ डालते हैं। जंगली जानवरों और बंदरों का हमला अलग से है। नतीजा यह कि बहुत सारे खेत वीरान पड़े हैं, लोग खेती छोड़ने लगे हैं। गोवंश की घटती संख्या और दूध उत्पादन की कमी एक और बड़ी समस्या है। हिमाचल में दूध की मांग 20 लाख टन के आसपास है, जबकि उत्पादन उससे चार लाख टन कम है। कमी पूरी करने के लिए नकली दूध का कारोबार बढ़ रहा है, जिससे जनता की सेहत बिगड़ रही है। अगर पशुपालन को सही प्रोत्साहन मिले और बेसहारा पशुओं को उपयोगी ढंग से आश्रय मिले तो न केवल दूध उत्पादन बढ़ सकता है, बल्कि गोबर और बायोगैस से ऊर्जा व खाद का भी उत्पादन हो सकता है।

सड़क पर घूमते बेसहारा पशु दुर्घटनाओं का कारण भी बनते हैं। 2024 से 2025 के बीच ही बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में बेसहारा बैलों के हमले से पांच लोग घायल और चार की मौत हो चुकी है। यानी यह समस्या अब केवल किसानों और पशुप्रेमियों का विषय नहीं, बल्कि सीधे जनता की सुरक्षा और जीवन से जुड़ा सवाल बन गई है।

इस समस्या के समाधान के लिए जरूरी है कि सरकार बड़े पैमाने पर खुले क्षेत्र में गो अभयारण्य बनाए। अभयारण्यों ऐसे हों, जिनमें पशु खुद चर सकें, साथ ही चारे और पानी की न्यूनतम व्यवस्था हो। कुछ शेड और तालाब बनाए जाएं, ताकि कम खर्च में उनकी देखभाल हो सके। इसके अलावा, गोबर गैस संयंत्र लगाकर सरकार अपनी कमाई भी बढ़ा सकती है। इससे जहां एक तरफ रोजगार सृजित होगा तो दूसरी तरफ, पर्यावरण को भी लाभ होगा।

आवारा कुत्तों और बेसहारा गोवंश की समस्या का हल केवल कागजी योजनाओं या अदालतों के आदेश से नहीं निकलेगा। इसके लिए सरकारों को दिल से काम करना होगा। जनता को भी समझना होगा कि पशुओं को इस्तेमाल के बाद छोड़ देना समाधान नहीं है। पंचायतों को जिम्मेदारी से काम करना होगा, जुर्माने को सख्ती से लागू करना होगा। एनजीओ और निजी क्षेत्र को भी इसमें भागीदारी निभानी होगी। आज हालत यह है कि सड़कों पर आवारा कुत्तों के झुंड और बेसहारा गोवंश दोनों नजर आते हैं। एक ओर लोग कुत्तों से डरकर घर से नहीं निकलते हैं, दूसरी ओर किसानों की मेहनत गोवंश नष्ट कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की भूमिका सराहनीय है, लेकिन उनकी मंशा तभी पूरी होगी जब राज्य सरकारें और प्रशासन धरातल पर अमल करें। हिमाचल में सरकार ने गोपाल योजना, गो सेस और गोसदनों के विस्तार जैसे कदम उठाए हैं। यह सकारात्मक शुरुआत है, लेकिन अभी मंजिल दूर है। जरूरत इस बात की है कि इस समस्या को केवल धार्मिक आस्था या परंपरा के चश्मे से न देखा जाए, बल्कि इसे एक सामाजिक और आर्थिक संकट मानकर गंभीरता से समाधान खोजा जाए। पशुओं को आश्रय देना, उनका टीकाकरण और नसबंदी करना, किसान और जनता को राहत देना और साथ ही पशुपालन को आय का स्रोत बनाना-ये सब कदम मिलकर ही स्थिति बदल सकते हैं। अन्यथा योजनाएं बनती रहेंगी, कागजों पर खर्च दिखाया जाएगा और सड़क पर पशु भटकते रहेंगे। जनता और पशु दोनों ही त्रासदी झेलते रहेंगे।

रिस्पांस करें: editoranantgyaan@gmail.com

हे मानव ! प्रकृति से डर, यह प्रलय की नहीं महाप्रलय की आहट

पहाड़ों से लेकर मैदानों तक और महानगरों से लेकर गांवों तक प्रकृति तबाही ही तबाही कर रही है। यह प्रलय की नहीं महाप्रलय की आहट है प्रकृति से डरो। हर जगह जल ही जल हो चुका है धरती जलमग्न हो चुकी है। प्रकृति का बढ़ता प्रकोप बहुत ही खौफनाक होता जा रहा है। मानव ने हर जगह प्रकृति से छेड़छाड़ की है नतीजतन भुगतान तो करना पड़ेगा सजा भुगतनी पड़ेगी द्य देश का कोई भी राज्य प्रकृति के प्रकोप से नहीं बच सका है कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक तबाही का मंजर है। चंद चांदी के सिक्कों की खनक व कागज के टुकड़ों की खातिर मानव ने प्रकृति का सीना छलनी किया है।

नरेंद्र भारती
स्वतंत्र लेखक, मंडी

फितरती व लालची हो चुके मानव ने बहुत जख्म दिए हैं जख्म नासूर बन चुके हैं जख्मों से खून रिस रहा है। प्रकृति बहुत क्रोधित हो चुकी है और यह क्रोध कम होने के बजाए उग्र रूप धारण करता जा रहा है। प्रकृति अशांत हो चुकी है शांत होने में बहुत समय लगेगा। भटक चुके मानव को कई बार आगाह किया, लेकिन परवाह नहीं की हर बार लापरवाही करता रहा। प्रकृति का रौद्र रूप जब सामने आया तब होश आया है। इंटरनेट की दुनिया में मस्त हो चुके इंसान को तहस-नहस कर दिया। प्रकृति कभी भेदभाव नहीं करती, लेकिन मानव रास्ते से भटक गया और इंटरनेट को ही सब कुछ मान बैठा है। प्रकृति समय-समय पर सब कुछ देती है, लेकिन आज मौसम इंटरनेट पर देख रहे हैं एडवांस हो गए हैं प्रकृति को भुला दिया, लेकिन एक झटके में सारी हेकड़ी उतार दी है। विडंबना देखिए कि पहाड़ जमीन पर उत्तर गए चकनाचूर हो गए। मानव ने प्रकृति को हासिए पर धकेल दिया था, लेकिन प्रकृति ने अब मानव को ही हासिये पर लाकर खड़ा कर दिया है।

प्रकृति ने मगरूर हो चुके मानव का गुरुर तोड़ कर रख दिया है ऐसी सजा दी है कि आने वाली सात पीढ़ियों को यह सजा मिलती रहेगी। पहाड़ दरक रहे हैं, जमीनें धंस रही हैं। पहाड़ मैदान बन रहे हैं। ऐसी त्रासदी बहुत ही भयानक व भयावह होती जा रही है। प्रकृति के संकेत को समझ लीजिये ताकि आने वाला कल सुरक्षित हो सके।

महानगरों व बड़े-बड़े शहरों में पानी की निकासी न होने के कारण बहुत भंयकर हालात बनते जा रहे हैं। मौसम विभाग के विशेषज्ञ भी आगाह करते रहते हैं और चेतावनी देते रहते हैं। अवैज्ञानिक अवैध खनन पर भी रोक लगानी चाहिए, क्योंकि मशीनों से और ब्लास्टिंग से पहाड़ हिल गए हैं तभी तो भर-भराकर दरक रहे हैं। पहाड़ों से हजारों टन मलबा तबाही मचा रहा है। भूस्खलन हो रहे हैं और लोग दब रहे हैं। नदियों के किनारे मकानों का निर्माण कर रहे हैं नतीजतन बाढ़ में बहते जा रहे हैं। बरसात में पूरे देश में कई हजारों लोग बह गए हैं, परिवार के परिवार खत्म हो गए, अग्नि देने वाले भी नहीं बच रहे हैं और लाशें तक बरामद नहीं हो रही हैं। अभी भी समय बहुत है मानव को अपनी जीवन शैली बदलनी पड़ेगी। हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू में जो तबाही हुई है उसकी भरपाई के लिए कई साल लग जाएंगे।

टूट चुके व बह चुके आशियाने तो फिर से बन जाएंगे, लेकिन जो इस त्रासदी में अपने सगे बेमौत मारे गए हैं उनकी याद ताउम्र आती रहेगी द्य प्रकृति इतनी बेहरम नहीं हो सकती, लेकिन मानव अपने स्वार्थ के लिए दानव बनता जा रहा है। मानव ने कुदरत को बहुत दु:ख दिए हैं अब यह पीड़ा असहनीय हो गई तो कुदरत ने अपना बदला ले लिए मानव को मिट्टी में मिला दिया धूल चटा दी है। कुदरत के सब्र का बांध टूट चुका है और तबाही का तांडव हर राज्य में मचा हुआ है। केंद्र व राज्य सरकार राहत और मुआवजा ऊंट के मुंह में जीरे के समान होता है। सरकार जितना पैसा देती है अगर बरसात से पहले ही सक्रिय हो जाए, तो जानमाल की हानि को रोका जा सकता है। प्रशासन को समय-समय पर लोगों को आपदा से निपटने के लिए जागरूक करने के लिए शिविर लगाने चाहिए नदियों व नालों के किनारे भवन निर्माण पर रोक लगानी चाहिए द्य आपदा से पहले ही आपदा कमेटियां बनानी चाहिए, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। तबाही की असली वजह ढूंढनी होगी, ताकि समाधान हो सके। आपदा प्रबंधन तंत्र को बाढ़ और बरसात के लिए पहले से ही सक्रिय रहना चाहिए ताकि तबाही कम हो सके। समय रहते संभल जाओ नहीं तो चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आएगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मानव के जीवन में धन से कई गुना ताकतवर है शिक्षा

आज सभी लोग धन कमाने के लिए दौड़-भाग कर रहे हैं या धन के पीछे पागल हुए जा रहे हैं। लोगों ने शिक्षा को भी धन कमाने का एक जरिया मान लिया है, जबकि शिक्षा, धन से कई गुना ताकतवर होती है। शिक्षा हमें वह सब कुछ दिला सकती है, जो हम धन से नहीं खरीद सकते हैं। उदाहरण के लिए हम भले ही कितने ही अमीर क्यों न हो जाए, ज्ञान और आत्मविश्वास को हम बिना शिक्षा से प्राप्त नहीं कर सकते है। इसलिए हम सभी को अपने जीवन में धन के बजाय शिक्षा को सर्वोच्च स्थान देना चाहिए। मैंने महसूस किया है अधिकांश दलित, पिछड़े और गरीब लोग शिक्षा को वह महत्व नहीं देते, जितना धन को देते है। धन भले ही आप के परिवार को दो वक्त की रोटी और अच्छा घर दिला सकता है, मगर बिना शिक्षा के धन को बचा पाना मुश्किल है।

दीपक कोहली
स्वतंत्र लेखक

मैं आपको अपने दोस्त सौरभ वर्मा के परिवार की कहानी बताता हूं। सौरभ के पापा और चाचा दो भाई थे और दोनों में खूब प्रेम था। दोनों का सोने-चांदी के साथ-साथ ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय था। एक दिन अचानक सौरभ के पापा की मृत्यु हो गई। दोनों परिवारों में टकराव आ गया और दोनों परिवार अलग-अलग हो गए।

सौरभ के बड़े भाई ने अपना खुद का सोने-चांदी का काम शुरू कर लिया और दूसरे भाई ने टैक्सी लेकर टैक्सी चलाना शुरू कर दिया। सौरभ के चाचा के तीन बेटे थे और तीनों ही ज्यादा पढ़े लिखे नहीं थे। सौरभ के चाचा ने अपने एक बेटे को अपने साथ रखकर सोने-चांदी का काम सिखाया और दो बेटों को ट्रांसपोर्ट वाले व्यवसाय में लगा दिया। सौरभ के चाचा ने अपने बड़े बेटे की शादी की और शादी में खूब दहेज मिला यानी एक-दो गाड़ियां भी मिली। इसके बाद सौरभ के चाचा के बेटे ने अपनी खुद की सोने-चांदी की दुकान खोल ली। इस दौरान सौरभ के चाचा के बेटे को किसी दूसरी लड़की से भी प्रेम हो जाता है और उसको बिना ब्याह घर ले आता है। शादी टूट जाती है और सौरभ के चाचा को बेटे की शादी में मिले दहेज को वापस करना पड़ता है। यूं कहे तो उनका यही से डाउनफॉल शुरू होता है। एक दिन अचानक सौरभ के चाचा के बड़े बेटे ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। लोग कहते हैं कि उसकी गर्लफ्रेंड ने उसे जहर दे दिया था, मगर सच्चाई क्या है आज तक किसी को नहीं पता चल पाया।

सौरभ के चाचा का एक बेटा मर चुका था और ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े दो बेटे भी शराब के आदी हो चुके थे। आए दिन कुछ न कुछ कांड करते रहते थे। कभी गाड़ी ठोक देना, कभी गाड़ी को खेतों में चढ़ा देना इत्यादि। व्यवसाय को सही से नहीं चला पाने के कारण ट्रांसपोर्ट के बिजनेस में सौरभ के चाचा को लगातार नुकसान होता जा रहा था। फिर क्या था एक बेटा पागल हो गया। कुछ दिन बाद सौरभ की चाची का देहांत भी हो गया।

अब सौरभ के चाचा अकेले पड़ गए और घर की परिस्थितियों को देखकर उनका भी हौसला टूटने लगा। बिगड़ी हालातों को देखकर सौरभ के चाचा को अपने ट्रांसपोर्ट वाले व्यवसाय को धीरे-धीरे कम करना पड़ा। स्थानीय लोगों को लगता था कि यह व्यक्ति पूरे क्षेत्र में सबसे अमीर है, मगर हकीकत यह थी कि उसने लोन के सहारे ट्रांसपोर्ट का बिजनेस शुरू किया था।

इतना ही नहीं स्थानीय लोगों ने सौरभ के चाचा की दुकान से जो गहने व जेवरात बनाए थे उनमें भी मिलावट की शिकायत आने लग गई। कहते हैं न जो जितना अमीर होता है, वो उतना ही भ्रष्ट होता है। एक दिन अचानक सौरभ के चाचा का भी देहांत हो गया। एक जमाना हुआ करता था सौरभ के चाचा पूरे क्षेत्र में सबसे अमीर माने जाते थे। जिनकी 8-10 बसें चलती थी और पूरे क्षेत्र में उनकी सोने की दुकान बहुत ही फेमस थी। मगर कहते हैं न अगर आप ज्यादा कमाने के चक्कर में मिलावट करेंगे और गलत तरीके से कमाने की कोशिश करेंगे तो एक दिन आपका सब कुछ खत्म हो जाएगा। इतना ही नहीं अगर सौरभ के चाचा अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करते तो शायद उनका ट्रांसपोर्ट वाला बिजनेस बच जाता और इसके अलावा उनके बच्चे कोई दूसरा काम या नौकरी भी कर सकते थे। ज्यादा कमाने की लत, मिलावट करने की आदत और शिक्षा से ज्यादा धन को तवज्जो देने के कारण आज सौरभ के चाचा का परिवार लगभग समाप्त है। वर्तमान में सौरभ के चाचा के परिवार में सिर्फएक बेटा और एक बहु और दो बच्चे हैं। धन के साथ शिक्षा का भी उतना ही महत्व है, जितना हमारे लिए ऑक्सीजन के साथ पानी का होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

बागवानी कॉलेज के बाद थलौट लोनिवि मंडल कार्यालय पर भी शिफ्टिंग का खतरा

नूतन ठाकुर, अनंत ज्ञान

> थलौट में लोनिवि का मंडल कार्यालय शिफ्ट नहीं होगा, इस विषय पर संबंधित अधिकारी को जवाबदेही ली जाएगी और मुख्यमंत्री को इस विषय पर शीघ्र ही अवगत करवा दिया जाएगा। - **विजय पाल सिंह, कांग्रेस नेता सराज।**

> **प्रदेश** सरकार डिनोटिफाई एवं शिफ्टिंग करने वाली सरकार बन कर रहे गई है। थलौट में अगर लोनिवि के मंडल कार्यालय को शिफ्ट किया गया तो बालीचौकी भाजपा सड़कों पर विरोध करेगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी सरकार की होगी। **-मुकेश कुमार मैडी, अध्यक्ष भाजपा मंडल बालीचौकी (सराज)।**

> थलौट स्थित लोनिवि के मंडल कार्यालय को अभी शिफ्ट नहीं किया जा रहा है। इस विषय पर लोग सोमवार को मुझसे बात कर सकते हैं। **- विनोद शर्मा, अधिशाषी अभियंता, लोनिवि थलौट मंडल।**

> **भारत** की जनवादी नौजवान सभा क्षेत्रीय कमेटी बालीचौकी लोक निर्माण विभाग द्वारा मंडल कार्यालय को थलौट से पंडोह स्थानांतरित करने की प्रदेश सरकार को सिफारिश की कड़े शब्दों में निंदा करती है। **- महेंद्र सिंह राणा, राज्य सचिव भारत की जनवादी नौजवान सभा हिमाचल प्रदेश।**

बालीचौकी। बीते दिनों सराज हल्के के थुनाग स्थित बागवानी एवं वानिकी कॉलेज को शिफ्ट करने के बाद मंडी जिला में लोक निर्माण विभाग के थलौट स्थित मंडल कार्यालय को भी शिफ्ट करने की सूचना है। मिली जानकारी के अनुसार अगर सब कुछ सही रहा तो मंगलवार को विभाग ने कार्यालय को शिफ्ट करने की पूरी तैयारी कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त मंडल को एनएच के बंद पड़े भवन में शिफ्ट करने की योजना बनाई जा रही है।

गौरतलब है कि पिछली भाजपा सरकार में सराज एवं दरंग विधानसभा क्षेत्रों के बालीचौकी एवं स्नोर घाटी के लिए थलौट में एक नए मंडल कार्यालय का गठन किया गया था, लेकिन अब विभाग ने गुपचुप इस कार्यालय को पंडोह ले जाने की योजना पर कार्य करना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार 8 जुलाई को मुख्य अभियंता शिमला को पत्र भेज कर इस कार्यालय को अस्थाई तौर पर पंडोह शिफ्ट करने के लिए लिखा गया है। मामले की भनक लगते ही अब स्थानीय नेताओं ने विभाग के थलौट स्थिति अधिशाषी अभियंता के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी कर दी है। सोमवार को जहां कार्यालय को शिफ्ट करने के विरोध में कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ता ज्ञापन देंगे, वहीं अखिल भारतीय नौजवान सभा ने अधिशाषी अभियंता व सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। मामले को लेकर भाजपा के कार्यकर्ता नेता प्रतिपक्ष एवं विधायक जयराम ठाकुर के मार्गदर्शन में ही आगामी रणनीति पर कार्य करेंगे।

सूत्र बताते हैं कि कार्यालय को शिफ्ट करने में सरकार से ज्यादा लोनिवि कुछ स्थानीय अधिकारी रुचि ले रहे हैं और थलौट में निजी भवन के किराए को बचाने का तर्क दिया जा रहा है। वहीं अगर थलौट का मंडल कार्यालय शिफ्ट किया जाता है तो विपक्षी दल भाजपा को एक और मुद्दा मिल सकता है।

मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद भी दर्ज नहीं हुई एफआईआर

15 दिन पहले सीएम सुक्खू ने दिया था एक दिन में एफआईआर दर्ज करने का भरोसा

रितेश, अनंत ज्ञान

सरकाघाट में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर सीएम आदेश देते हुए। (फाइल फोटो)

सरकाघाट। एनएच निर्माण कंपनी पर एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर हिमाचल किसान सभा ने 15 अगस्त को मुख्यमंत्री सुक्खू को सरकाघाट में ज्ञापन सौंपा था। मुख्यमंत्री ने मंच से एफआईआर एक दिन में दर्ज करने का आश्वासन दिया था, लेकिन 15 दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह बात पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह ने मीडिया से कही।

उन्होंने कहा कि चार वर्षों से गावर, सूर्या व बीआरएन कंस्ट्रक्शन कंपनियों के खिलाफ शिकायतें दी जा रही हैं, लेकिन न पुलिस और न ही प्रशासन कोई कदम उठा रहा है। भूपेंद्र सिंह ने बताया कि चोलथरा बाईपास पर बना पुल गिर गया है, जिससे कई घर खतरे में आ गए हैं। पशुपालन विभाग की सड़क बंद होने से इलाज सड़क पर हो रहा है। पाड़छु के पास डंपिंग की गई मिट्टी व्यास नदी तक बह गई, जिससे भारी पर्यावरणीय नुकसान हुआ है। शिवदवाला से कुमाहरडा तक अवैध कटिंग और डंपिंग के कारण रास्ता जोखिम भरा हो गया है। सरकार और प्रशासन चुप्पी साधे हुए हैं। भूपेंद्र ने कहा कि या तो वे डरते हैं या लेनदेन हो चुका है। 23 जून को पाड़छु पुल गिरने और 30 जून की बारिश के बाद सरकार ने एनएच निर्माण पर रोक लगाई थी, जो अब खत्म हो रही है। कंपनियों के खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में केस भी दायर किया है। 3 सितंबर को शिमला में आंदोलन की रूपरेखा बनाई जाएगी।

> **हाईवे निर्माण कंपनी के खिलाफ 3 को शिमला में आंदोलन की बनेगी रूपरेखा**

न्यूज ब्रीफ

नागरिक सुझाव साझा करने की तिथि 2 तक बढ़ी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। समृद्ध हिमाचल-2045 पहल के अंतर्गत जारी नागरिक सहभागिता प्रश्नावली भरने की अंतिम तिथि अब बढ़ा दी गई है। पहले यह तिथि 26 अगस्त निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर अब 2 सितंबर कर दिया गया है। अतिरिक्त उपायुक्त मंडी गुरसिमर सिंह ने बताया कि इस प्रश्नावली के माध्यम से प्रदेश के नागरिकों, संस्थानों और हिमाचली प्रवासी समुदाय से उनके विचार, आकांक्षाएं और ज़मीनी नवाचार आमंत्रित किए जा रहे हैं। इन सुझावों को प्रदेश की दीर्घकालिक विकास योजना का आधार बनाया जाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि प्रश्नावली में कुल 17 प्रश्न शामिल हैं, जो जन-केंद्रित और भविष्य दृष्टि के साथ तैयार किए गए हैं। इसमें भाग लेने के लिए वेबसाइट himachal.nic.in/samridh himachal पर लॉग इन कर सकते हैं। इसके अलावा गूगल फॉर्म लिंक https://forms.gle WAU~&DjLaR}zPStC{ और क्यूआर कोड भी उपलब्ध करवाए गए हैं।

शिवानी और किंजल शर्मा बनीं मिस फ्रेशर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी के छात्रावास में नवांतुक छात्राओं के स्वागत के लिए वरिष्ठ छात्राओं ने एक भव्य 'फ्रेशौर' वेलकम पार्टी का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार ने मुख्य अतिथि जबकि मुख्य वार्डन प्रोफेसर सीमा शर्मा और वार्डन डॉ. बनीता सकलानी विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मॉडलिंग, डांस, सिंगिंग, स्टैंड-अप कॉमेडी और प्रश्नोत्तरी जैसी कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए लोक नृत्य, बॉलीवुड नृत्य, हिंदी और अंग्रेजी गीत प्रस्तुत किए। वरिष्ठ छात्राओं ने भांगड़ा, राजस्थानी नृत्य, लावणी नृत्य, गुजराती नृत्य और हिमाचली नाटी का मंचन किया। पोस्ट ग्रेजुएट कक्षाओं से शिवानी और अंडरग्रेजुएट कक्षाओं से किंजल शर्मा को मिस फ्रेशर के खिताब से नवाजा गया। पोस्ट ग्रेजुएट कक्षाओं से प्रीतिका प्रथम रनर-अप और रचना द्वितीय रनर-अप रहीं, जबकि अंडरग्रेजुएट कक्षाओं से कनिष्का और खुशबू क्रमशः प्रथम और द्वितीय रनर-अप रहीं।

बाबा बालकनाथ माहुनाग शाही स्नान मेला 4 को

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। हर वर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी जोगिंद्रनगर क्षेत्र में बाबा बालकनाथ माहुनाग देवता बनाड़ व नागचला मंदिर में 20 भादों को आयोजित होने वाला शाही स्नान मेला धूमधाम से मनाया जाएगा। मेले के दौरान सुबह धार्मिक अनुष्ठानों के साथ दोनों मंदिरों में शाही स्नान की परंपरा निभाई जाएगी। इसके उपरांत महिला मंडलों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले पारंपरिक पहाड़ी नाटी व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम लोगों के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं व बच्चों के लिए मटका फोड़, रस्सीकूद और कुर्सी प्रतियोगिता जैसी मनोरंजक गतिविधियां भी करवाई जाएंगी।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य व महिला मोर्चा अध्यक्ष मेघना ठाकुर शिरकत करेंगी। आयोजन समिति का कहना है कि यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का भी माध्यम है।गौरतलब है कि बाबा बालकनाथ माहुनाग शाही स्नान मेला का ऐतिहासिक महत्व भी है। दोनों मंदिरों की अपनी-अपनी धार्मिक मान्यता है। बनाड़ मंदिर में बाबा बालकनाथ माहुनाग देवता के विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं, वहीं नागचला मंदिर नाग देवता की प्राचीन स्थली मानी जाती है। श्रद्धालु परंपरा के अनुसार दोनों स्थानों पर जाकर पूजा-अर्चना कर देव आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस अनोखी परंपरा के चलते यह मेला क्षेत्र की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक धरोहर का अद्वितीय उदाहरण है।

बारिश से मंडी की बिजली व्यवस्था प्रभावित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। अधिशाषी अभियंता विद्युत मंडल मंडी ई. राजेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में हुई भारी वर्षा और भूस्खलन की घटनाओं से 9 मील (पंडोह) क्षेत्र के पास स्थित 132 केवी डबल सर्किट (बिजनी-लारजी-कागू) एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज लाइन का टावर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। यह लाइन मंडी स्थित 132/66/33/11 केवी बिजनी उपकेंद्र तथा विद्युत मंडल मंडी के लिए मुख्य विद्युत आपूर्ति स्रोत थी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मंडी मंडल को शानन-बिजनी 66 केवी लाइन और 33 केवी रत्ती-मेडिकल कॉलेज-बडसू-बिजनी लाइन से बिजली आपूर्ति दी जा रही है। किंतु लवांडी नाला (बिजनी के समीप) क्षेत्र में लगातार भूस्खलन और पेड़ों के गिरने से शानन-बिजनी 66 केवी लाइन बार-बार क्षतिग्रस्त हो रही है। इस कारण उपभोक्ताओं को समय-समय पर बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है।ई. राजेश कुमार ने बताया कि विद्युत विभाग मंडी, उपभोक्ताओं को 24 घंटे निर्बाध आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। 132 केवी लाइन की मरम्मत का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है और इसे पूरा करने में लगभग एक सप्ताह का समय लग सकता है। उन्होंने मंडी शहर और आसपास के क्षेत्रों मझवार, गुटकर, बेहना, सौली खड्ड, तल्याहड, केहनवाल, गोखरा, साइग्लू, कोटली, भरगांव, बीर, बारी, बिजनी, दरंग धनोग, छिपनु , खलियार, पुरानी मंडी, जेल रोड, टारना, सेरी बाजार, मंगवाई, कटिंडी, कमांद, कटौला, बागी, बाथेरी तथा आईआईटी कमांद के सभी उपभोक्ताओं से सहयोग और धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

चौहार और छोटा भंगाल घाटी में बारिश से सड़कों की हालत बदतर

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान

> **खेतों में खराब हो रही फसलें राशन आपूर्ति भी प्रभावित**

बरोट। चौहार और छोटा भंगाल घाटी में दो सप्ताह से जारी भारी बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बरोट-घटासनी मुख्य मार्ग सहित कई संपर्क मार्गों पर भूस्खलन और डंगे धंसने से सड़कें बंद पड़ी हैं। बरोट-घटासनी मार्ग पर गुराहला में भारी ल्हासा गिरने और डंगा धंसने से यातायात ठप है, जबकि बरोट बस स्टैंड के पास भी ल्हासा गिरने का क्रम जारी है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा जेसीबी मशीनों से कार्य करने के बावजूद यह मार्ग केवल छोटे वाहनों के लिए ही खुल पाया है। चौहार घाटी में थल्टूखोड़-मढ़, थल्टूखोड़-ग्रामण, और बरोट-मियोट जैसे मार्ग अभी भी अवरुद्ध हैं। बरोट-मियोट मार्ग नागनाला में भारी चट्टानों के कारण बंद है, जिसे ब्लास्टिंग से हटाया जा रहा है। छोटा भंगाल घाटी के मुल्थान-बड़ा ग्रां और मुल्थान-लोहारडी मार्गों की हालत भी खराब है। सरला मोड़, गडैहण और राक्ष नाली में ल्हासे व डंगे धंसने से रास्ते बंद पड़े हैं। बीड़-राजगुंधा-बड़ा ग्रां मार्ग पर दलदल बन जाने के कारण सड़क बार-बार क्षतिग्रस्त हो रही है। सब्जी उत्पादक मंडियों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे फसलें खेतों में सड़ने लगी हैं। वहीं राशन की आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। विद्युत आपूर्ति हाल ही में बहाल की गई है, जिससे आंशिक राहत मिली है। प्रशासन और लोक निर्माण विभाग द्वारा जल्द सभी मार्ग बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

आज भारी बारिश का अलर्ट, प्रशासन सतर्क

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के मद्देनज़र जिले के सभी नागरिकों से सतर्क और सुरक्षित रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि 31 अगस्त और 1 सितंबर को राज्य के विभिन्न जिलों के साथ मंडी जिला में भी भारी वर्षा की आशंका वाले क्षेत्रों में शामिल है। ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उपायुक्त ने कहा कि नागरिक नदियों, नालों और खड्डों के किनारे जाने से बचें, अनावश्यक यात्रा न करें। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 1077 या 01905-226201, 226202, 226203, 226204 पर संपर्क करें। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और आपदा की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक मशीनरी व राहत दल तैनात हैं।

कीरतपुर-मनाली फोरलेन पर बलोह टोल प्लाजा पर फास्ट टैग घोटाले का नया मामला

घर में खड़ी कार का कटा 115 रुपए का टोल

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

कीरतपुर-मनाली फोरलेन पर स्थित बलोह टोल प्लाजा की लूट का एक और मामला सामने आया है। उपमंडल बल्ह के गांव लुहाखर के प्रिसेंदर कुमार ने कहा कार घर पर ही मौजूद होने के बावजूद उनके मोबाइल फोन पर टोल काटे जाने का मेसेज प्राप्त हुआ। प्रिसेंदर कुमार ने कहा कि उनकी फोर्ड फिएस्टा कार नंबर एचपी-33 सी 9836 पिछले कई दिनों से घर में खड़ी है और कहीं नहीं गई है। गाड़ी की डिस्क तक पर जंग तक लग चुका है।

इसके बावजूद बीते शुक्रवार रात करीब पौने दस बजे उनके मोबाइल पर मैसेज आया कि कीरतपुर-मनाली फोरलेन पर बिलासपुर और मंडी जिला की सीमा पर स्थित बलोह टोल प्लाजा पर उनके फास्ट टैग से 115 रुपए कट गए हैं। प्रिसेंदर कुमार ने बताया कि उन्होंने तुरंत ही आईसीआईसीआई बैंक फास्ट टैग कस्टमर केयर नंबर 18002100104 पर संपर्क करने की कोशिश की। लगातार दो दिन कॉल करने के बावजूद लाइन पर कोई भी एग्जीक्यूटिव जवाब देने नहीं आया। स्थानीय लोगों पवन, कुलभूषण, बलविंद्र, अमर, गीताराम ठाकुर ने आरोप लगाया है कि बलोह टोल प्लाजा पर इससे पहले भी कई बार फास्ट टैग से पैसे कटने के फर्जी मामले सामने आ चुके हैं। इससे टोल प्रबंधन की पारदर्शिता और तकनीकी सिस्टम दोनों पर सवाल उठ रहे हैं।

टोल प्रबंधन के खिलाफ जांच व कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ता प्रिसेंदर कुमार ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की तुरंत जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने बताया कि इस समस्या से उनके अलावा कई और लोग भी टोल प्लाजा की अवैध वसूली के शिकार बन चुके हैं। इस मामले को लेकर पुलिस को शिकायत प्रेषित कर दी गई है।

शिकायत के बाद पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

डीएसपी सुंदरनगर भारत भूषण ने बताया कि शिकायतकर्ता की ओर से शिकायत प्राप्त हुई है। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस की जांच में इस प्रकार से अवैध तरीके से टोल काटे जाने पर संबंधित टोल प्लाजा प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

फोरलेन में जमीन देने वाले किसान अब तक हक से वंचित

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद कीरतपुर-मनाली फोरलेन के 80 प्रतिशत प्रभावितों को नहीं मिला मुआवजा

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

डैहर में प्रभावितों का भड़का गुस्सा, किसानों ने सोलाटियम व ब्याज भुगतान की उठाई मांग।

कीरतपुर-मनाली फोरलेन भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों और परिवारों की बैठक डैहर में रविवार को आयोजित की गई। इस बैठक में बड़ी संख्या में प्रभावित परिवारों ने भाग लिया और भूमि अधिग्रहण के बाद भी उन्हें अब तक उनके वैधानिक अधिकारों के तहत सोलाटियम एवं ब्याज का भुगतान नहीं किए जाने पर रोष जताया है।

बैठक में अधिवक्ता अरुण आर्य ने बताया कि वर्ष 2015-16 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने प्रभावित परिवारों को 30 प्रतिशत सोलाटियम ब्याज सहित देने का आदेश दिया था, जिसे एनएचएआई ने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी। लेकिन वर्ष 2019 में प्रभावितों के पक्ष में सर्वोच्च न्यायालय ने फैंसला सुनाया है। इसके बावजूद वर्ष 2020 में केवल लगभग 20 प्रतिशत प्रभावितों को ही भुगतान किया गया और शेष 80 प्रतिशत परिवार आज भी अपने अधिकार से वंचित हैं। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रभावित परिवारों द्वारा एक ज्ञापन तैयार कर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को प्रेषित किया जाएगा, जिससे इस मामले में शीघ्र न्याय मिल सके। साथ ही प्रभावितों की ओर से संघर्ष समिति का गठन भी किया जाएगा, जो इस मुद्दे को संगठित तरीके से आगे बढ़ाएगी और भविष्य की सभी कार्रवाइयों का समन्वय करेगी।

प्रभावित परिवारों ने कहा कि उन्होंने देश की प्रगति और विकास के लिए अपनी जमीन दी थी, लेकिन आज न्याय के लिए भटकना पड़ रहा है। अब यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक सभी प्रभावितों को उनका हक नहीं मिल जाता।

बीएससी नर्सिंग परीक्षा परिणाम में अरोमा कॉलेज की छात्रा खुशी टॉपर

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

अरोमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग सुंदरनगर ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को कायम रखते हुए बीएससी नर्सिंग पांचवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में शत-प्रतिशत सफलता हासिल की है। शनिवार को घोषित अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी के परिणामों में कॉलेज की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर कॉलेज का नाम रोशन किया। कॉलेज की प्रतिभाशाली छात्रा खुशी ठाकुर ने 9.73 एसजीपीए प्राप्त कर मेरिट सूची में पहला स्थान हासिल किया। वहीं, कृतिका शर्मा ने 9.18 एसजीपीए लेकर तीसरा स्थान पाया। दोनों छात्राओं की इस उपलब्धि ने न केवल कॉलेज बल्कि क्षेत्र का नाम भी गौरवान्वित किया है। अरोमा कॉलेज की प्रशासनिक अधिकारी नेहा ठाकुर ने कहा कि पांचवें सेमेस्टर का यह परिणाम कॉलेज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने खुशी ठाकुर और कृतिका शर्मा को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता कड़ी मेहनत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। कॉलेज की प्रबंधन समिति के चेयरमैन ओम प्रकाश नायक और प्रबंध निदेशक सुरेंद्र भारद्वाज ने भी छात्राओं व स्टाफ को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी।

राष्ट्र को प्रेरणा देने वाला है पीएम मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम : जम्वाल

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

मन की बात कार्यक्रम को सुनते हुए।

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता व विधायक सुंदरनगर राकेश जम्वाल ने रविवार को विधानसभा स्थित आधिकारिक आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम सुना।

इस अवसर पर बंजार से विधायक सुरेंद्र शौरी भी मौजूद रहे। जम्वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संवाद पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा देने वाला है। जिस प्रकार से नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में भारी बारिश और प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान का उल्लेख किया, उससे यह स्पष्ट है कि वे हिमाचल सहित पूरे देश के पीड़ित लोगों को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हैं। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि केंद्र सरकार संकट की घड़ी में प्रदेश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। पीएम ने भी अपने कार्यक्रम में इन बलों के योगदान का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि हिमाचल में मणिमहेश यात्रा के दौरान जिस प्रकार से एसडीआरएफ के जवानों ने कठिन परिस्थितियों में तीन हजार से अधिक यात्रियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया और मौत के मुंह से तीर्थयात्रियों को बचाया, वह उनके साहस व समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में पीएम ने लोकल फॉर वोकल और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग पर जोर दिया।

स्वास्थ्य चेतना व समाजसेवा की मिसाल बने सकलानी

पंजालग में किया जिम का उद्घाटन और पीड़ित परिवारों को दी आर्थिक सहायता

अभिषेक शर्मा, अनंत ज्ञान

पंजालग में जिम का उद्घाटन करते हुए केके सकलानी।

जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर विकास मंच के संस्थापक केके सकलानी ने रविवार को स्वास्थ्य जागरूकता और समाज सेवा की दिशा में एक नई पहल कर क्षेत्र में प्रेरणा का संदेश दिया। एक ओर उन्होंने पंजालग में 'चौहान जिम' का उद्घाटन कर युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया, वहीं दूसरी ओर जरूरतमंद व पीड़ित परिवारों तक पहुंचकर उन्हें आर्थिक सहयोग प्रदान कर मानवीय संवेदना का परिचय दिया।

पंजालग में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे केके सकलानी का आयोजकों और स्थानीय निवासियों ने फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व जिला परिषद सदस्य संजीव शर्मा, कमांडेंट जे.पी. राणा, गांधी राणा, कर्नल राहुल राणा, कृष्ण कुमार बरवाल, प्रताप चौहान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जिम के उद्घाटन पर सकलानी ने कहा कि वर्तमान समय में जब युवा वर्ग नशे की चपेट में तेजी से फंस रहा है, ऐसे में आधुनिक जिम का खुलना क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि यह केवल व्यायामशाला नहीं, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का केंद्र बनेगा।

सकलानी ने महिलाओं से भी विशेष आग्रह किया कि वे अपनी दिनचर्या में स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और इस सुविधा का लाभ उठाएं स्वास्थ्य चेतना के साथ-साथ जोगिंद्रनगर विकास मंच की टीम ने समाज सेवा की अपनी परंपरा को भी जारी रखा। बराली गांव में टीम ने एक कैंसर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी पीड़ा को समझा और तत्काल आर्थिक सहयोग प्रदान किया। सकलानी ने आश्वासन दिया कि मंच आगे भी परिवार की हर संभव मदद करता रहेगा। इसी क्रम में रिहडु गांव में हाल ही में दुर्घटना का शिकार हुए दो बच्चों के परिवार को भी आर्थिक मदद सौंपी गई। सकलानी ने कहा कि समाज के कमजोर व जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाना ही मंच का मुख्य उद्देश्य है और यह कार्य निरंतर जारी रहेगा। स्थानीय लोगों ने सकलानी और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके इस कार्य से समाज में नई ऊर्जा का संचार होगा और युवाओं को सही दिशा मिलेगी।

कार-बिन बना एचआईवी, नशामुक्ति और स्वच्छता के संदेश का सारथी

अनंत ज्ञान, करसोग

> **राज्य एड्स कंट्रोल सोसायटी की समाज को जागरूक बनाने की अभिनव पहल**

समाज में एचआईवी नियंत्रण, नशामुक्ति और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य एड्स कंट्रोल सोसायटी ने एक अभिनव पहल की है। इसके तहत टैक्सी चालकों को कार-बिन (कार में रखने योग्य छोटे डस्टबिन) वितरित किए जा रहे हैं। कार-बिन जहां एक ओर गाड़ियों में सफर के दौरान कचरे के निपटान का काम करेंगे, वहीं एचआईवी, नशामुक्ति और स्वच्छता के संदेश के सारथी भी बनेंगे।

इस अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री द्वारा गत 12 अगस्त को किया गया था। अभियान के पहले चरण में लगभग 4 हजार कार-बिन वितरित किए गए, जबकि दूसरे चरण में लगभग 6 हजार कार-बिन बांटने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पहल से जुड़कर स्वस्थ और जागरूक समाज निर्माण में योगदान दे सकें।

एड्स कंट्रोल सोसायटी के निदेशक राजीव के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान की अवधि एक माह निर्धारित की गई है। इस अभियान के अंतर्गत लगभग 6 हजार गांवों को कवर किया जाना है। इस अभियान के दौरान ही टैक्सी चालकों को कार-बिन उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस पहल के अंतर्गत करसोग में भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगभग लगभग 40 टैक्सी चालकों को कार-बिन वितरित किए गए।

प्रतिभा | किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सुंदरनगर के 12 खिलाड़ियों ने चमकाया नाम

लिटिल स्कॉलर होम के बच्चों ने जीता गोल्ड व रजत

उमेश भारद्वाज, अनंत ज्ञान

किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ आयोजक व अन्य

> **स्कूल प्रधानचार्य ने सभी विजेता बच्चों को दी बधाई**

सुंदरनगर। उपमंडल सुंदरनगर के प्राचीन शिव मंदिर महादेव में आयोजित 7वीं जिला मंडी किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने जोरदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस प्रतियोगिता में लिटिल स्कॉलर होम सुंदरनगर के 12 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और शानदार प्रदर्शन करते हुए कई मेडल अपने नाम किए।

स्कूल की प्रधानाचार्य सुजाया ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों का यह प्रदर्शन पूरे स्कूल परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों और कराटे कोच कृष्ण लाल भूपी को विशेष बधाई दी। उन्होंने स्कूल के पदक विजेताओं की जानकारी देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में अराध्या, आहना, सियान चौधरी ने स्वर्ण, अक्षरा, रूधवी धीमान, आईशा ने रजत और सारवी, अनव, विहान, तेजस्वीन, परम मखीजा और शिवादित्य ने कांस्य पदक जीता है। प्रधानाचार्य सुजाया ने कहा कि मेडल विजेता सभी खिलाड़ी अब राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि ये बच्चे वहां भी अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित करेंगे और प्रदेश के साथ-साथ जिला मंडी का नाम भी रोशन करेंगे। वहीं कराटे कोच कृष्ण लाल भूपी ने लिटिल स्कॉलर होम के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन को लेकर कहा कि खिलाड़ियों ने कठिन मेहनत, अनुशासन और लगन से यह सफलता हासिल की है। बच्चों ने जिस तरह से प्रतियोगिता में प्रदर्शन किया, वह काबिल-ए-तारीफ है। यह जीत केवल मेडल जीतने की नहीं बल्कि आत्मविश्वास और जज्बे की जीत है। उन्होंने भरोसा जताते हुए कहा कि राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भी ये बच्चे चमक बिखेर कर अपने स्कूल के साथ परिजनों का भी नाम रोशन करेंगे।

स्ट्रीट वेंडिंग लाइसेंस-पेयजल योजनाएं पंचायतों को सौंपने पर जताई चिंता

भीम बसेड्डू, अनंत ज्ञान

> **महादेव व्यापार मंडल की आपात बैठक संपन्न**

महादेव। महादेव व्यापार मंडल कार्यसमिति की आपात बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पंचायती राज विभाग द्वारा ग्रामीण स्ट्रीट वेंडिंग लाइसेंस संबंधी निर्णय पर विस्तार से चर्चा की गई। व्यापार मंडल ने सरकार और विभाग का आभार जताते हुए कहा कि लंबे समय से प्रदेश में फेरीवालों पर नियंत्रण की मांग की जा रही थी। फेरीवालों की आड़ में घटिया सामान की बिक्री और असामाजिक तत्वों की गतिविधियां समाज के लिए खतरा बन चुकी थीं। इस संदर्भ में स्ट्रीट वेंडिंग कानून स्वागत योग्य है और पुलिस सत्यापन से सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।

बैठक में सदस्यों ने चिंता जताई कि इस कानून को लागू करने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को दी गई है, जबकि पंचायत सचिव पहले ही पूरे कार्यभार में व्यस्त रहते हैं। इसलिए कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पंचायतों में अलग से कर्मचारी की नियुक्ति आवश्यक होगी।

बैठक में दूसरा प्रस्ताव ग्रामीण पेयजल योजनाओं पर रहा। सदस्यों ने कहा कि जल शक्ति विभाग इन योजनाओं के रखरखाव में विशेषज्ञ है और उसके पास तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध हैं। ऐसे में इन्हें पंचायतों को सौंपना व्यवहारिक नहीं होगा और योजनाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आए सैनिक तलविंद्र

अनंत ज्ञान, टाहलीवाल। हिमाचल प्रदेश में आई बाढ़ और उससे हुए भारी नुकसान के लिए संतोषगढ़ के वार्ड नं. 4 से फौज में सेवाएं दे रहे सैनिक तलविंदर सिंह ने बड़ा कदम उठाते हुए अपना एक महीने का वेतन हिमाचल सरकार राहत कोष में देने की घोषणा की है। सैनिक लक्की हीरा ने अपने शहर संतोषगढ़ में भी एक संस्था को स्थापित किया है जो आज कई जरूरतमंद परिवारों की मदद कर रही है व जिला ऊना की अन्य समाजसेवी संस्थाओं के साथ जुड़े हुए हैं। लक्की हीरा ने सभी फौजी भाइयों से अपील की है कि वे इस मुश्किल घड़ी में जितना संभव हो उतना सहयोग जरूर करें। उन्होंने कहा कि आज अपने लोगों को हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है और ऐसे समय में सबको मिलकर मदद का हाथ बढ़ाना चाहिए ताकि बाढ़ पीड़ितों की परेशानियां कम हो सकें।

नारायण प्रभाकर को हरोली प्रेस क्लब की कमान

अनंत ज्ञान, टाहलीवाल। प्रेस क्लब हरोली की नई कार्यकारणी का रविवार को प्रेस क्लब टाहलीवाल भवन में गठन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रेस क्लब के मुख्य संरक्षक दिनेश गौतम ने की सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से नारायण प्रभाकर को क्लब का अध्यक्ष चुना व नवीन महें को महासचिव बनाया व प्रेस क्लब हरोली के नवनियुक्त अध्यक्ष नारायण प्रभाकर ने पद संभालते हुए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया प्रभाकर ने कहा की वह प्रेस क्लब की गरिमा में रह कर कार्य करेंगे व क्लब के विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा की प्रेस क्लब हरोली क्षेत्र में एकजुटता से काम करेगा और सभी प्रेस साथियों को साथ लेकर आगामी सामाजिक कार्य के निर्णय लिए जाएंगे प्रभाकर ने कहा की जल्द प्रेस क्लब की और से सामाजिक कार्यकम करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया की जल्द ही क्लब की नई कार्यकारिणी भी घोषित कर दी जाएगी। इस अवसर पर अश्वनी प्रभाकर, नरेश सिंघा, सुलिंद्र सिंह चोपड़ा, राजीव राणा, पंकज चोपडा उपस्थित रहे।

खेल दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम आयोजित

अनंत ज्ञान, हरोली। हरोली खंड के संत ढांगू वाले गुज्जर राजकीय महाविद्यालय बीटन में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मेजर ध्यानचंद, भारत के महान हॉकी खिलाड़ी एवं पद्मभूषण से सम्मानित खेल रत्न, को स्मरण करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुनीता गोयल ने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि 'खेल केवल शारीरिक बल ही नहीं, बल्कि मानसिक शक्ति, अनुशासन और टीम भावना का भी विकास करते हैं। युवाओं को खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।' प्रधानाचार्या के नेतृत्व में सभी अध्यापक तथा छात्र-छात्राओं ने खेल जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करने की शपथ ली। इस उत्सव में वॉलीबॉल, कैरम बोर्ड, टेबल टेनिस, बैडमिंटन तथा शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

चौकीमन्यार कॉलेज में विद्यार्थियों ने किया योग

अनंत ज्ञान, बड़ूही (ऊना)। राजकीय महाविद्यालय चौकीमन्यार में स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस-2025 बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें मुख्य आकर्षण योग शिविर रहा। योग शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों को योग विशेषज्ञों और प्राध्यापकों द्वारा सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, भुजंगासन, ताड़ासन सहित अनेक आसनों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को योग की सही विधियों से अवगत कराते हुए उन्हें नियमित अभ्यास करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के संयोजक सहायक प्रोफेसर नवीन शर्मा ने कहा कि योग हमारी आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि 'योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक सोच का भी साधन है। यह छात्रों को तनाव से मुक्ति दिलाकर उनके सर्वांगीण विकास में मदद करता है।'

अरलू स्कूल में पीटीएम की बैठक संपन्न

राजेश ठाकुर, बंगाणा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अरलू, तहसील बंगाणा, जिला ऊना में शिक्षा विभाग के आदेशानुसार अध्यापक-अभिभावक संघ की मेगा मीटिंग का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें अभिभावकों को 'अभ्यास हिमाचल' स्विफ्ट चैटबॉट एप का लॉन्चिंग लाइव प्रसारण दिखाया गया। कार्यकारी प्रधानाचार्य सुरेश कुमार ने अभिभावकों को मेगा पीटीएम के बारे विस्तृत जानकारी दी एवं शिक्षा संवाद में बच्चों से सम्बन्धित अनेक विषयों पर चर्चा की गई। समग्र शिक्षा द्वारा संचालित 'अभ्यास हिमाचल' प्रोग्राम के संदर्भ में सभी अभिभावकों को राज पाल कुटलेहड़िया द्वारा अवगत करवाया गया एवं सभी अभिभावकों के स्मार्टफोन पर 'स्विफ्ट एप' डाउन लाउड करवाने एवं उसके उपयोग की जानकारी सांझा की। कार्यक्रम के दौरान दिलबाग सिंह प्रधान स्कूल प्रबंधन सीमित एवं अन्य सदस्यों सहित शतप्रतिशत अभिभावक उपस्थित रहे। स्कूल के सभी प्रवक्ता एवं अध्यापक वर्ग का कार्य कौशल अतीव अनुकरणीय रहा।

अभिभावकों को मेघा पीटीएम की दी जानकारी

अनंत ज्ञान, जोल। शिक्षा खंड जोल के तहत राजकीय प्राथमिक विद्यालय अम्बेहड़ा में शिक्षा विभाग के आदेशानुसार अध्यापक अभिभावक संघ (पीटीएम) की मेगा मीटिंग का सफलतापूर्वक आयोजन रविवार को किया गया, जिसमें अभिभावकों को 'समर अभ्यास हिमाचल' स्विफ्ट चैटबॉट एप का लॉन्चिंग लाइव प्रसारण दिखाया गया, जिसमें राजकीय शिक्षा संघ जोल के प्रधान एवं मुख्य शिक्षक विजय पटियाल ने अभिभावकों को मेघा पीटीएम की विस्तृत जानकारी दी एवं शिक्षा संवाद में बच्चों से संबंधित अनेक विषयों पर चर्चा की गई। सभी अभिभावकों के स्मार्टफोन पर स्विफ्ट एप डाउनलोड करवाने एवं उसके उपयोग की जानकारी सांझा की। इसके उपरांत बच्चों के एफए -1 तथा एफए-2 एग्जाम के अंक अभिभावकों के साथ सांझा किए गए शिक्षा में सुधारात्मक एवं गुणवत्तापूर्ण उपायों पर विचार विमर्श किया गया। 'पहली शिक्षक मां' कार्यक्रम के अंतर्गत सभी माताओं से गतिविधियां करवाई गई, जिसमें माताओं ने खूब बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में उनका उत्साह देखने लायक था। इस मौके पर स्कूल प्रबंधन समिति की प्रधान नेहा शर्मा, अध्यापक वर्ग में राजकुमार, पिंकी रानी, प्रिया धीमान व समस्त अभिभावक उपस्थित रहे।

लंबित बकाया राशि का शीघ्र भुगतान करे सरकार : पेंशनर

अनंत ज्ञान, ऊना। पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश की बंगाणा इकाई की त्रैमासिक बैठक रविवार को स्थानीय निजी होटल में हुई। बैठक की अध्यक्षता इकाई के प्रधान अशोक कुमार ने की। शुभारंभ गीता पाठ से किया गया। इसके बाद सचिव शिव कुमार कश्यप ने सभी पेंशनरों का हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर दिवंगत पेंशनर सोहन लाल एवं रमेश भारद्वाज को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनकी स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें राज्य सरकार से जनवरी 2016 से 2022 तक की लंबित बकाया राशि का शीघ्र भुगतान करने तथा महंगाई भत्ते की लंबित किस्तों को तत्काल जारी करने की मांग प्रमुख रही। इकाई ने प्रदेश स्तर पर गठित संयुक्त संघर्ष समिति का स्वागत करते हुए उसे पूर्ण समर्थन देने का संकल्प लिया। साथ ही समिति के पदाधिकारी बने सुदेश ठाकुर को विशेष बधाई दी गई। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरनाम राणा खराब मौसम के कारण बैठक में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने वर्चुअल माध्यम से सभी सदस्यों को संबोधित किया। बैठक में अशोक कुमार, शिव कुमार, मदन लाल, भगवान दास, बलवीर, रामपाल, राज कुमार, रणजीत सिंह, जगदीश, बलवंत सिंह, किशन दत्त, शादीलाल, चैन सिंह, किशोरी लाल, राजेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

बारिश से जनता बेहाल, कई गांवों का संपर्क टूटा

कई घरों के पास दरकी पहाड़ियां, दर्जनों रिहायशी मकानों को खतरा

अनंत ज्ञान, बंगाणा

उपमंडल बंगाणा में रविवार सुबह से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। क्षेत्र की मुख्य सड़कों और लिंक सड़कों पर लगातार मलबा गिरने से यातायात बुरी तरह बाधित हो गया है। नदी-नाले उफान पर हैं और गांवों में जगह-जगह भूस्खलन से अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है।

सरनोटी में करीब 800 मीटर लंबी पेयजल पाइपलाइन भारी बारिश की भेंट चढ़ गई है। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र के कई गांवों में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई है। जल शक्ति विभाग के कर्मचारी क्षति का आकलन करने के साथ मरम्मत कार्य में जुटे हैं, लेकिन लगातार बारिश और लहासे गिरने से दिक्कतें बढ़ रही हैं।

वहीं चपलाह गांव में 40 कनाल से अधिक भूमि खिसक गई है। इस कारण स्थानीय ग्रामीणों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं और भविष्य में भूमि उपयोग पर भी संकट खड़ा हो गया है। इसी क्षेत्र के रणजीत सिंह का मकान भी भूस्खलन की चपेट में आने के खतरे में है। परिजन असुरक्षित

माहौल में रहने को मजबूर हैं और प्रशासन से तुरंत सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास की मांग कर रहे हैं।

रायपुर के छपड़ी गांव का संपर्क मार्ग बंद हो जाने से ग्रामीणों की आवाजाही पूरी तरह ठप पड़ गई है। सड़क पर भारी मात्रा में मलबा और पत्थर गिरने से न सिर्फ वाहनों की आवाजाही थमी हुई है, बल्कि मरीजों और विद्यार्थियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव थानाखास में भी कई स्थानों पर लहासे गिरने से ग्रामीण दहशत में हैं। कई घरों के आसपास की जमीन दरक गई है, जिससे लोगों को अपने ही घरों में रहना असुरक्षित लग रहा है।

प्रशासन की लोगों से सतर्क रहने की अपील

बंगाणा प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। साथ ही, नदी-नालों के किनारे जाने से परहेज करने की सलाह दी गई है। राहत एवं बचाव दल हालात पर नजर बनाए हुए हैं और प्रभावित क्षेत्रों में तैनात कर दिए गए हैं। बारिश का यह कहर एक बार फिर साबित कर रहा है कि प्राकृतिक आपदाओं के सामने इंसान असहाय है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन कितनी तेजी से राहत और पुनर्वास कार्यों को आगे बढ़ाता है, ताकि पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

लोगों ने लगाई राहत और पुनर्वास की गुहार

ग्रामीणों ने प्रशासन से राहत और पुनर्वास की गुहार लगाई है। बंगाणा प्रशासन ने बताया कि पूर्व में हुई भारी बारिश के चलते प्रभावित हुई सड़कों को काफी मशक्कत के बाद खोला गया था, लेकिन रविवार को फिर से लगातार हो रही बारिश और लैंडस्लाइड के कारण कई सड़कें बंद हो गई हैं।

लोक निर्माण विभाग और आपदा प्रबंधन की टीमें अलर्ट मोड पर हैं। मलबा हटाने और बंद रास्तों को खोलने के लिए मशीनरी लगाई गई है, लेकिन मौसम बाधा बन रहा है।

लगातार बारिश से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बच्चों की स्कूल जाने में मुश्किलें बढ़ गई हैं, वहीं बीमार और बुजुर्गों के लिए हालात और भी चिंताजनक हो रहे हैं। दुकानदारों का कारोबार प्रभावित है और किसानों को नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

विधायक विवेक ने कुटलैहड़ में हुए नुकसान का लिया जायजा

अनंत ज्ञान, बंगाणा

नुकसान का जायजा लेते हुए विधायक विवेक शर्मा।

कुटलैहड़ क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सड़कों पर लहासे गिरने, पेयजल योजनाओं की पाइप लाइनें बह जाने और कई जगहों पर मकानों व कृषि भूमि को नुकसान पहुंचने जैसी घटनाओं ने लोगों को परेशान कर दिया है।

ऐसे संकट की घड़ी में कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा स्वयं मैदान में उतरकर जनता के बीच नजर आए। विधायक ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर मौके की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों से राहत व बचाव कार्यों की पल-पल की जानकारी ली। विधायक विवेक शर्मा का कहना है कि उनके लिए जनसेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। राजनीति को उन्होंने कभी व्यक्तिगत लाभ या सुख का साधन नहीं माना। उनका साफ कहना है कि पहले जनसेवा फिर राजनीति । यही कारण है कि वे आपदा के समय जनता के साथ खड़े दिखाई दिए।

कुटलैहड़ में भारी बारिश के बीच विधायक विवेक शर्मा कई गांवों और नुक्सानग्रस्त स्थलों पर पहुंचे। कहीं पहाड़ से गिरे लहासे मकानों को खतरे में डाल रहे थे तो कहीं किसानों की भूमि बह चुकी थी।

इस दौरान उन्होंने स्थानीय प्रशासन और विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों की रिपोर्ट जल्द तैयार की जाए और राहत कार्य में किसी तरह की देरी न हो। उनका कहना है कि सरकार और प्रशासन मिलकर सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी परिवार को अकेला महसूस न होने दिया जाए।

कुटलैहड़ के विवेक शर्मा की इस कार्यशैली को देखकर जनता ने भी राहत की सांस ली। ग्रामीणों ने कहा कि विधायक विवेक शर्मा ने न केवल मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया बल्कि हर पीड़ित परिवार को भरोसा भी दिलाया कि वे इस आपदा की घड़ी में उनके साथ खड़े हैं।

भदसाली का बाबा बोदल शाह दंगल शुरू

अनंत ज्ञान, ऊना। ऊना जिला के निकटवर्ती गांव भदसाली में बाबा बोदल शाह को समर्पित विशाल दंगल रविवार को अटूट भंडारे के बाद सोमवार से शुरू हो गया है । दंगल 1 सितंबर से 4 सितंबर तक चार दिन चलेगा।

4 सितंबर को माली होगी । जिसकी राशि 81000 रखी गई है । । दंगल प्रतिनिधियों ने बताया कि चार दिवसीय दंगल में देश विदेश के नामी पहलवान अपने जोहर दिखाएंगे । विशाल दंगल में नामी पहलवानों की कुश्तियां लड़ी जाएंगी। फाइनल मुकाबला 4 सितम्बर को होगा । माली पर विजेता व उपविजेता को आकर्षक ईनाम दिया जाएगा।

सड़क की खस्ताहालत को लेकर उपायुक्त को सौंपा शिकायत पत्र

अनंत ज्ञान, ऊना

नगर निगम के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कुठार खुर्द वासी पिछले कई महीनों से खस्ताहाल सड़क को लेकर परेशान हैं। जुलाई माह में पंचायत वासियों द्वारा अतिरिक्त उपायुक्त को पत्र सौंपा गया था। लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ हैं।

वहीं बीते दिनों हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अनुराग ठाकुर और ऊना सदर से विधायक सतपाल सिंह सत्ती द्वारा मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्या सुनकर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए थे इसके बाद भी विभाग के कानों में जू रेंगने का नाम नहीं ले रही हैं। वहीं बीच में रामपुर वैली पुल बंद हो जाने से परेशानी और अधिक बढ़ जाती हैं। पंचायत प्रधान रचना देवी , उप प्रधान चमन लाल , कमलेश कुमारी आदि ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि वे इस समस्या का समाधान जल्द कराए।

वहीं उपप्रधान चमन लाल द्वारा कहा गया कि बरसात के मौसम में मार्ग पर आवागमन बेहद मुश्किल हो गया है इससे सबसे ज्यादा परेशानी मरीज़ों को हुई हैं। ऐसे में प्रशासन के समक्ष शिकायत पत्र सौंपा गया है।

लूणखरी खड्ड में अवैध खनन करते दो ट्रैक्टर जब्त

राजेश ठाकुर, अनंत ज्ञान

बंगाणा। थाना बंगाणा पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लूणखरी खड्ड में दबिश दी। इस कार्रवाई का नेतृत्व थाना प्रभारी रोहित चौधरी ने अपनी टीम के साथ किया। पुलिस ने मौके पर अवैध खनन में लिप्त पाए गए दो ट्रैक्टर जब्त कर लिए।

थाना प्रभारी रोहित चौधरी ने बताया कि वर्तमान में बरसात का दौर चल रहा है और खड्डों में पानी का बहाव तेज रहता है। इसके बावजूद कुछ लोग ट्रैक्टरों की मदद से अवैध खनन करने का जोखिम उठा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि थाना बंगाणा पुलिस अवैध खनन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी। पुलिस की ओर से समय-समय पर ऐसे संवेदनशील इलाकों में गश्त और निगरानी की जा रही है। जब्त किए गए ट्रैक्टरों को पुलिस थाना बंगाणा लाया गया है और चालकों के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

थाना प्रभारी रोहित चौधरी ने यह भी कहा कि अवैध खनन से पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है। खड्डों और नदियों से अत्यधिक खनन करने पर भूमि कटाव बढ़ जाता है और बरसात के दिनों में बाढ़ जैसी परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं, लेकिन कुछ लोग नियमों को दरकिनार कर अपने निजी स्वार्थ के लिए प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि वे अवैध खनन जैसी गतिविधियों में शामिल न हों और यदि कहीं भी इस तरह की गतिविधि होती दिखाई दे तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें।

थाना प्रभारी रोहित चौधरी ने कहा कि यह अभियान जारी रहेगा और अवैध खनन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों ने भी पुलिस की इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में अवैध खनन पूरी तरह से बंद होगा।

'मन की बात कार्यक्रम' में लोगों को मिली योजनाओं की जानकारी : राम पॉल

अनंत ज्ञान, बड़ूही (ऊना)

उपमंडल अंब के तहत ग्राम तलबाल में रविवार को मन की बात कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। यह कार्यक्रम बूथ संख्या 44, विधानसभा क्षेत्र चिंतपूर्णी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के महामंत्री इंजीनियर राम पॉल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ पूर्व बूथ अध्यक्ष कमलजीत जी, वार्ड पंच शादी लाल सहित अन्य पदाधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मन की बात को ध्यानपूर्वक सुना और उसके बाद अपने विचार भी साझा किए। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम उन्हें सीधे केंद्र सरकार की योजनाओं व नीतियों से जोड़ते हैं और जागरूकता बढ़ाते हैं।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के महामंत्री इंजीनियर राम पॉल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं बल्कि जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य करता है। इस मंच के माध्यम से देश की जनता को न केवल सरकार की योजनाओं की जानकारी मिलती है, बल्कि समाज को जोड़ने और सकारात्मक सोच जगाने का भी अवसर मिलता है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कार्यक्रम लोगों में जागरूकता बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं।भाजपा की सरकार हर वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है और मन की बात जैसे कार्यक्रम विकास यात्रा से जोड़ने का काम कर रहे हैं।

जिला गवर्नर रोटेरियन रोहित ओबेरॉय का ऊना दौरा

अनंत ज्ञान, ऊना

रोटरी इंटरनेशनल जिला 3070 के जिला गवर्नर रोटेरियन रोहित ओबेरॉय ने आज अपने आधिकारिक दौरे के दौरान रोटरी क्लब ऊना का भ्रमण किया। इस अवसर पर उनके साथ जिला सचिव रोटेरियन एचएस जोगी मौजूद रहे।

जिला गवर्नर ने सबसे पहले आरसीसी ईसपुर का दौरा किया, जहां उन्होंने बैठक की अध्यक्षता की और स्थानीय परियोजनाओं की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने हिमकेप्स लॉ एंड नर्सिंग कॉलेज, बढ़ेड़ा का दौरा किया और वहां रोटरी की गतिविधियों का निरीक्षण किया। रोटरी क्लब ऊना द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सामुदायिक विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्थान हेतु

रोटेरियन रोहित ओबेरॉय का स्वागत करते रोटरी क्लब के सदस्य।

चल रही गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई और भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा हुई। अपने दौरे के दौरान रोटेरियन रोहित ओबेरॉय ने हिम एन्क्लेव सोसायटी, लालसिंगी स्थित रोटरी पार्क का भी भ्रमण किया तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक पौधा रोपित किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने ऊना स्थित नवीनीकृत रोटरी चौक का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर हिमकैप्स सोसायटी के चेयरमैन विक्रम जीत सिंह, रोटरी क्लब ऊना के अध्यक्ष रोटेरियन यशपाल ठाकुर, सचिव रोटेरियन रंजीत जसवाल, रोटेरियन सुरिंद्र ठाकुर, रोटेरियन संजीव अग्निहोत्री, रोटेरियन ओंकार नाथ कसाना, रोटेरियन कृष्ण ठाकुर, रोटेरियन मोनिका सिंह, रोटेरियन जतिंद्र कंवर, रोटेरियन एचएनचीटू, रोटेरियन बलदेव चंद, कुलदीप पाठक, सरवन कुमार खट्टा, हरमेश सिंह, कश्मीरी लाल धीमान और अन्य सक्रिय सदस्य भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

चिंतपूर्णी दरबार में जागरण के साथ भंडारे का शुभारंभ

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। माता वैष्णों देवी क्लब जगराओं की ओर से शनिवार को नया बस स्टैंड चिंतपूर्णी दरबार में विशाल भंडारा एवं जागरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में ज्योती आगमन शाम 6 बजे हुआ। जबकि जागरण का शुभारंभ शाम 7.30 बजे रिबन काटकर और मां को छप्पन भोग लगाने से हुआ।

इस अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान सुप्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मितल द्वारा माता चिंतपूर्णी के भजनों से पूरा पंडाल गूंज उठा और चारों ओर माहौल भक्तिमय हो गया।

उनके साथ पंजाब के मोगा से शक्ति दुर्गा भजन मंडली मेंहदी म्युजिकल ग्रुप वालों ने भी पूरा योगदान दिया। वहीं लुधियाना से संजीव कुमार ने भी अपनी आवाज से भक्तों को आस्था के सूत्र में बांधा। जिस पर भक्तों को नाचने पर भी मजबूर कर दिया । जागरण में भक्तों ने रातभर माता के खूब जयकारे लगाए और कार्यक्रम को सफल बनाया।

बेहड़ जसवां के सिद्धचानो मंदिर में चढ़ाई चूरी

अनंत ज्ञान, बड़ूही (ऊना)

उपमंडल अंब की पंचायत बेहड़ जसवां स्थित सिद्धचानो मंदिर में रविवार को आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालु अपने घरों से देसी घी की चूरी लेकर मंदिर पहुंचे और देवी-देवताओं के चरणों में अर्पित की।

हर वर्ष की तरह इस बार भी मंदिर परिसर में पारंपरिक दंगल का आयोजन किया गया। पूजा-अर्चना के उपरांत मंदिर के पुजारी ने विधिवत पूजा कर दंगल का शुभारंभ किया। दंगल के साथ-साथ मंदिर समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और भंडारे की व्यवस्था भी की गई। लोगों ने बताया कि यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और हर साल श्रद्धालु यहां धार्मिक अनुष्ठान के साथ मेले का आनंद लेते हैं।

आरोप विधायक विवेक शर्मा का जयराम ठाकुर पर तीखा प्रहार, कहा–

शीशे के घरों में रहने वाले दूसरों पर पत्थर नहीं फैंकते

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर पर करारा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर लगातार प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर आरोप लगाने में व्यस्त रहते हैं, जबकि उनकी अपनी कार्यशैली पर भी सवाल उठते रहे हैं।

विवेक शर्मा ने कहा कि जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री पर यह आरोप लगाया कि वह विधानसभा सत्र छोड़कर बिहार चले गए, लेकिन सच्चाई यह है कि स्वयं जयराम ठाकुर ने ऊना मुख्यालय में भाजपा की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की थी, जहां उनके साथ भाजपा के सभी विधायक मौजूद थे। विवेक शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू को जब मणिमहेश में आपदा की सूचना मिली तो उन्होंने तुरंत अपने सभी कार्यक्रम बीच में ही छोड़ दिए और सीधे भरमौर मणिमहेश पहुंचे। वहां उन्होंने आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर हालात का जायजा लिया। यह उनकी संवेदनशीलता और जनता के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

विधायक विवेक शर्मा ने सवाल उठाया कि जब ऊना में भाजपा की कार्यशाला चल रही थी, उसी दौरान ऊना से मात्र तीन किलोमीटर की दूरी पर आबादा बराना में एक सरकारी स्कूल की दीवार गिर गई थी। इस घटना में बच्चे और शिक्षक बाल-बाल बचे, लेकिन विपक्ष नेता जयराम ठाकुर या उनके किसी साथी विधायक ने वहां जाकर स्थिति की जानकारी लेना तक जरूरी नहीं समझा। यह विपक्ष की संवेदनहीनता को उजागर करता है। विवेक शर्मा ने कहा कि जयराम ठाकुर को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के हर कदम पर टिप्पणी करना अब आदत बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जयराम को सुक्खू फोबिया हो गया है, जिसके चलते वे मुख्यमंत्री सुक्खू के हर कार्य में कमियां निकालने का प्रयास करते हैं। चाहे मुख्यमंत्री जनता से जुड़ा कोई निर्णय लें या आपदा प्रबंधन से संबंधित कदम, जयराम उसमें भी सवाल उठाना नहीं भूलते। उन्हेंने कहा कि शीशे के घरों में रहने वाले दूसरों पर पत्थर नहीं फैंकते हैं।

विपक्ष को निभानी चाहिए रचनात्मक भूमिका

विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि विपक्ष को रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए और जनता से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक सुझाव देने चाहिए, लेकिन जयराम ठाकुर का सारा ध्यान केवल मुख्यमंत्री की आलोचना करने पर केंद्रित है। इससे न तो प्रदेश का भला होता है और न ही जनता की समस्याओं का समाधान। विवेक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हर आपदा और हर संकट की घड़ी में जनता के बीच खड़े रहे हैं और भविष्य में भी रहेंगे। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि बेवजह की राजनीति छोड़कर प्रदेश के विकास और आपदा प्रबंधन जैसे गंभीर विषयों पर सहयोग करें।

आपदा के दौर बीतने के बाद मुख्यमंत्री से मिलेगा लेक्चरर संघ

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा

लेक्चरर संघ के प्रांतीय मीडिया सचिव राजन शर्मा ने कहा कि आपदा की स्थिति में लेक्चरर संघ हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ है प्रदेश में स्थिति जिस समय सामान्य होगी उसके बाद ही हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर संघ अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से भेंट करेगा।

हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर संघ ने लेक्चररों की लंबित पड़ी मांगों जिसमें स्कूल प्रिंसिपल के खाली पदों को भरने, कर्मचारियों को 1 जनवरी 2023 से 4 प्रतिश डीए , कर्मचारियों के लंबित पड़े मेडिकल बिलों का भुगतान करने एवं लंबित पड़ी मांगों को पूरा करने का भी सरकार से आग्रह किया है लेक्चरर संघ के प्रदेश मुख्य मीडिया राजन शर्मा ने बताया कि नवनिर्वाचित प्रधान अजय नेगी, महासचिव इंद्रसिंह ठाकुर, मुख्य संरक्षक लोकेंद्र नेगी, अध्यक्ष सुरेंद्र पुंडीर वर्किंग प्रेसिडेंट दीप सिंह खन्ना , चीफ मेंडर राजेश सैनी के नेतृत्व में लंबित पड़ी मांगों का एक चार्टर तैयार किया गया और अब दोबारा शीघ्र सरकार एवं संबंधित अधिकारियों को इससे अवगत करवाया ।

प्रदेश के सैकड़ों स्कूलों में प्रिंसिपल के खाली पड़े पद, एरियर भुगतान अनेकों महत्वपूर्ण मांगें हैं जिनको सशक्त रूप से उठाया जाएगा और सरकार को इन मांगों से अवगत कराया जाएगा। वहीं लेक्चरर संघ के प्रदेश मुख्य मीडिया सचिव राजन शर्मा, उपाध्यक्ष विकास रतन, पूर्व प्रधान वरिष्ठ नेता देवेंद्र सिंह बेली, पूर्व महासचिव प्रदेश कार्यकारिणी के राजीव कौशल, मुकेश सलारिया ने बताया कि लेक्चरर संघ का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री शिक्षा सचिव शिक्षा निदेशक से भी अपनी मांगों को लेकर शीघ्र भेंट करेगा।

न्यूज ब्रीफ

फसलों और सब्जियों के परिवहन में समस्या आने पर करें संपर्क

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। उपायुक्त लाहौल-स्पीति एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष किरण भड़ाना ने जानकारी दी है कि यदि जिले के किसी भी किसान को अपनी नगदी फसलों व सब्जियों को मंडियों अथवा निर्धारित बाजारों तक ले जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तो वे तुरंत जिला आपातकालीन प्रबंधन केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस संदर्भ में कोई भी किसान जिला परिचालन केंद्र के टेलीफोन नंबर 9459461355 या 1077 पर संपर्क कर सकता है। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि किसानों को परिवहन संबंधी किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े ताकि उनकी नगदी फसलें और सब्जियां समय पर बाजार तक पहुंच सकें और उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल सके।

रिछुबनाए में भूस्खलन से 800 सेब के पौधे नष्ट

जितेंद्र गुप्ता, अनंत ज्ञान, आनी। निरमंड उपमंडल की ग्राम पंचायत चायल के रिछुबनाए में बीती रात हुए भारी भूस्खलन ने बागवानों को गहरा नुकसान पहुंचाया है। जीवालोटी नामक स्थान पर हुए इस भूस्खलन से करीब 800 से अधिक सेब के फलदार पौधे जमींदोज हो गए, जबकि सैकड़ों बीघा उपजाऊ भूमि भी पूरी तरह नष्ट हो गई। बागवान टैहलू राम, खूब राम व बुध राम ने बताया कि प्रभावित किसानों में दोगरी निवासी खूब राम के लगभग 100 पौधे, सेस राम के 100, दुगलू देवी के 80, प्रकाश चंद के 25, लोभू राम के 20, साध राम 50, टैहलू राम 50, बुध राम 50, जय सिंह के 200, डोली राम 50, तारा चंद 30, रंजना बिष्ट 70 और सुख राम के 10 पौधे पूरी तरह से नष्ट हो गए। साथ ही कई बागवानों के बगीचों में लगी एंटी हेल नेट भी मलबे की चपेट में आ गई।लगातार हो रही भारी बारिश के कारण न केवल रिछुबनाए बल्कि पूरे प्रदेश में जगह-जगह लैंडस्लाइड से जनजीवन प्रभावित हुआ है। बागीपुल-जाओं सड़क मार्ग भी भूस्खलनों की वजह से पूरी तरह अवरुद्ध है, जिससे चायल क्षेत्र की 50 हजार से अधिक सेब पेटियां फंसी हुई हैं। वहीं, जीवालोटी में बिजली के खंभे टूट जाने और तारें क्षतिग्रस्त होने से चायल और जुआगी क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है। एसडीएम निरमंड मनमोहन सिंह ने बताया कि बागीपुल-जाओं सड़क की बहाली के लिए पाइप पहुंच चुकी है।

कलैहली में 7 को होगी जूडो चैंपियनशिप

अनंत ज्ञान, भुंतर। भुंतर स्थित एलएमएस निजी स्कूल कलैहली में 7 सितंबर को जिला स्तरीय जूडो चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा हैं। इस प्रतियोगिता में जिला भर के प्रतिभागी भाग लेंगे और खूब दम खम दिखाएंगे। हर वर्ष की भांति इस बार भी जुडो संघ कुल्लू जिला स्तरीय चैंपियनशिप का आगाज धूमधाम से करने जा रहा हैं। अंतरराष्ट्रीय रेफरी एवं जुडो संघ जिला कुल्लू के प्रधान रणवीर ठाकुर, चेयरमैन करतार सिंह गुलेरिया, वाइस चेयरमैन रमेश रजनो, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यपाल ठाकुर, ट्रेजरार मेहर चंद, मीडिया प्रभारी मेघ सिंह कश्यप, हीरा लाल ठाकुर, मुख्य सलाहकार रितिन पठानिया, सदस्य सुरेश नेगी, गौरव पटियाल, मन्नत सोहल व किरण नेगी आदि ने बताया कि इस बार की जुडो प्रतियोगिता में मिनी जूनियर की ट्रॉफी भी रखी गई है। मिनी जूनियर में 1/2/3 पोजीशन वालो को भी उत्कृष्ट ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। इस बार मिनी सब-जूनियर, सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर, सीनियर लड़के व लड़कियां के मुकाबले होंगे। जिसमें विजेताओं को इस बार 10 ट्राफी देकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं जुडो संघ जिला कुल्लू ने फैसला लिया हैं की इस बार नेशनल खेलने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस फैसले से नेशनल खिलाड़ियों का भी हौसला बढ़ेगा। स्कूल कलैहली में होने वाली इस जुडो चैंपियनशिप के लिए अभीतक 19 क्लब, अकादमी और स्कूलों की एंट्री आ चुकी है।

'एक पेड़ मां के नाम' के तहत किया पौधरोपण

अनंत ज्ञान, आनी। पीएम श्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला आनी के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) तथा ईको क्लब के स्वयंसेवियों ने रविवार को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान एवं ईको क्लब फॉर मिशन लाइफ के सौजन्य से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पंचायत घर आनी की परिधि में पौधरोपण किया।इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत स्वयंसेवियों द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण रैली निकालकर की गई। रैली के उपरांत वन विभाग आनी से वन रक्षक रीना ठाकुर ने सभी स्वयंसेवियों को पौधरोपण के महत्व, गड्ढे की खुदाई और पौधों की देखरेख के बारे में विस्तार से जानकारी दी।इसके पश्चात वन विभाग और स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से स्वयंसेवियों ने पंचायत भवन परिसर में देवदार, शेगल, खुमानी आदि के 100 से अधिक पौधे रोपे।पंचायत प्रधान लाल सिंह ने विद्यालय प्रशासन व वन विभाग का इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों से पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनकर उसकी रक्षा करने का आह्वान किया। वहीं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रवक्ता कुंदन शर्मा ने सहयोग के लिए वन विभाग और पंचायत का धन्यवाद करते हुए स्वयंसेवियों से अपील की कि वे अपनी माता के नाम पर लगाए गए पौधों की पूरी जिम्मेदारी से देखरेख करें।

जलशक्ति विभाग के साथ सहयोग कर जल आपूर्ति की बहाल

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। जिला कुल्लू के मंडलगढ़ पंचायत के अंतर्गत डोभी शिम गांव में भारी बारिश के कारण जल आपूर्ति दो दिनों से बाधित हो गई थी। लोग दूसरी जगह से पानी लाने को मजबूर हो गए थे। शिम गांव में रोड की खस्ता हालत देख कर टैंकर द्वारा भी घर द्वार पानी पहुंचना असंभव था, दो दिन लगातार कड़ी मशक्कत के बाद डोभी, शिम के नौजवान लड़कों ने मिल कर जल शक्ति विभाग का सहयोग किया। फोजल नाला में भारी बाढ़ आने के कारण पूरी पाइप लाइन ध्वस्त हो गई थी। पुरानी पाइपों को बाढ़ ने अपनी चपेट में ले लिया था। इस मौके पर मौजूद सहायक अभियंता जल शक्ति विभाग योगेश ठाकुर ने बताया कि लगभग छह सौ मीटर का स्ट्रेच पर जल शक्ति विभाग को पाइपों का नुकसान हुआ है, जिसमें लगभग तीस नई पाइप और कुछ पुरानी पाइपों को जोड़ा गया। शनिवार देर रात शिम, डोभी, डोहलू नाला तक हजारों लोगों की आबादी वाले क्षेत्र में घर घर पानी मुहैया हो गया है। इस कार्य के दौरान सहायक अभियंता जल शक्ति विभाग योगेश ठाकुर खुद मौके पर मौजूद रहे। इस सराहनीय कार्य के लिए स्थानीय लोगों ने जल शक्ति विभाग का धन्यवाद प्रकट किया।

बारिश-बाढ़ से लाहौल घाटी में फंसी नकदी फसलें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। लाहौल घाटी में लगातार हो रही बारिश और बाढ़ के कारण किसान भारी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। सड़कों के पूरी तरह नहीं खिलने से नगदी फसलें समय पर मंडियों तक नहीं पहुंच पा रही हैं जिससे किसानों को भारी नुकसान का डर सता रहा है। इसको लेकर रविवार को घाटी के कई किसान केलांग में स्थानीय विधायक अनुराधा राणा से मिले और समस्या से अवगत कराया। किसानों ने विशेष रूप से मनाली के समीप वशिष्ठ चौक में सड़क को जल्द से जल्द दुरुस्त करने की मांग रखी। इस पर विधायक अनुराधा राणा ने उसी समय सीमा सड़क संगठन के अधिकारियों से फोन पर बात की और समस्या का समाधान शीघ्र निकालने को कहा। विधायक अनुराधा ने कहा कि सरकार और प्रशासन किसानों की फसलें मंडियों तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। ओल्ड मनाली सड़क को वन-वे ट्रैफिक के रूप में इस्तेमाल करते हुए सब्जियों से भरी गाड़ियों को प्राथमिकता देने के निर्देश मनाली प्रशासन को दिए गए हैं। गाड़ियों की उपलब्धता में कमी को देखते हुए कृषि विभाग के सचिव और उपायुक्त लाहौल-स्पीति को निर्देशित किया गया है कि वह व्यापारियों, आढ़तियों और किसानों के साथ समन्वय स्थापित कर समाधान निकालें। वहीं कोकसर के समीप फमल नाले को जल्द बड़े वाहनों के लिए दुरुस्त करने और धुंधी मार्ग को शीघ्र बहाल करने के निर्देश बीआरओ को दिए गए हैं ताकि परिवहन व्यवस्था सुचारु रूप से चालू हो सके।

मनालसु नाले में आई बाढ़ से पानी का संकट

अनंत ज्ञान, मनाली। मनाली शहर के मुख्य पेयजल स्रोत मनालसु नाले में आई भयंकर बाढ़ के कारण शहर एक सप्ताह से पानी को तरस रहा है। बाढ़ के कारण मनाली शहर को पानी देने वाली पेयजल योजना बुरी तरह से ध्वस्त हो गई है। जलशक्ति विभाग पेयजल आपूर्ति बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर जुटा हुआ है लेकिन शहर में पानी की आपूर्ति अभी तक बहाल नहीं हुई है। लोग पानी के लिए भटक रहे हैं। शहर में विभाग ने महज एक ही टैंकर बनाया है जिस कारण व्यवस्था नहीं बन पाई। ऐसे में प्राकृतिक जल स्त्रोत, और निजी बोरवेल लोगों की प्यास बुझा रहे हैं। संकट की इस घड़ी में मिशन अस्पताल व गुरुद्वारा कमेटी सहित निजी बोरवेल लोगों का सहारा बने हुए है। मिशन अस्पताल प्रबंधन व गुरुद्वारा कमेटी लोगों को 24 घंटे पानी देने का सराहनीय प्रयास कर रहे है। नगर परिषद के अध्यक्ष मनोज लारजे ने शहर के सभी सात वार्डों में बोरवेल वाले निजी होटल संचालकों से आग्रह किया है कि वे लोगों की जितना हो सके मदद करें। जलशक्ति विभाग के सहायक अभियंता दीक्षांत शर्मा ने बताया कि पेयजल योजना को बहाल करने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। शहर से सटे कुछ ग्रामीण इलाकों में सप्लाई शुरू कर दी है। शहर में भी एक दो दिन के भीतर सप्लाई शुरू करने का लक्ष्य रखा है।

घर न गिरे, न बचे, बेघर हुए बागन के बाशिंदे

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

अनंत ज्ञान स्पैशल

कुल्लू। जिस गांव में कभी चारों ओर बच्चों की किलकारियां, हर घर की रसोई से खाने की खुशबू, आंगन में महिलाओं व बुजुर्गों की आवाजें गूंजती थी, खेत खलियान में फसलें होती थी आज उस गांव के कुछ घरों में सन्नाटा पसरा है। अब वह 'घर' नहीं बल्कि टूटी इमारतें ही रह गई हैं। घर बेशक अभी तक अपनी जगह ही खड़े हैं लेकिन आश्रय लायक नहीं बचे हैं और गांव के कुछ लोग बेघर हो गए हैं।

जिला कुल्लू के बागन गांव की जोकि पूरी तरह से भूस्खलन की चपेट में आ गया है और आलम यह है कि यहां पर कुल 110 घरों में से 22 घरों को भूस्खलन के कारण नुकसान हुआ है, जिनमें 5 घर पूरी तरह से डैमेज हैं जबकि बाकी घरों को भी खतरा है। गांव के घरों में दरारें आ गई हैं, जिनमें से अधिकतर घर टूटकर बिखरे भी नहीं हैं लेकिन रहने लायक भी नहीं बचे हैं। 22 घरों में से अधिकतर घर अपनी जगह पर खड़े हैं लेकिन घरों की दीवारें, दरवाजे, खिड़कियां टूट गई हैं। भूस्खलन ने इन घरों की नींव को पूरी तरह से हिला दिया है। गांव में आई इस मुसीबत से न घर रहने लायक बचे हैं, न जमीन और न बगीचे सुरक्षित हैं।

- बागन गांव में आंखों के सामने उजड़े आशियाने
- 110 घरों में 22 को हुआ नुकसान, 5 डैमेज

घरों में बस लोगों की यादें रह गई

खौफजदा करीब प्रभावित परिवार अब अपने घरों को छोड़कर स्कूल भवन व रिश्तेदारों की शरण लेने को मजबूर हैं। लिहाजा, लोगों द्वारा खून पसीने की कमाई से बनाए इन घरों में बस लोगों की यादें रह गई हैं बाकी सब खत्म हो गया है। गांव के कुछ घर पूरी तरह टूट कर मिट्टी हो गए हैं जबकि बाकी खड़े तो हैं पर हैं न हैं एक बराबर हैं और शेष बचे घरों पर भी दिन रात खतरा मंडरा रहा है। वहीं, लोगों की जमीनें, खेत खलियान भी भूस्खलन की चपेट में आ गए हैं।

नाले का तटीकरण व सड़क में निकासी नालियों की हो व्यवस्था

गांव के नीचे बढ़ई नाला बहता है। जिस कारण भूमि कटाव लगातार जारी है। यदि समय रहते नाले का तटीकरण होता है तो गांव को बचाया जा सकता है। वहीं, लोगों के अनुसार गांव के ऊपर बनी सड़क में ड्रेनेज की उचित व्यवस्था नहीं है। बारिश के दौरान सड़क का पानी नीचे की ओर रिसने से भी भूस्खलन हुआ है। लोगों के अनुसार घरों में दरारें आने का कारण नाले के जलस्तर से भूमि कटाव होना व सड़क में ड्रेनेज की सही व्यवस्था न होना है, जिससे उनके पूरे गांव पर आज खतरा मंडरा रहा है।

पीठ पर उठाकर गांव तक पहुंचा रहे सामान

ग्रामीणों ने सरकार व प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क को बहाल किया जाए ताकि सेब सहित अन्य उत्पादों को समय रहते मंडियों तक पहुंचाया जा सके। सड़क अवरुद्ध होने के कारण मजबूरन ग्रामीण सेब के बॉक्स और अपनी जरूरत का सामान करीब अढ़ाई किलोमीटर उबड़-खाबड़ रास्ते में पैदल सफर कर पीठ पर उठाकर सड़क व गांव तक पहुंचा रहे हैं लेकिन रास्ता खराब होने से और रास्ते में जगह जगह मलबा व पत्थर और नाले का जलस्तर बढ़ने से खतरा सताता रहता है।

शिलानाल पंचायत में 35 घरों को हुआ नुकसान

शिलानाल पंचायत के प्रधान वीर सिंह का कहना है कि पंचायत के करीब 35 घरों को भूस्खलन से नुकसान हुआ है जबकि बागन के करीब 22 घरों को जिनमें 5 घर पूरी तरह से डैमेज हुए हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को 19 परिवारों को प्रशासन की ओर से राशन वितरित किया गया है जबकि रहने के लिए टेंट भी बांटे हैं इसके अलावा 4 प्रभावित परिवारों को 15-15 हजार रुपए भी फौरी राहत के तौर पर दिए गए हैं।

ग्रामीणों ने कहा-गांव में ज्यादा घरों को हुआ है नुकसान

उधर, बागन गांव के लोगों का कहना है कि गांव के ज्यादा घरों को नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि प्रधान ने अभी तक पूरे गांव का निरीक्षण तक नहीं किया है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि गांव का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया जाए।

भूस्खलन के दौरान एनसीसी कैडेटों ने बचाई लोगों की जान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

एचपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी के कैडेट्स ने लाहौल जिले के कोकसर में हुए विनाशकारी भूस्खलन के दौरान लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एनसीसी कैडेट ने इस दौरान एक साहसिक बचाव अभियान चलाया। मूसलाधार बारिश और गिरते मलबे के बीच, पांच कैडेट - एलएफसी अतुल कौशल, एलएफसी रोहित, कैडेट नरेश, कैडेट पंकज और कैडेट काव्यांश फंसे हुए लोगों और पर्यटकों की सहायता के लिए आगे बढ़े।

एक खतरनाक, भीड़भाड़ वाले पुल को पार करते हुए, उन्होंने बुजुर्ग महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, जिसके लिए स्थानीय लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने उनके इस कार्य की सराहना की है। कैडेट भारतीय सेना द्वारा आयोजित सूर्य स्पीति मैराथन और सूर्य द्रोणाचार्य दौड़ से लौट रहे थे, जब सड़क अवरोधों के कारण उन्हें कोकसर ट्रांजिट कैंप और सीपीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में रुकना पड़ा। भूस्खलन के दौरान उनकी त्वरित और निस्वार्थ प्रतिक्रिया ने न केवल त्रासदी को टाला, बल्कि एनसीसी के अनुशासन, प्रशिक्षण और सेवा भाव को भी दर्शाया।

इस अभियान में, 11 महिला कैडेट सहित 28 सदस्यीय दल के साथ जीसीआई पूजा, सार्जेंट मंदीप, कॉर्पोरल साहिल और हिमाचल होमगार्ड के गुलशन भी थे।

कैडेट शिवांगी ठाकुर ने महिलाओं की 10 किलोमीटर श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त करके स्क्वाड्रन का गौरव बढ़ाया और उन्हें 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार मिला। कैडेट जितेंद्र कुमार ने समग्र प्रभारी के रूप में कार्य किया और पूरी यात्रा के दौरान निर्बाध समन्वय और अनुशासन सुनिश्चित किया।

मौसम बना बाधा, सीएम सुक्खू का मनाली दौरा रद्द

अनंत ज्ञान, मनाली। आपदा प्रभावित कुल्लू जिला में हालातों का जायजा लेने आ रहे मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू इस बार भी नहीं पहुंच सके। रविवार को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का मनाली दौरा प्रस्तावित था लेकिन सुबह से ही हो रही बारिश के कारण मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाया। जिस कारण दौरा रद्द करना पड़ा। इससे पूर्व जब जिला के सैंज में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ था उस समय भी मुख्यमंत्री सैंज दौरे पर आ रहे थे लेकिन मौसम ने साथ नहीं दिया और वह दौरा रद्द हो गया था, जिसके बाद मुख्यमंत्री रविवार को मनाली के बाढ़ ग्रस्त इलाकों का दौरा करना था और राहत कार्यों का भी निरीक्षण करना था पर मौसम खराब होने के कारण हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका।

स्थानीय विधायक भुवनेश्वर गोड़ ने बताया कि सुबह से ही लगातार बारिश के कारण मुख्यमंत्री का दौरा रद्द हो गया है और जैसे ही मौसम साफ होगा तो उन का मनाली दौरा तय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह स्वयं लगातार बाढ़ ग्रस्त इलाकों का दौरा कर रहे हैं और प्रभावित लोगों से मिल रहे हैं। मनाली विधानसभा क्षेत्र में बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है और इस का आंकलन भी किया जा रहा है। मनाली कुल्लू वाम तट मार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया है और नेशनल हाईवे पर भी कार्य चल रहा है। वाम तट मार्ग खुल जाने से किसान बागवान अब सेब को मंडी तक पहुंचा सकेंगे जल्द ही गैस दूध और सब्जी की आपूर्ति होगी।

पीएम का आत्मनिर्भर भारत का संदेश एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम : अखिलेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

पीएम मन की बात कार्यक्रम को सुनते भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वपूर्ण संदेश मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं और जनता ने एक साथ सुना। इसी कड़ी में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश कपूर ने रविवार को मनाली विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या -81 पर बूथ कमेटी व कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम सुना। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के संदेश को एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम बताया।

अखिलेश कपूर ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी पूरा होगा जब हर नागरिक स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देगा। उन्होंने पीएम मोदी के शब्दों को दोहराते हुए कहा, 'जब हम स्वदेशी वस्तुओं को अपनाते हैं, तो हम सिर्फ सामान नहीं खरीदते, बल्कि देश के कारीगरों, किसानों और उद्यमियों की मेहनत को सम्मान देते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने विशेष रूप से युवाओं को प्रेरित करते हुए बताया कि आधुनिकता और प्रगति का रास्ता स्वदेशी उत्पादों के उपयोग से होकर ही गुजरता है।

उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थिति में प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्ट अप इंडिया' अभियान को आगे बढ़ाना एक बहुत ही दूरदर्शी कदम है। अखिलेश कपूर ने स्वदेशी अपनाने के कई लाभ गिनाए, जिनमें रोजगार सृजन, आर्थिक आत्मनिर्भरता, भारतीय संस्कृति और पहचान की सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती शामिल हैं।

सड़कों की बहाली बनी चुनौती, मौसम बना बाधा

एम बोकटापा, अनंत ज्ञान

मनाली। जिला कुल्लू के मनाली ब्यास, मनालसु सहित विभिन्न नदी नालों ने तबाही लाई अब इससे पार पाना बड़ी चुनौती बन गया है। सड़कों की बहाली सबसे बड़ी चुनौती बन गई है, वहीं बार-बार मौसम बदलने और बारिश होने से दिक्कतें और बढ़ रही हैं। खैर, इस चुनौती से पार पाने के लिए भी राज्य और केंद्र सरकार के विभागों ने ताकत झोंक दी है। कुल्लू से लेकर लाहौल तक पहाड़ों और नदियों से युद्ध लड़ा जा रहा है।

एनएचएआई, बीआरओ, लोक निर्माण विभाग ने अपनी मशीनरी लगा दी है। एनएचएआई ने कुल्लू से मनाली तक सभी स्थानों पर कार्य शुरू कर दिया है। इसके लिए 15 जेसीबी, 15 डंपर, और एक गार्डर लगाए गए है। शिरढ़ बिहाल, टोलप्लाजा डोभी, 14 मील, आलू ग्राउंड, पतलीकुहल सब्जी मंडी में युद्ध स्तर पर सड़क बहाली का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के लिए एनएचएआई को बीच नदी में जाकर खुदाई कर पहले नदी का रुख मोड़ना पड़ रहा है। उसके बाद बही सड़क के हिस्से को मलबा भरकर समतल किया जा रहा है। मनाली लेह मार्ग पर बीआरओ की मशीनरी और कामगार दिन-रात कार्य में जुटे है। वशिष्ट चौक में बहे बड़े हिस्से को बहाल करने के लिए शुक्रवार को बड़ी मशीनी के साथ मजदूर जुटे रहे।

मनाली में बीआरओ के कर्मचारी युद्धस्तर पर कार्य में जुटे हुए

- राज्य और केंद्र सरकार के विभागों ने झोंकी ताकत
- यातायात धीमा होने के कारण मशीनरी पहुंचने में लग रहा वक्त

अलेउ में लोक निर्माण विभाग के लिए सड़क बहाल करना सबसे बड़ी चुनौती है। यहां लगभग 40 मीटर हिस्सा पूरी तरह से धंस गया है। लगभग 100 फुट ऊंची पहाड़ी से होकर सड़क निकालने के लिए दो जेसीबी लगाई गई है। यह मार्ग बहाल हुआ तो मनाली कुल्लू से जुड़ जाएगी। जिसके बाद मनाली से सेब देश की मंडियों तक पहुंच सकेगा। साथ ही जरूरी वस्तुएं जैसे रसोई गैस, सब्जी, दूध, दिन आदि मनाली आ सकेगी। खास यह है कि प्रशासन खुद सड़क बहाली के कार्य की मॉनिटरिंग कर रहा है। एसडीएम रमण कुमार शर्मा ने कहा कि सड़क बहाली के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है।

एनएचएआई के रेजिडेंट इंजीनियर अशोक चौहान ने बताया कि कुल्लू से मनाली तक पांच स्थानो पर कार्य तेजी से हो रहा है। 23 एक्सेवाटर, 25 डंपर, छह जेसीबी अतिरिक्त मंगवाई गई है। मंडी से कुल्लू तक यातायात बहुत धीमा होने के कारण मशीनरी पहुंचने में वक्त लग रहा है।

हेलिकॉप्टर के माध्यम से एयर ड्रॉप किए जाएंगे जेसीबी व डंपर

अनंत ज्ञान, मनाली

बरसात के कारण मनाली सहित कुल्लू जिला में इस बार भारी नुकसान हुआ है। ऐसे में जगह जगह से नेशनल हाईवे को नुकसान हुआ है। कुल्लू से मनाली तक बाढ़ में ध्वस्त हुए नेशनल हाईवे को यातायात के लिए बहाल करना एनएचएआई के लिए चुनौती बन गया है। कई जगह ऐसी हैं जहां पर कार्य करने के लिए मशीनरियां पहुंचना चुनौती बन गया है।

ऐसे स्थानों पर हेलीकाप्टर के माध्यम से जेसीबी व डंपर एयर ड्रॉप किए जाएंगे। रविवार को एनएचएआई के अधिकारियों ने नेशनल हाईवे का दौरा किया और जल्द से जल्द अस्थायी सड़क बनाकर सड़क वाहन योग्य बनाने पर चर्चा की गई।

मनाली के आलू ग्राउंड में निरीक्षण के दौरान मीडिया से बातचीत में एनएचएआई के क्षेत्रीय परियोजना अधिकारी कर्नल अजय बगरोटियां ने बताया कि नेशनल हाईवे को जल्द से जल्द वाहन योग्य बनाना प्राथमिकता में है। जहां मशीनें पहुंच सकती है वहां कार्य शुरू किया गया है। जहां मशीनें नहीं पहुंच सकती वहां एयरड्रॉप कर मशीने पहुंचाई जाएगी। 17 मील और बिंदु ढांक ऐसे स्थल हैं जहां मशीनें पहुंचना मुश्किल है। यहां एयर ड्रॉपिंग पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुल्लू मनाली के बीच पिछले साल 13 स्थानों पर नुकसान हुआ था परंतु इस साल करीब 23 स्थानों पर सड़क क्षतिग्रस्त हुई है और उन सभी स्थानों को चिह्नित कर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि पक्की दीवार लगाने के लिए टेंडर कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि एनएचएआई ने कुल्लू से मनाली तक विभिन्न स्थानों पर कार्य शुरू कर दिया है। 15 जेसीबी, 15 डंपर, और एक गार्डर लगाए गए है। शिरढ बिहाल, टोल प्लाजा डोभी, 14 मील, आलू ग्राउंड, पतलीकुहल सब्जी मंडी में युद्ध स्तर पर सड़क बहाली का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान एनएचएआई के मंडी जोन के प्रभारी विनय चारी, रेजिडेंट इंजीनियर अशोक चौहान, तकनीकी प्रबंधक अशोक कुमार भी मौजूद रहे।

एनएच 3 बंद होने से सेब बागवानों की मुश्किलें बढ़ीं

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

कुल्लू-मंडी राष्ट्रीय राजमार्ग 3 के कई हिस्से बाधित हो गए हैं, जिससे बागवानों का सेब तुड़ान प्रभावित हुआ है। मुख्य राजमार्ग के अलावा गांवों को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग भी बंद पड़े हैं, जिस कारण बागवान अपने उत्पाद मंडियों तक पहुंचाने में असमर्थ हैं। बीते दो दिन मौसम ने थोड़ी राहत दी थी, लेकिन रविवार को फिर से हुई तेज बारिश ने सड़कों को फिर से नुकसान पहुंचाया और बागवानों को एक बार फिर सेब तुड़ान का काम रोकना पड़ा। बागवान बैकफुट पर आ गए हैं और अपनी उपज खेतों में ही पड़े रहने के लिए मजबूर हैं।

राजमार्ग बाधित होने और बाढ़ की मार से सेब का मूल्य लगभग 50 फीसदी तक गिर गया है। मनाली विधानसभा के विधायक भुवनेश्वर गौड़ क्षेत्र का दौरा कर सड़कों की मरम्मत का निरीक्षण कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे स्वयं भी बागवान हैं, इसलिए किसानों की परेशानियों को समझते हैं। सरकार युद्धस्तर पर सड़कों को सुचारू करने के लिए प्रयासरत है।

खतरा | शोगी प्राथमिक विद्यालय पर मंडराया सबसे बढ़ा खतरा

अभिभावक बने मजदूर, खुद उठा रहे मलबा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

लगातार हो रही भारी बारिश ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला शोगी खंड कुल्लू 1 जिला कुल्लू स्थित प्राथमिक पाठशाला को संकट में डाल दिया है। स्कूल भवन के पीछे हुए भूस्खलन से बड़े-बड़े पत्थर और भारी मलबा गिरा, जिससे भवन की एक दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। हालात इतने खराब हैं कि कमरे के भीतर पानी और मलबा भर गया और कमरा दलदल में बदल गया। भवन के सामने बने मैदान में भी गहरी दरारें पड़ गई हैं, जिससे पाठशाला भवन की नींव को खतरा पैदा हो गया है।

- विशाल चट्टान बनी सबसे बढ़ा खतरा

सबसे बड़ा खतरा भवन के पीछे स्थित विशाल चट्टान है, जो किसी भी समय खिसककर पूरे स्कूल पर गिर सकती है।

स्कूल में घुसे मलबे को हटाते हुए अभिभावक।

संकट की घड़ी में अभिभावक आगे आए

हालात की गंभीरता को देखते हुए अभिभावकों ने आपात बैठक बुलाई और तय किया कि जब तक सरकारी सहायता नहीं मिलती, वे खुद ही राहत कार्य करेंगे। इसके बाद अभिभावक पत्थरों को तोड़कर हटाने और मलबा साफ करने में जुट गए। इस कार्य में पंचायत प्रधान भी अभिभावकों के साथ हाथ बंटा रही हैं। पिछले पांच दिनों से, जब भी बारिश रुकती है, लगभग 15 से 18 अभिभावक पूरे दिन स्वेच्छा से इस कार्य में लगे रहते हैं। अभिभावकों का कहना है कि जब तक स्थायी समाधान नहीं होता, वे अपनी मेहनत और एकजुटता से स्कूल को सुरक्षित बनाएंगे।

विभाग को दी जानकारी

पाठशाला मुख्याध्यापक ने बताया कि विभाग को पूरे मामले से अवगत करा दिया गया है। शीघ्र ही एसएमसी का प्रस्ताव, पटवारी की रिपोर्ट और फोटोग्राफ सहित विभाग को सौंपा जाएगा। जिला उपनिदेशक ने दौरा करने का आश्वासन दिया है। खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी डीआर आनंद ने कहा कि स्कूल की आपदा से हुई क्षति की सूचना विभाग को भेजी गई है।

झेलनी पड़ रही दिक्कतें

गौरतलब है कि 18-19 अगस्त की भारी बारिश और बाढ़ से शोगी गांव की मुख्य वाहन योग्य सड़क टूट गई है। ऐसे में गांव तक पहुंचने के लिए बजौरा से करीब 15 किलोमीटर लंबी और तीन घंटे की खड़ी पैदल चढ़ाई करनी पड़ती है।

सोलंग गांव में बारिश के बाद भूस्खलन का कहर

अनंत ज्ञान, मनाली

मनाली का ऐतिहासिक गांव सोलंग भूस्खलन की चपेट में आ गया है। ब्यास नदी में आई भयंकर बाढ़ से सोलंग गांव के ठीक नीचे भूमि कटाव हो गया है। इस कारण लगातार भूस्खलन हो रहा है। भूस्खलन से 12 घरों को खतरा हो गया है। ग्रामीणों ने घर खाली कर दिए हैं और अपने रिश्तेदारों के यहां शरण ली है।

ग्रामीण देवी सिंह ने बताया कि गत चार दिनों से भारी भूस्खलन हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनके साथ दर्जन से अधिक घर खाली करने पड़े हैं। उन्होंने बताया कि ब्यास नदी में आई बाढ़ से गांव के नीचे भारी भूमि कटाव हुआ है।

उन्होंने कहा कि गांव में लगातार भूस्खलन हो रहा है जिससे पूरा गांव खतरे में आ गया है। उन्होंने प्रशासन व सरकार से जल्द समस्या के समाधान की गुहार लगाई है।

- 12 परिवारों ने ली रिश्तेदारों के घरों में शरण

सोलंग गांव में बढ़ा खतरा।

एसडीएम मनाली रमण कुमार शर्मा ने बताया कि प्रभावित परिवारों को तिरपाल वितरित किए हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन हालात पर नजर रखे हुए है।

न्यूज ब्रीफ

बैंकिंग सेवाओं को अपनाने का किया आह्वान

अनंत ज्ञान, सोलन। अनंत ज्ञान, सोलन। एग्रीकल्चर कोऑपरेटिव स्टाफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एसीएसटीआई), सांगटी शिमला द्वारा जोगिंद्रा केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड, सोलन के 37 शाखा प्रबंधकों हेतु एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम बैंक के नवीन कॉन्फ्रेंस हॉल, न्यू कथेड़ में संपन्न हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन बैंक के प्रबंध निदेशक पंकज सूद (एचएएस) ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में व्यवसाय प्रबंधन, आत्म-प्रबंधन एवं तनाव प्रबंधन के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित बैंकिंग सेवाओं को अपनाने का आह्वान किया। विशेषज्ञों द्वारा क्रेडिट अप्रेज़ल, डॉक्यूमेंटेशन, सहकारी अधिनियम संशोधन, राजस्व अभिलेख, एनपीए प्रबंधन, केवाईसी मानक, जोखिम निगरानी जैसे विषयों पर गहन प्रशिक्षण दिया गया। वक्ताओं में डॉ. केके रैना, अनिल शर्मा, पीके जस्सल एवं एसीएसटीआई संकाय सदस्य शामिल रहे। कार्यशाला के समापन पर बैंक अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं मानव संसाधन विकास को सशक्त बनाती हैं और बैंकिंग की बदलती चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करती हैं। शाखा प्रबंधकों ने प्रशिक्षण को अत्यंत लाभकारी बताते हुए एसीएसटीआई का आभार व्यक्त किया।

सोलन कॉलेज में व्यावसायिक विकास पर किया मंथन

अनंत ज्ञान, सोलन। राजकीय महाविद्यालय, सोलन के कॉमर्स विभाग द्वारा छात्रों में सृजनात्मकता, नवाचार एवं उद्यमशील कौशल विकसित करने के उद्देश्य से 'उद्यमशील मानसिकता एवं व्यावसायिक विचार विकास' विषय पर एक मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के प्रथम चरण के अंतर्गत छात्रों ने अपने व्यावसायिक विचारों के प्रोटोटाइप तैयार किए और आमंत्रित विशेषज्ञ डॉ. योगेश कुमार के समक्ष प्रस्तुत किए। डॉ. कुमार ने इन प्रोटोटाइप का मूल्यांकन किया तथा छात्रों को महत्वपूर्ण सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। कुल छह प्रोटोटाइप छात्रों द्वारा प्रो. वंदना गुप्ता के मार्गदर्शन में तैयार किए गए। उन्होंने विशेष रूप से यह सुझाव दिया कि छात्र अपने विचारों की आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय व्यवहार्यता पर और अधिक कार्य करें, ताकि ये परियोजनाएं व्यावहारिक रूप ले सकें। कॉमर्स विभाग की यह पहल राजकीय महाविद्यालय, सोलन की नवाचार, उद्यमशीलता एवं कौशल-आधारित शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो छात्रों को भविष्य के व्यवसाय एवं उद्यमिता जगत में अग्रणी बनने के लिए तैयार कर रही है।

राजगढ़ स्कूल एसएमसी के धर्मेंद्र वर्मा बने अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, राजगढ़। पीएम श्री गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजगढ़ में स्कूल प्रबंधन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सभी पदाधिकारी, सदस्य व अभिभावक मौजूद रहे। बैठक के दौरान विद्यालय से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई, जिनमें शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, विद्यालय में सुविधाओं का विस्तार तथा अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने जैसे विषय प्रमुख रहे। इस बैठक में सर्वसम्मति से धर्मेंद्र वर्मा को विद्यालय प्रबंधन समिति का नया अध्यक्ष चुना गया। सभी सदस्यों ने उन्हें अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में विद्यालय प्रबंधन समिति छात्रों के समग्र विकास के लिए और भी बेहतर कार्य करेगी। अध्यक्ष चुने जाने पर धर्मेंद्र वर्मा ने सभी सदस्यों का आभार जताया और कहा कि वे विद्यालय के उत्थान के लिए पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के अधिक अवसर उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने भी विद्यालय की उपलब्धियों और आने वाले समय की चुनौतियों पर अपने-अपने विचार रखे। निर्णय लिया गया कि विद्यालय को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए अभिभावकों और स्थानीय लोगों का भी सहयोग लिया जाएगा।

भारत भारती के एनएम वर्मा बने प्रदेश अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब। देश की जाति, भाषा और प्रांत और सम्प्रदाय की विसंगति से ऊपर उठकर केवल और केवल राष्ट्रीयता की भावना का मूल मंत्र लिए हुए राष्ट्रीय संगठन भारत भारती के अध्यक्ष विनय पन्नाले ने ग्रैंड रिवेरा होटल में आयोजित कार्यक्रम में एनएम वर्मा को हिमाचल का प्रदेश अध्यक्ष तथा एनपी एस नारंग को उपाध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर क्षेत्र प्रभारी भारत भारती रोशन लाल अग्रवाल जी ने अपनी वार्ता में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आंतरिक शांति सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। डॉ. राजकुमार राज उपाध्याय, भारत भारती के सह क्षेत्र प्रभारी ने राष्ट्रीय भाईचारे को बढ़ाने के लिए बारी बारी सभी के विचार आमंत्रित करके नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। विवेक कंबोज ने भी राष्ट्रीय एकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एन एम वर्मा ने दायित्व निभाने के लिए संकल्प लिया। उपाध्यक्ष एनपी एस नारंग ने अपने वक्तव्य में कहा कि किसी भी तरह की घटना होने के पश्चात उस पर विवेक पूर्ण चिन्तन आवश्यक है, अन्यथा अधिक क्षति होने की संभावना पैदा होती है। मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय एकात्मकता संस्था भारत भारती के माननीय अध्यक्ष विनय पन्नाले ने बताया कि आज हम भाषावाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद जैसी कुंठित धारणाओं से देश का अहित कर रहे है। उन्होंने इसके दुष्प्रभाव को समझने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर पांवटा साहिब के प्रबुद्ध एवं प्रतिष्ठित नागरिक सतीश गोयल, अनिल सैनी, गुरजीत सिंह सैनी, एनपीएस नारंग, संजीव गुप्ता,हरीश जस्सल, बी डी शर्मा,अजय शर्मा,अमित भटनागर, संजीव अत्री, प्रतिभा पांडे, पद्म गर्ग, संजीव गुप्ता, राजकिशोर त्यागी, रणबीर सिंह, हरीश शर्मा, राजेश शर्मा, वीरेंद्र शर्मा उपस्थित रहे।

परवाणू में सड़क की खस्ताहाल से लोग परेशान

अनंत ज्ञान, सोलन। परवाणू में लोक निर्माण विभाग की कार्यशैली को लेकर लोगों ने कड़े सवाल उठाए हैं। बरसात के मौसम में विभाग द्वारा सड़कों के गड्ढों को मिट्टी से भरने का काम किया जा रहा है। दिन में सडक़ें ठीक नजर आती हैं, लेकिन शाम को बारिश होते ही यह मिट्टी कीचड़ में बदल जाती है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। परवाणू चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन सोहन राजपूत ने विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि गड्ढों को मिट्टी से भरना भ्रष्टाचार का नया तरीका है। जब मौसम साफ था तब विभाग को गड्ढे भरने की याद नहीं आई। अब रोज़ाना हो रही बारिश में मिट्टी डालकर काम पूरा दिखाया जा रहा है। कल ही गड्ढों में मिट्टी डाली गई और शाम को बारिश ने सडक़ों को कीचड़ में बदल दिया। उन्होंने मांग की है कि बरसात के दौरान सडक़ निर्माण कार्य बंद किया जाए और गड्ढों की मरम्मत टिकाऊ तरीके से की जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और बेहतर सडक़ सुविधा मिल सके। वहीं, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता शिव कुमार ने माना कि बरसात में मिट्टी से गड्ढे भरने से दिक्कत हो सकती है। उन्होंने कहा कि अगर लोगों को परेशानी हो रही है तो इस काम को तुरंत बंद करवाया जा सकता है और अन्य विकल्पों पर विचार किया जाएगा। स्थानीय लोग अब विभाग से ठोस कदम उठाने और परवाणू की सडक़ों की बदहाल हालत में सुधार की मांग कर रहे हैं।

विकास यात्रा — जिला सोलन ने 53 वर्ष के सफर में स्थापित किए कई आयाम

शिक्षा, उद्योग और कृषि बागवानी से बनाई पहचान

आर मोहन चौहान,अनंत ज्ञान

सोलन। जिला सोलन की विकास यात्रा एक सितंबर 1972 में जिले के गठन से शुरू हुई, जिसमें 53 वर्ष के सफर में कृषि, बागवानी, पर्यटन, शिक्षा और मशरूम उत्पादन जैसे क्षेत्रों में प्रगति हुई है। पिछले दो दशक में जिला का बद्दी नालागढ़ और बरोटीवाला क्षेत्र उद्योगिक दृष्टि से विकसित हुआ।

यहां स्थापित करीब 5 हजार ओद्योगिक इकाइयों से प्रदेश के युवाओं के लिए बेशक रोजगार के अवसर सृजित हुए पर पर्यावरण प्रदूषण और अवैध खनन के साथ दूषित होती हवा लोगों के स्वास्थ्य की दृष्टि से चुनौती बन गया है। इस दिशा में गहन चिंतन और नीतिगत निर्णय लेने की जरूरत है।

वहीं जिला मुख्यालय सोलन 'भारत के मशरूम शहर' और शैक्षणिक केंद्र के रूप में उभरने के बावजूद शहरीकरण और अनियोजित निर्माण जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। टिकाऊ विकास सुनिश्चित करने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने का प्रयास नितांत आवश्यक हो गया है। शहर में पेयजल, सीवरेज और पार्किंग की समस्याएं विकराल हो गई है।

तीव्र शहरीकरण, प्रदूषण और अवैध खनन बनी चुनौती

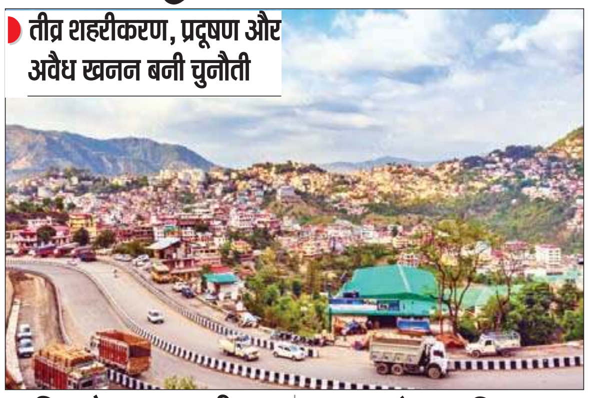

कृषि और बागवानी का रुझान बढ़ा

सोलन जिले में मशरूम की खेती का प्रमुख केंद्र है, जिसके कारण इसे 'भारत का मशरूम शहर' कहा जाता है। यहां टमाटर की भी व्यापक खेती होती है, जिससे यह 'रेड गोल्ड' के नाम से भी जाना जाता है। यहां के किसानों ने पुष्प उत्पादन और सेब की खेती को अभी आर्थिकी का आधार बनाया है। इसके अतिरिक्त, नौणी में डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्योनिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय भी है, जो फल और वन संपदा पर शोध करता है।

संसाधनों का टिकाऊ प्रबंधन

विकास के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और टिकाऊ भूमि प्रबंधन सुनिश्चित करना एक चुनौती है, ताकि आर्थिक विकास को पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित किया जा सके। सोलन जिले के लिए क्षेत्रीय योजना का मसौदा तैयार किया गया है, लेकिन इसे पूरी तरह से अधिसूचित और लागू करने की प्रक्रिया में समय लग सकता है, जिससे विकास को विनियमित किया जा सके।

अनंत ज्ञान स्पैशल

शिक्षा, विरासत और पर्यटन

जिले में शिक्षा के क्षेत्र में भी काफी विकास हुआ है, और यह हिमाचल प्रदेश का एक प्रमुख शिक्षा हब बन गया है। सोलन एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है, जो अपने सुखद वातावरण, शूलिनी देवी मंदिर और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। जिले में विभिन्न पूर्व रियासतों के क्षेत्र शामिल हैं, जिनमें भागल, बघाट, कुनिहार, नालागढ़ आदि शामिल हैं।

बुनियादी ढांचा हुआ सुदृढ़

जिला में बुनियादी ढांचा भी सुदृढ़ हुआ है कालका-शिमला रेलवे लाइन, जो एक विश्व धरोहर है, सोलन से होकर गुजरती है, जिससे क्षेत्र की पहुंच और पर्यटन में मदद मिलती है। फोरलेन बनने से उद्योगिक इकाइयों और किसान बागबानों को अपना उत्पाद बाजार और मंडियों तक पहुंचाना आसान हुआ है।

कंडाघाट उपमंडल में भारी बारिश से सड़कें बंद, जनजीवन प्रभावित

प्रेम कुमार, अनंत ज्ञान

कंडाघाट। पिछले दो से कंडाघाट उपमंडल में लगातार भारी बारिश होने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ हैं। इसके कारण उपमंडल की कंडाघाट-चायल सहित कई प्रमुख सड़के बंद रही।

बारिश के कारण कंडाघाट- चायल, सायरी-दाऊंटी, डेम साईट-बीशा, कोट-जखेड़ कंडाघाट-मही, वाकनाघाट-स्पाटू, वाकनाघाट ममलीग और बंद रही।

भारी बारिश जारी होने के बावजूद लोक निर्माण विभाग सड़कों की बहाली के काम में लगा हैं। इस बीच कंडाघाट-चायल सड़क सहित तीन सड़के बहाल की गई हैं। इसके अतिरिक्त शेष बंद प्रमुख चार सड़कों को बहाल करने का काम चल रहा हैं।

लोक निर्माण विभाग के एसडीओ शुभम अग्रवाल ने बताया कि जो चार सड़के अभी बंद हैं उनकों भी शीघ्र बहाली के प्रयास चल रहे हैं। बारिश के कारण ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के कार्यक्षेत्र में आने वाली

कंडाघाट क्षेत्र में भूस्खलन से अवरुद्ध हुई सड़क।

कई गांवों के पैदल चलने वाले रास्ते भी हुए क्षतिग्रस्त

बांजनी आंजी बीनू सड़क सहित कई ग्रामीणों सम्पर्क सड़के या बंद हैं या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कई गांवों के पैदल चलने वाले रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

अश्वनी खड्ड, गिरी और गंभर खड्ड सहित सभी नाले उफान पर हैं। कई जगह इनके आसपास की खेती भूमि क्षतिग्रस्त हो गई। कई जगह लोगों के घरों क आस-पास और खेतों में भूस्खलन हुआ हैं। किसान को अपनी नकदी फसलें मंडियों तक पहुंचने में समस्या आ रही हैं।

डिवाइडर से टकराई सेब से भरी पिकअप

अनंत ज्ञान, सोलन। कालका-शिमला नेशनल हाईवे पांच पर सोलन सब्जी मंडी के समीप रविवार को सेब से भरी पिकअप डिवाइडर से टकरा गई। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

बता दें कि एनएच पर बने यह डिवाइडर हादसों का कारण बन चुका है इससे पहले भी यहां कई वाहन डिवाइडर से टकराकर हादसे का शिकार हो चुके हैं। इस संबंधी कई लोग भी मांग उठा चुके है लेकिन अभी तक इस पर ध्यान नहीं दिया गया है। जिस कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। जल्द ही डिवाइडर को न हटाया तो बढ़ा हादसा हो सकता है।

न्यूनतम बस किराये से छात्रों पर बढ़ा बोझ, किराया माफी की उठाई मांग

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब

हिमाचल सरकार द्वारा सरकारी बसों में दस रुपए न्यूनतम किराया तय किए जाने से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। स्थिति यह है कि केवल एक किलोमीटर दूरी तय करने वाले बच्चों को भी स्कूल आने-जाने में प्रतिदिन बीस रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं।

सतौन सहकारी सभा के पूर्व सचिव बीजा राम चौहान, छात्र कार्तिकेय ठाकुर, समृद्धि ठाकुर, शाश्वती चौधरी, रीशान नेगी, ग्लोरिशा नेगी एवं शिक्षिकाएं सीमा देवी और नीशा रानी ने बताया कि सरकार के इस फैसले से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बच्चों की पढ़ाई महंगी होती जा रही है।

अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा सभी के लिए सस्ती और सुलभ होनी चाहिए, लेकिन मात्र एक-दो किलोमीटर की दूरी पर भी दस रुपए किराया देना बच्चों के अधिकारों पर अनावश्यक बोझ है। उनका कहना है कि स्कूल जाने वाले बच्चों का किराया पूरी तरह माफ किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों को राहत मिल सके।

जामनीघाट और झीलबंका बाड़ा पहुंचे डॉ. बिंदल

अनुराग गुप्ता, अनंत ज्ञान

पांवटा साहिब। कुदरत के आगे इंसान बेबस है। प्राकृतिक आपदाओं को रोकना शायद इंसान के बस की बात नहीं है, लेकिन दुख बांटने से उसका दर्द कुछ हद तक कम अवश्य हो जाता है।

इसी भाव के साथ आज रविवार को नाहन विधानसभा क्षेत्र की हरिपुरखोल पंचायत के ग्राम जामनीघाट और झीलबंका बाड़ा में भारी बरसात से प्रभावित इलाकों का पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका दुख-दर्द साझा किया। डॉ. बिंदल ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में

ग्राम जामनीघाट में बरसात से प्रभावित क्षेत्र पहुंचे डॉ. राजीव बिंदल।

जब जनता किसी मुसीबत से जूझ रही होती है तो सबसे पहले जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों और सरकार का दायित्व बनता है कि वे उनके साथ खड़े हों, लेकिन दुख की बात है कि मौजूदा आपदा की इस कठिन घड़ी में कांग्रेस सरकार और उसके जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाए हैं।

उन्होंने कहा कि इस विपदा की घड़ी में भाजपा परिवार पूरी तरह से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है और हर संभव सहयोग प्रदान करेगा।

आधार ओटीपी से राशन मिलने पर बढ़ी परेशानी

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब

सरकारी उचित मूल्य की दुकानों से राशन वितरण व्यवस्था में बदलाव के कारण उपभोक्ताओं को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

अब फिंगरप्रिंट की जगह आधार ओटीपी से सत्यापन कर राशन दिया जा रहा है। ग्राहकों का कहना है कि इस व्यवस्था से हर महीने उन्हें मोबाइल रिचार्ज करवाने के लिए अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों के लिए यह बोझ बनता जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बुजुर्ग लोग मोबाइल चलाना नहीं जानते, वहीं कुछ परिवारों के पास मोबाइल फोन ही नहीं है। ऐसे लोगों को राशन लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अन्य राज्यों में ऐसी बाध्यता नहीं है। ग्राहकों ने प्रशासन से मांग की है कि पुराने फिंगरप्रिंट सिस्टम को ही बहाल किया जाए या फिर ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था की जाए जिससे बिना मोबाइल के सभी उपभोक्ताओं को आसानी से राशन मिल सके।

ओच्छघाट स्कूल में मेगा पीटीएम शिक्षा संवाद का आयोजन

अनंत ज्ञान, सोलन। रराजकीय स्कूल ओच्छघाट जिला सोलन में अयोजित मेगा पीटीएम शिक्षा संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्रधानाचार्या पुनीत कौशल ने की। इसमें सभी शिक्षकों व अभिभावकों ने भाग लिया। बैठक के आरम्भ में अभिभावकों का स्विफ्ट चैट पर शिक्षकों द्वारा पंजीकरण करवाया गया। तत्पश्चात अभिभावकों को यूट्यूब पर अभ्यास हिमाचल का सीधा प्रसारण दिखाया गया। इसमें शिक्षा सचिव राकेश कंवर द्वारा अभिभावकों को अभ्यास हिमाचल के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या पुनीत कौशल ने अभ्यास हिमाचल, आधार आईडी रिपोर्ट कार्ड आदि से सम्बंधित जानकारी प्रदान की।

किसान गोष्ठी में उठी प्रोसेसिंग यूनिट की मांग

अनंत ज्ञान, सोलन

सोलन एंपावरमेंट एंड डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन की तरफ से मिट्टी से मंडी तक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया इसकी अध्यक्षता संस्था के प्रधान व भाजपा नेता डॉ राजेश कश्यप ने की।

कार्यक्रम के आयोजन में संदीप ठाकुर, मदन ठाकुर और सिडो के उप महा सचिव विनोद ठाकुर की अहम भूमिका रही। सोलन ब्लॉक से आए हुए प्रोग्रेसिव किसानों ने अपने विचार साझा कर फसल बेचने में बिचौलियों की भूमिका पर सवाल उठाए।

साथ ही किसानों को अपने उत्पाद की कीमत स्वयं निर्धारित किए जाने के मांग बुलंद की। इसी तरह प्रोग्रेसिव किसानों ने बीज और पेस्टिसाइड की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। किसानों ने जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई मिट्टी जांच प्रयोगशाला, कृषि की विविधता फल और टमाटर आधारित प्रोसेसिंग यूनिट लगने की पैरवी की। किसानों ने खराब होती मिट्टी की उर्वरता को लेकर अपने मंतव्य प्रस्तुत किए। मदन ठाकुर ने किसान और मंडी के बीच

सोलन में आयोजित मिट्टी से मंडी तक किसान गोष्ठी में पहुंचे किसान।

आढ़तीयों की मध्यस्थ पर सवाल खड़े किए। पुष्प उत्पादक किसान राजीव ठाकुर ने किसानों को पोली हाउस लगाकर आर्थिकी बढ़ाने का सुझाव दिया। एग्जॉटिक वेजिटेबल्स उत्पादक हिमांशु शर्मा ने कहा कि यह खेती कम जमीन में जैविक खाद की मदद से तैयार की जा सकती है और इससे किसान अच्छा खासा मुनाफा कमा सकता है। पुष्प उत्पादक चंद्रकांत का कहना है कि सोलन जैसे क्लाइमेट में युवा किसान पुष्प उत्पादन कर स्वरोजगार स्वरोजगार अपना सकते हैं। प्रोग्रेसिव वीरेंद्र शर्मा ने सुझाव दिया कि काला गेहूं परसीमन, ड्रैगन फ्रूट की खेती से किसान मुनाफा कमा सकते हैं क्योंकि काला गेहूं शुगर फ्री और लीवर के लिए लाभकारी है। बाजार में इसकी खासी मांग की जा रही है।

जैविक खाद का हो प्रयोग

जैविक खाद का प्रयोग किया जाए साथ ही साथ किसानों को पानी का सही प्रयोग करने के लिए ड्रिप इरीगेशन को अपनाया जा सकता है। टमाटर की मुख्य फसल लंबे समय तक टीके इसके लिए मिट्टी की जांच के अलावा प्रमाणित बीज को अपनाना जरूरी है। संजीव कुमार का सुझाव था कि मिट्टी जांच केंद्र में किसानों को तुरंत मिट्टी की रिपोर्ट मिल जानी चाहिए। सुंदर सिंह ने किसानों को सलाह दी थी किसी भी तरह की फसल उगाने से पहले मिट्टी की जांच आवश्यक है। वहीं दूध उत्पादक किसानों के लिए प्रोसेसिंग यूनिट और कलेक्शन सेंटर भी लाभकारी सिद्ध होगा। राजेश ने कहा कि किसानों के हित के लिए हमेशा संघर्षरत है। उन्होंने खुशी जताई कि किसानों ने संगठित होकर अपनी आवाज को बुलंद किया है जिसे प्रदेश और केंद्र सरकार तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे।

सराहां महाविद्यालय का किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान, सराहां। राजकीय महाविद्यालय सराहां में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा गठित टीम ने स्थाई सम्बंधन हेतु निरीक्षण किया। इस टीम में प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह नारटा और प्रोफेसर मोहन झारटा ने स्थाई संबंधन के संबंध में महाविद्यालय में उपलब्ध सभी सुविधाओं का विस्तृत मूल्यांकन किया व महाविद्यालय में उपलब्ध रिकॉर्ड को भी जांचा।

टीम ने महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. गुलशन कुमार धीमान एवं अन्य स्टाफ के साथ महाविद्यालय से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की व भविष्य में महाविद्यालय के विकास के लिए उन्होंने मार्गदर्शन भी किया। हालांकि राजकीय महाविद्यालय सराहां हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के साथ अस्थाई रूप से संबंधित रहा है परंतु आने वाले समय में नैक के निरीक्षण एवं अन्य सुविधाओं के विकास के लिए हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से स्थाई संबंधन एक मील का पत्थर साबित होगा। निरीक्षण के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गुलशन कुमार धीमान आदि उपस्थित थे।

शिलान्यास के बाद भी नहीं बना पुल

अनंत ज्ञान, कंडाघाट। डीडीएल से चौड़ा चायल सड़क पर कंशावला गांव में अश्वनी खड्ड पर पुल का शिलान्यास 10 साल पहले हुआ था। शिलान्यास के बाद आज तक निर्माण के नाम पर एक पत्थर भी नहीं लगा।

इस पुल का शिलान्यास पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने करीब 10 साल पहले किया था इन ग्राम पंचायतों की जनता को उम्मीद जगी थी। इस पंचायत क्षेत्र के दर्जनो गांव उपगांव सीधे सडक़ वह बस सुविधा से जुड़ेंगे इतना ही नहीं इस सडक़ से पर्यटन नगरी चायल और जिला सोलन व शिमला की दो दर्जन पंचायतों को लाभ पहुंचाना था। इस सडक़ के बनने व पुल निर्माण से कंडाघाट की दूरी 9 किलोमीटर कम हो जाएगी। अभी चायल की दूरी वाया साधुपुल 29 किलोमीटर है। कंशावला पुल निर्माण और डीडीएल चायल सडक़ निर्माण के बाद चायल की दूरी केवल 20 किलोमीटर होगी। चायल के लिए एक वैकल्पिक मार्ग चालू हो जाएगा। कंडाघाट चायल मार्ग पर वाहनों की संख्या कम होगी।

बैठक — सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन का जिला सम्मेलन संपन्न

मजदूरों के अधिकारों को कुचल रही केंद्र सरकार : मेहरा

अनंत ज्ञान, सोलन

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) का 16वां जिला सम्मेलन 30 और 31 अगस्त को सोलन के शिव दयाल ट्रस्ट धर्मशाला में संपन्न हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन सीटू हिमाचल प्रदेश के राज्य अध्यक्ष कामरेड विजेंद्र मेहरा ने किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मोदी सरकार मजदूरों और आम जनता के अधिकारों को लगातार कुचल रही है। 44 श्रम कानूनों को समाप्त कर 4 श्रम संहिताएं थोप दी गई हैं, जिनका असली उद्देश्य मजदूर वर्ग को असुरक्षित करना और उन्हें पूंजीपतियों की दया पर निर्भर बना देना है। महंगाई, बेरोज़गारी और ठेका प्रथा ने मेहनतकश वर्ग के जीवन को संकट में डाल दिया है। मोदी सरकार हर कदम पर कॉर्पोरेट घरानों के पक्ष में खड़ी है और मजदूर-किसान विरोधी नीतियों को लागू कर रही है। राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष कामरेड

सीटू के जिला स्तरीय सम्मेलन में पहुंचे पदाधिकारी।

जगतराम ने भी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी, आशा और मिड-डे मील वर्करों को आज तक न तो सरकारी कर्मचारी का दर्जा मिला है और न ही उन्हें न्यूनतम वेतन दिया जा रहा है। यह सरासर शोषण है।

केंद्र और प्रदेश की सरकारें इन वर्करों का इस्तेमाल तो करती हैं, लेकिन उन्हें सम्मानजनक वेतन और अधिकार देने से लगातार इंकार कर रही हैं। सीटू इस अन्याय को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी और वर्करों को उनका हक़ दिलाने के लिए संघर्ष को और तेज़ किया जाएगा।

31 सदस्यीय नई जिला कमेटी का किया चुनाव

इस सम्मेलन में 31 सदस्यीय नई जिला कमेटी का चुनाव किया गया। इसमें राकेश कुमार को जिला अध्यक्ष, मोहित वर्मा को जिला महासचिव, ओमदत्त शर्मा कोषाध्यक्ष, दलजीत को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अमरचंद, गजपति और बिमला को उपाध्यक्ष तथा बलवीर, संजय पांटा और सपना को सचिव चुना गया। नई कमेटी ने संकल्प लिया कि वह मजदूर वर्ग के संघर्षों को और मजबूत करेगी।

राज्य सम्मेलन अक्तूबर तक सोलन में होगा आयोजित

जिला महासचिव कामरेड मोहित वर्मा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि सीटू का हिमाचल प्रदेश राज्य सम्मेलन 26 से 28 अक्तूबर तक सोलन में आयोजित किया जाएगा। 26 अक्टूबर को एक विशाल रैली निकाली जाएगी, जिसमें हजारों मजदूर, कर्मचारी, स्कीम वर्कर और किसान शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह मोदी सरकार आंदोलनों को कुचलने और कॉर्पोरेट घरानों को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है, उसका जवाब मेहनतकश वर्ग सड़क पर उतरकर देगा। राज्य सम्मेलन की तैयारियों के लिए एक स्वागत समिति भी गठित की गई, जिसमें विकास ठाकुर को चेयरमैन और नवीन मेहता को वाइस चेयरमैन चुना गया।

ग्रामीणों ने की बालद नदी में जल की पूजा

ओम शर्मा, अनंत ज्ञान

बीबीएन। बालद नदी के रौद्र रूप के चलते परेशान ग्रामीणों ने आज बालद नदी में ख्वाजा महाराज की पूजा दोबारा शुरू की। दशकों पहले जब हर बरसात में क्षेत्र के लोग धान की फसल लगाने के बाद मिलजुल कर बालद नदी के ऊपरी हिस्से बौनी के पास नदी में खेतों की सिंचाई के लिए छोटा बांध बनाते थे और ख्वाजा महाराज की पूजा कर मीठा दलिया बांटते थे, लेकिन बढ़ते औधोगिकीकरण के चलते नई पीढ़ी इन सब परम्पराओं को भूलती जा रही थी। बीते कुछ सालों से बालद नदी में बढ़ते जलस्तर से हो रहे गंभीर भूमि कटाव ने स्थानीय निवासियों और किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

इन प्राकृतिक आपदाओं को दैवीय प्रकोप मानते हुए आज झाड़माजरी, छातीपुरा और शिवलिकनगर के ग्रामीणों ने अपने बुजुर्गों द्वारा दशकों पहले शुरू की गई प्राचीन और पौराणिक परम्परा पुर्नजीवित करने का प्रयास किया। यहां बरसात में हर वर्ष नुकसान होता आया यहां तक कि किसानों

पुरानी परंपरा के साथ नदी की पूजा करते हुए ग्रामीण।

सदियों से चली आ रही परंपरा को दोबारा किया शुरू

की उपजाऊ भूमि बह जाती थी और भी बहुत नुकसान होता था। 2023 का इस नदी के मंजर किसी से छुपा नही। हर वर्ष पहाड़ी क्षेत्र में अधिक बारिश होने के चलते यह नदी अपना रौद्र रूप दिखाती है।

अब जब इस बार भी नदी ने भूमि के साथ साथ दस करोड़ की लागत से लगाया डंगे को नुकसान पहुचाया और नदी ने अपने किनारों से साथ लगती भूमि को लील लिया। तब गांववासियों को याद आया कि अब इस नदी में कोई पूजा अब नही करता फिर ग्रामीणों ने पछले कई सालों से बंद पड़ी प्रथा दोबारा शुरू कर दी।

मीठे चावल और दलिया का लगाया भोग

रविवार को गांववासियों ने भारी बारिश के बावजूद बालद नदी के किनारे जा कर जल देवता ख्वाजा की पूजा अर्चना कर मीठे चावल दलिया का भोग लगाया। यह आयोजन न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान था बल्कि यह क्षेत्र के जन जीवन और किसानों की उपजाऊ भूमि की रक्षा के लिए एक सामूहिक और सांस्कृतिक प्रयास भी था। पंडित तरसेम लाल ने पूजा करवाई ओर उन्होंने बताया कि जब जब इस बालद नदी की पूजा होती रही यह नदी शांत रहती है और जब इसे भूल जाते है तो यह अपना रौद्र रूप दिखाती है। इस नदी ने जब जब भी अपना रूप दिखाया इसने भारी तबाही मचाई।

न्यूज ब्रीफ

मुख्य अभियंता ने बारिश प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। पिछले सप्ताह हुई भारी वर्षा के मद्देनजर, यूटी चंडीगढ़ के मुख्य अभियंता सीबी ओझा ने अभियंत्रण विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर सुखना छोई, किशनगढ़, मनीमाजरा, बापू धाम, रायपुर कलां और सुखना झील का दौरा किया। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और संभावित क्षति का आकलन किया। भारी बारिश एवं सुखना झील के गेट खोले जाने के बावजूद निरीक्षण किए गए क्षेत्रों में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। यह मानसून पूर्व की गई तैयारियों और प्रभावी जल प्रबंधन का परिणाम है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में हल्की क्षति दर्ज की गई है, जिसकी मरम्मत तुरंत शुरू कर दी गई है, ताकि जनता को किसी असुविधा से बचाया जा सके। ओझा ने सुखना झील स्थित 24x7 नियंत्रण कक्ष का भी निरीक्षण किया, जहां जल स्तर की निगरानी और पंजाब-हरियाणा के साथ समन्वय सुनिश्चित किया जाता है ताकि बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही, अभियंत्रण विभाग ने अगस्त माह तक 1.50 लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जो कि माननीय प्रशासक के मार्गदर्शन में हरित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हिम एकता वेलफेयर ने समाज सेवा को दिया नया आयाम

अनंत ज्ञान, पंचकूला। हिम एकता वेलफेयर महासंघ रजिस्टर्ड पंचकूला द्वारा मोदी जी के मनकी बात कार्यक्रम के उपरांत एक पौधा सिद्ध जोगी के नाम के मिशन के तहत लगाया गया। महासंघ के प्रमुख फाउंडर अध्यक्ष विक्रांत शर्मा ने बताया कि महासंघ समय समय पर समाजिक कार्य करता रहता है। होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करना तथा उन्हें हौसला अफजाई के लिए कार्य करना। महासंघ द्वारा हर महीने के ज्येष्ठ रविवार को खीर का लंगर का आयोजन किया जाता है। महासंघ का उद्देश्य की हिमाचली भाईचारे को बढ़ावा देना।ओर महासंघ ने पंचकूला में महासंघ का अपना हिम एकता भवन हो उसको लेकर भी महासंघ पूरी तरह से कार्यरत है। महासंघ के प्रमुख संगठन सचिव को पूरा अधिकार संगठन को लेकर कार्यरत होना,प्रचार-प्रसार करना, सदस्यता अभियान शुरू करना, संगठन की मजबूती के लिए अलग-अलग कमेटी को कार्यभार सौंपना होगा। इस अवसर पर महासंघ की कार्यक्रम कमेटी के प्रमुख वितसचिव उमेश शर्मा, सह वित्त सचिव रणसिंह ठाकुर, उप चेयरमैन विनोद शर्मा व देशराज, प्रेस सचिव अश्विनी शर्मा बरवाला, लंगर कमेटी के उपप्रधान प्रवीण बाली, तिलकराज राणा, विनोद ढकौली उपस्थित रहे।

नारनौलः ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत

अनंत ज्ञान, नारनौल। नारनौल में डीएफएससी कॉरिडोर लाइन पर एक महिला और उसकी छह साल की बेटी के शव पड़े मिले। मृतक महिला की पहचान रेवाड़ी के गोकलगढ़ की रहने वाली 25 वर्षीय सुमन देवी पत्नी राकेश के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची नारनौल रेलवे पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। रेलवे चौकी नारनौल प्रभारी कैलाशचंद ने बताया कि शनिवार रात को उन्हें डीएफएससी कॉरिडोर लाइन से मैसेज मिला कि एक महिला और एक बच्चे का मालगाड़ी से एक्सीडेंट हो गया है। यह एक्सीडेंट रेवाड़ी के पाली गांव के नजदीक पुल पर हुआ है। सूचना के आधार पर वे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक महिला और एक बच्ची की ट्रेन से कटकर मौत हो गई थी। कैलाशचंद ने बताया कि उन्होंने मामले की सूचना देकर रेवाड़ी से थाना प्रबंधक और सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया।

पलवल में घर में घुसकर महिला से गैंगरेप

अनंत ज्ञान, पलवल। जिला पलवल के बहीन थाना क्षेत्र से रविवार को मामला सामने आया है। गांव की एक विवाहिता के साथ देर रात घर में घुसकर दो युवकों ने गैंगरेप किया। घटना के समय महिला अपने छोटे बच्चों के साथ घर में सो रही थी और उसका पति काम पर बाहर गया हुआ था। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़िता ने बताया कि उसका पति टैंपो चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता है और अकसर देर रात घर लौटता है। इसी का फायदा उठाकर गांव के ही जावेद और दिलशाद नामक युवक रात करीब साढ़े 11 बजे उसके घर में जबरन घुस आए। आरोप है कि दोनों ने जान से मारने की धमकी देकर सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों ने उसे धमकी दी कि यदि उसने घटना की शिकायत किसी से की तो उसे और उसके परिवार को जान से मार देंगे। डर के कारण महिला ने तुरंत किसी को कुछ नहीं बताया, लेकिन पति के घर लौटने पर उसने पूरी आपबीती साझा की। इसके बाद महिला अपने पति के साथ बहीन थाने पहुंची और लिखित शिकायत दर्ज कराई।

बरसात से निपटने को सरकार-प्रशासन अलर्ट : सैनी

25 सितंबर को लान्च होगा दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना पोर्टल

जगदीश शर्मा, अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार बरसात के मौसम को लेकर पूरी तरह अलर्ट है और हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने जनता से सावधानी बरतने और पहाड़ी क्षेत्रों में जाने से बचने की अपील की। सैनी रविवार को कुरुक्षेत्र के द्रोणाचार्य खेल स्टेडियम में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों के साथ वॉलीबॉल भी खेला।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने देश को वैश्विक मंच पर गौरव दिलाया है, लेकिन विपक्ष को यह बात हजम नहीं हो रही। उन्होंने राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि बिहार जैसी पवित्र भूमि पर ऐसी बात करना अशोभनीय है और राहुल को देश से माफी मांगनी चाहिए।

सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उन्होंने अपने कार्यकाल में विकास किया होता, तो आज ईवीएम को दोष नहीं देते। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 11 वर्षों में भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर 'दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना' का पोर्टल लॉन्च किया जाएगा। पहले चरण में 20 लाख महिलाओं को 2100 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जिसके लिए बजट में 5000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

सैनी ने बताया कि 17 सितंबर से प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर 'सेवा पखवाड़ा' की शुरुआत होगी, जो 2 अक्तूबर तक चलेगा। इस दौरान गरीबों, जरूरतमंदों और दिव्यांगों की सेवा की जाएगी। मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा व अंबाला कमिश्नर संजीव वर्मा मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के संकल्प को सैनी ने बताया विकास की प्रेरणा

लाडवा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तीन गुना रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। हम सभी का संकल्प है कि प्रदेश को स्वच्छ और विकसित बनाकर पर्वों को हर्षोल्लास से मनाएं। मुख्यमंत्री रविवार को लाडवा विधानसभा के गांव कलाल माजरा में प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने के बाद ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने गांव के विकास के लिए 21 लाख रुपए की घोषणा की और डॉ. केवल कृष्ण द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने बताया कि बीते 10 महीनों में गांव में एक करोड़ एक लाख रुपए के विकास कार्य हुए हैं और आगे की मांगों को भी जल्द पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में किडनी मरीजों को फ्री डायलिसिस सुविधा दे रही है और युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची के नौकरियां मिल रही हैं।

सैनी बोले-युवा खेल को बनाएं जीवन का हिस्सा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर युवाओं से आह्वान किया कि वे खेल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और मेजर ध्यानचंद जैसी लगन से देश और प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2036 के ओलंपिक में सबसे अधिक पदक हरियाणा के खिलाड़ी ही जीतेंगे। मुख्यमंत्री सैनी ने कुरुक्षेत्र में आयोजित ÷साइक्लाथोन÷ कार्यक्रम में भाग लेकर 'स्वच्छ कुरुक्षेत्र, मेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया और संबंधित वेबसाइट भी लॉन्च की। उन्होंने युवाओं को नशा छोड़कर खेलों को अपनाने की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने ओलंपिक, एशियाड और राष्ट्रमंडल खेलों में देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 1489 खेल नर्सरियां कार्यरत हैं, जहां 37,000 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। सरकार खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता, नौकरियों में आरक्षण, छात्रवृत्ति और खेल उपकरण प्रदान कर रही है।

भाजपा राज में चंडीगढ़ बदहाल कांग्रेस ने किया जोरदार प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दडू माजरा कॉलोनी में भाजपा शासित नगर निगम की लापरवाही और बिगड़ते बुनियादी ढांचे के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। टूटी-फूटी और गड्ढों से भरी सड़कों को लेकर कॉलोनी के सैकड़ों निवासी और कांग्रेस कार्यकर्ता झंडे, बैनर लेकर सड़कों पर उतरे और नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एचएस लक्की ने किया।

नगर निगम की लापरवाही और बिगड़ते बुनियादी ढांचे के खिलाफ की नारेबाजी

उन्होंने कहा कि भाजपा ने नगर निगम को वित्तीय और प्रशासनिक बदहाली में धकेल दिया है। कांग्रेस शासन में निगम के पास 500 करोड़ रुपए से अधिक की फिक्स्ड डिपॉजिट थी, लेकिन भाजपा के 10 साल के कार्यकाल में यह धनराशि खत्म हो गई और निगम कर्ज में डूब गया। उन्होंने कहा कि भाजपा के 9 में से 10 महापौर विफल साबित हुए हैं।

निगम की नाकामी का खामियाजा आज आम जनता भुगत रही है। हाल ही में प्रशासक द्वारा जारी 125 करोड़ की राशि पर भाजपा द्वारा श्रेय लेने की कोशिश को उन्होंने 'राजनीतिक नौटंकी' करार दिया।

उन्होंने मांग की कि यह राशि केवल विकास कार्यों पर खर्च हो, न कि पुराने बकाया चुकाने में। प्रदेश सचिव नरेंद्र चौधरी ने बताया कि कॉलोनी में गड्ढों की वजह से स्कूली बच्चों को रोजाना भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के अंत में चेतावनी दी गई कि यदि मानसून के तुरंत बाद सड़कों की मरम्मत शुरू नहीं हुई, तो कांग्रेस सड़कों पर बड़ा आंदोलन करेगी।

वरिष्ठ बैंकर्स ने साइबर सुरक्षा को लेकर लोगों को किया जागरूक

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

31 अगस्त, 2025 को सुखना झील, चंडीगढ़ पर आयोजित Walkathon में क्षेत्र के वरिष्ठ बैंकर्स ने साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का नेतृत्व बैंकर्स क्लब, चंडीगढ़ ने किया, जिसमें आरबीआई, नाबार्ड, एसबीआई, पीएनबी सहित अन्य बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

Walkathon का उद्घाटन भारतीय रिजर्व बैंक के उप-गवर्नर एम राजेश्वर राव ने किया। उन्होंने साइबर सुरक्षा की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर बल देते हुए बैंकर्स क्लब के प्रयासों की सराहना की। प्रतिभागियों ने सजग डिजिटल व्यवहार को प्रोत्साहित करने वाले बैनर लेकर चलकर जन जागरूकता का संदेश दिया। बैंकर्स क्लब के अध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि इस सहभागिता ने साइबर सुरक्षा के प्रति एक सशक्त संदेश दिया है।

इस अवसर पर नाबार्ड, एसबीआई और पीएनबी के वरिष्ठ अधिकारी और आरबीआई के कार्यपालक निदेशक भी उपस्थित रहे। यह पहला सार्वजनिक आयोजन है, जिसमें बैंकर्स क्लब ने आम जनता से सीधे संवाद कर अपनी साइबर सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

सीआरपीएफ की बटालियन ने निकाली साइकिल रैली

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। राष्ट्रीय खेल दिवस के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर आज केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 13वीं बटालियन द्वारा एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस वर्ष के राष्ट्रीय खेल दिवस का विषय (थीम) 'एक घंटा खेल के मैदान में' रखा गया है।

इस अवसर पर कमांडेंट कमल सिसोदिया ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली के दौरान जवानों और नागरिक प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लिए, देशभक्ति गीतों, नारों और बैनरों के माध्यम से खेलों के महत्व एवं उनके लाभों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के उपरांत आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कमल सिसोदिया ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं बल्कि राष्ट्र निर्माण, नशा मुक्ति और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी को खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर अधिकारियों, जवानों तथा स्थानीय समाज के गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और प्रतिभागियों में खेलों के प्रति नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार हुआ।

चंडीगढ़ माइनॉरिटी डिपार्टमेंट की नई टीम का ऐलान

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

चंडीगढ़ माइनॉरिटी डिपार्टमेंट की ओर से होटल केसी रेजीडेंसी, सेक्टर 35सी में एक भव्य प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें विभाग की नई टीम की औपचारिक घोषणा की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता चंडीगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष एचएस लक्की और माइनॉरिटी डिपार्टमेंट चेयरमैन आसिफ चौधरी ने की।

लक्की ने कहा कि माइनॉरिटी डिपार्टमेंट सदैव अल्पसंख्यकों की आवाज बुलंद करता आया है और नई टीम इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। चेयरमैन आसिफ चौधरी ने इसे युवाओं, महिलाओं और समाज के हर वर्ग को साथ जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम बताया। घोषित टीम में मोहम्मद उस्मान कोषाध्यक्ष, दाऊद अहमद समेत कई वाइस चेयरमैन, एडवोकेट जीशान और इमरान खान जनरल सेक्रेटरी तथा जीशानुलहक सोशल मीडिया प्रभारी बनाए गए। टीम ने शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य व सामाजिक न्याय को लेकर ठोस कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन एकजुट होकर समाज की सेवा करने के वादे के साथ हुआ।

देश-विदेश

हाईकोर्ट की वेबसाइट पर देरी से आदेश अपलोड होने पर उठे सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के एक आदेश को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। मामला है एक अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के आदेश का, जिसे हाईकोर्ट ने 31 जुलाई को पारित किया था, लेकिन यह आदेश 20 अगस्त तक हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड ही नहीं हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने इस देरी पर कड़ा रुख अपनाते हुए आदेश दिया कि संबंधित जज के सेक्रेटरी की स्टेनो बुक (टाइपिंग रजिस्टर) जब्त की जाए, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आदेश वास्तव में कब टाइप हुआ और कब उसमें सुधार किया गया।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां

जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस विजय विष्णोई की बेंच ने कहा कि पहली नजर में यह मामला संदिग्ध लग रहा है। कोर्ट ने पाया कि जब 20 अगस्त को सुनवाई हुई थी, तब आदेश तक वेबसाइट पर मौजूद नहीं था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट के अनुसार, रजिस्ट्रार जनरल ने 22 अगस्त को संबंधित जज के सेक्रेटरी से स्पष्टीकरण मांगा। उसी दिन सेक्रेटरी ने जवाब दिया और उसी दिन आदेश वेबसाइट पर अपलोड भी हो गया। (अनंत ज्ञान)

जज के सेक्रेटरी की स्टेनो बुक जब्त करने के आदेश

पीठ ने कहा कि ऐसा लगता है कि आदेश 31 जुलाई को पारित ही नहीं हुआ था, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद इसे तैयार किया गया और अपलोड किया गया, इसीलिए अदालत ने आदेश दिया कि जज के सेक्रेटरी की स्टेनो बुक जब्त की जाए।

भारत बना यूक्रेन का सबसे बड़ा डीजल सप्लायर

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत ने जुलाई 2025 में यूक्रेन को सबसे ज्यादा डीजल सप्लाई किया। यूक्रेन की ऑयल मार्केट एनालिटिक्स फर्म नाफ्टोरिनोक ने इस बात की जानकारी दी है। डीजल सप्लाई में यह उछाल एसे समय में आया है, जब अमेरिका ने भारत के रूसी तेल आयात को लेकर उस पर 50% पनिशटिव टैरिफ लगाए हैं। नाफ्टोरिनोक के मुताबिक, भारत ने इस महीने यूक्रेन की डीजल जरूरतों का 15.5% हिस्सा पूरा किया, जो कि पिछले साल जुलाई 2024 में मात्र 1.9% था। जुलाई 2025 में भारत ने हर दिन औसतन 2,700 टन डीजल यूक्रेन को भेजा, जो इस साल के सबसे ऊंचे मासिक निर्यात आंकड़ों में से एक है। दिलचस्प बात यह है कि डीजल बनाने के लिए भारत सबसे ज्यादा कच्चा तेल रूस से ही खरीद रहा है, जिसकी यूक्रेन के साथ जंग चल रही है और इसी वजह से अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगाया है। (अनंत ज्ञान)

पंजाब में बाढ़ से भीषण तबाही

बाढ़ की चपेट में आए 10 जिलों के 1018 गांव

पंजाब में आई बाढ़ में फंसे लोग एक बोट से सुरक्षित स्थान की ओर जाते हुए।

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब में बाढ़ ने भीषण तबाही मचाई है। 10 जिलों के 1018 गांव बाढ़ की चपेट में है। तीन लाख एकड़ कृषि भूमि पानी से प्रभावित हुई है। लोगों को बचाने के लिए सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस प्रशासन की तरफ से चलाया जा रहा रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बीते 24 घंटे में 4711 लोगों को बचाया गया है। इनमें फिरोजपुर के 812, गुरदासपुर के 2571, मोगा के चार, बरनाला के 25, और फाजिल्का के 1239 लोग शामिल हैं। पंजाब सरकार की तरफ से चार दिन के लिए स्कूल बंद कर दिए गए थे। बीते बुधवार से स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई थी। सोमवार से फिर स्कूल खुल सकते हैं। हालांकि इस पर आखिरी फैसला सरकार की तरफ से लिया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि स्कूलों में छुट्टियों को बढ़ाया जा सकता है। क्योंकि पंजाब में बाढ़ से हालात अभी भी खराब बने हुए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस स्थिति पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने केंद्र सरकार से रुके हुए 60 हजार करोड़ का फंड जारी करने की मांग की है। (अनंत ज्ञान)

सेना, एनडीआरएफ पुलिस का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

24 घंटे में 4711 लोगों को बचाया

इसराइल से पीएम की मौत का बदला लेंगेः हूती

एजेंसी, सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार को वादा किया कि वे अपने प्रधानमंत्री और अन्य नेताओं की हत्या का बदला जरूर लेंगे। हूतियों की सर्वोच्च राजनीतिक परिषद के प्रमुख महदी अल-मशात ने वीडियो जारी कर कहा कि इस हमले का बदला लिया जाएगा। अल-रहावी ईरान समर्थित हूतियों के सबसे बड़े नेता थे।इजराइल ने बीत गुरुवार को यमन में राजधानी सना पर हवाई हमला किया था। हूती टीवी चैनल पर बताया गया कि हमला उस समय हुआ जब मंत्रियों की एक बैठक चल रही थी। इसमें प्रधानमंत्री रहावी के अलावा रक्षा मंत्री मोहम्मद अल-अती और आर्मी चीफ मोहम्मद अल-घमारी के भी मारे जाने की आशंका है। (अनंत ज्ञान)

असम में मालगाड़ी पटरी से उतरी, कोई हताहत नहीं

एजेंसी, गुवाहाटी। असम के कामरूप जिले में रविवार को एक मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के अनुसार, दोपहर 12 बजकर 42 मिनट पर चांगसारी और बाईहाता स्टेशनों के बीच मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। यह ट्रेन खाली थी और घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की कोई खबर नहीं है। एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि हादसे के बाद एक ट्रैक पर रेल संचालन जारी है, जबकि दूसरे ट्रैक को बहाल करने का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यात्री ट्रेनों की आवाजाही इस घटना से प्रभावित नहीं होगी। (अनंत ज्ञान)

मणिपुर में छह आतंकवादी किए गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर पुलिस ने रविवार को बताया कि राज्य के अलग-अलग जिलों से छह आतंकवादी गिरफ्तार किए गए हैं। तेंगनूपाल जिले के म्यांमार सीमा के पास शुक्रवार को प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के चार सदस्य पकड़े गए। गिरफ्तार किए गए चारों की पहचान चाबुंगबम नानाओचा मीतेई (21), वाइक़ोम थोई मीतेई (30), निंगथौजम राकेश (25) और टेकचम नानाओ सिंह (25) के रूप में हुई है। इसी दौरान शनिवार को इम्फाल वेस्ट जिले के सांगाइप्रोउ इलाके से सोशलिस्ट रिवोल्यूशनरी पार्टी, कांग्लेइपाक का सदस्य माइसनाम अभि सिंह (40) गिरफ्तार हुआ। उस पर स्थानीय व्यापारियों से जबरन वसूली करने का आरोप है। (अनंत ज्ञान)

भाजपा-आरएसएस के निशाने पर संभलः ओवैसी

एजेंसी, हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद से निर्वाचित लोकसभा सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को कहा कि यूपी का संभल शहर भाजपा-आरएसएस के हिंदुत्व एजेंडे को लागू करने के लिए निशाने पर है। यह टिप्पणी 28 अगस्त को तीन सदस्यीय पैनल के संभल हिंसा पर 450 पेज की रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपने के एक दिन बाद आई है। (अनंत ज्ञान)

इंडोनेशिया में सांसद सैलरी बढ़ाने के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी, जकार्ता

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता समेत देश के कई हिस्सों में सांसदों की तनख्वाह बढ़ाने के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए हैं। उग्र प्रदर्शनों को देखते हुए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने शनिवार को अपनी चीन यात्रा रद्द कर दी। उन्हें 3 सितंबर को चीन में विक्ट्री डे समारोह में जाना था, जो सेकेंड वर्ल्ड वॉर खत्म होने की 80वीं सालगिरह पर आयोजित होता है।

प्रबोवो के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति देश की हालात पर खुद नजर रखना चाहते हैं और इन हालातों को बेहतर तरीके से मैनेज करना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने चीन सरकार से माफी मांगी कि वे उनके बुलावे पर नहीं जा पाएंगे। बता दें कि प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार रात मकासर शहर की क्षेत्रीय संसद में आग लगा दी। हाल ही में इंडोनेशियाई पुलिस के वाहन ने मोटरसाइकिल से जा रहे डिलीवरी बॉय को कुचल दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद हालात और ज्यादा बिगड़ गए। (अनंत ज्ञान)

ट्रंप को नोबेल के लिए नॉमिनेट नहीं किया, इसलिए भारत पर लगा टैरिफ

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में सामने आई ट्रंप की नाराजगी की वजह

एजेंसी, वॉशिंगटन

यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और अमेरिका के बीच तनाव की असल वजह ट्रंप की नोबेल प्राइज की ख्वाहिश है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रंप ने 17 जून को पीएम मोदी से फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान ट्रंप ने कहा था कि उन्हें भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने पर कितना गर्व है।

इसके बाद ट्रंप ने मोदी से कहा कि पाकिस्तान उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने वाला है। ट्रंप ने इशारों में भारत से भी ऐसा करने को कहा, लेकिन मोदी इससे नाराज हो गए थे। मोदी ने ट्रंप से साफ कह दिया कि भारत-पाक के बीच हुए सीजफायर से अमेरिका का कोई लेना देना नहीं है। यह भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे तौर पर हुआ है। (अनंत ज्ञान)

ट्रंप की नीतियों से भारत-अमेरिका रिश्ता कमजोर

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप ने मोदी की बात को अनदेखा कर दिया, जिससे दोनों नेताओं के बीच तल्खी बढ़ गई। इसके बाद से दोनों ने कोई बातचीत नहीं की। यह रिपोर्ट वॉशिंगटन और नई दिल्ली में एक दर्जन से ज्यादा लोगों से हुई बातचीत पर आधारित है। इनमें से ज्यादातर ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बात की। इन लोगों ने बताया कि ट्रंप और भारत के बीच का रिश्ता दोनों देशों के लिए बड़े असर वाला हो सकता है। ट्रंप की नीतियों से भारत-अमेरिका का रिश्ता कमजोर हो रहा है। वहीं, भारत अपनी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए कदम उठा रहा है।

मन की बात | 125वें एपिसोड में प्राकृतिक आपदा; खेल-खिलाड़ी, इनोवेशन व वोकल फॉर लोकल पर बात

प्राकृतिक आपदाएं ले रहीं हमारे देश की परीक्षा : मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो शो मन की बात के 125वें एपिसोड में प्राकृतिक आपदा, खेल-खिलाड़ी, इनोवेशन, शिक्षा, वोकल फॉर लोकल पर बात की। उन्होंने कहा कि इस मानसून के मौसम में प्राकृतिक आपदाएं हमारे देश की परीक्षा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों हमने भीषण बाढ़-भूस्खलन देखे। हम उन परिवारों के दुख में शामिल हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। जहां भी आपदाएं आईं, हमारे एनडीआरएफ- एसडीआरएफ के जवानों ने अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर दिन-रात अथक परिश्रम किया है। पीएम ने कहा कि सितंबर में हम हैदराबाद लिबरेशन डे मनाएंगे। ये वही महीना है जब हम उन सभी वीरों के साहस को याद करते हैं जिन्होंने ऑपरेशन पोलो में हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा, 'जब अगस्त 1947 में भारत को आजादी मिली, तो हैदराबाद अलग ही स्थिति में था। निजाम-रजाकारों के अत्याचार दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे थे। तिरंगा फहराने या 'वंदे मातरम्' कहने पर भी मौत के घाट उतार दिया जाता था। उस समय बाबा साहेब अंबेडकर ने भी चेतावनी दी थी कि यह समस्या बहुत बड़ी बनती जा रही है। सरदार पटेल ने मामले को अपने हाथ में लिया। उन्होंने सरकार को ऑपरेशन पोलो शुरू करने के लिए तैयार किया। रिकॉर्ड समय में हमारी सेनाओं ने हैदराबाद को निजाम की तानाशाही से आजाद कराया और उसे भारत का हिस्सा बनाया। (अनंत ज्ञान)

प्रतिभा सेतु ऐप का जिक्र

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कई उम्मीदवार यूपीएससी की फाइनल लिस्ट में जगह नहीं बना सके। उनकी जानकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रतिभा सेतु ऐप पर उपलब्ध कराई जा रही है। जो देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के साथ शेयर की जाएगी, ताकि उन्हें इन कंपनियों में अच्छी जॉब मिल सके।

बोले-देश बदल रहा

पीएम मोदी ने कहा कि बाढ़ और बारिश से हुई तबाही के बीच जम्मू-कश्मीर ने दो बेहद खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं। पुलवामा के एक स्टेडियम में रिकॉर्ड संख्या में लोग इकट्ठा हुए। पुलवामा का पहला डे-नाइट क्रिकेट मैच यहीं खेला गया। पहले यह नामुमकिन था, लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है।

मन की बात में इन लोगों का किया जिक्र

पीएम ने मन की बात में जितेंद्र सिंह राठौड़ का जिक्र किया। वह सूरत में रहने वाले जितेंद्र सिंह राठौड़ सिक्योरिटी गार्ड हैं। वे कुछ सालों से उन सभी जवानों की जानकारियां जुटा रहे हैं, जो भारत के लिए दुश्मन देश से लड़े। जितेंद्र के पास प्रथम विश्व युद्ध से लेकर अब तक शहीद हुए वीर जवानों की डिटेल है। उनके पास हजारों जवानों की तस्वीर भी हैं, जो शहीद हो चुके हैं। उन्होंने बिहार की देवकी का भी जिक्र किया। मुजफ्फरपुर के रतनपुरा गांव की रहने वाली देवकी 'सोलर दीदी ' के नाम फेमस हैं। उन्होंने अपने गांव में सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़कर सोलर पंप सिस्टम लगाया है।

स्पोर्ट्स विंडो

किरोस और हसन ने सिडनी मैराथन में बनाए नए रिकॉर्ड

एजेंसी, सिडनी। इथियोपिया के हैलीमारयम किरोस और नीदरलैंड के सिफान हसन ने रविवार को सिडनी मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में नए रिकॉर्ड के साथ जीत हासिल की। किरोस ने पुरुषों की दौड़ दो घंटे छह मिनट और छह सेकंड में जीती। यह ऑस्ट्रेलिया में मैराथन में सबसे तेज समय है। उन्होंने पिछले रिकॉर्ड में एक मिनट से भी अधिक समय का सुधार किया। यह 28 वर्षीय खिलाड़ी हमवतन अदिसु गोबेना से 10 सेकंड आगे रहा। हसन ने महिलाओं की दौड़ में अपना दबदबा बनाते हुए 2:18:22 का समय लेकर जीत हासिल की, जो पिछले साल इथियोपिया की वर्कनेश एडेसा द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड से लगभग तीन मिनट कम है। कीनिया की ब्रिगिड कोसगेई उनसे 34 सेकंड पीछे रहीं, जबकि एडेसा ने 2:22:05 मिनट के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। (अनंत ज्ञान)

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में अजहरुद्दीन करेंगे दक्षिण क्षेत्र की अगुवाई

एजेंसी, बेंगलुरु। केरल के बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन को उत्तर क्षेत्र के खिलाफ चार सितंबर से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए रविवार को तिलक वर्मा की जगह दक्षिण क्षेत्र का कप्तान नियुक्त किया गया। तिलक वर्मा को पहले दक्षिण क्षेत्र का कप्तान नियुक्त किया गया था लेकिन उन्हें एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है और इसलिए वह आगे दलीप ट्रॉफी में नहीं खेल पाएंगे। तिलक वर्मा के साथ अजहरुद्दीन टीम के उपकप्तान थे और अब यह भूमिका तमिलनाडु के एन जगदीशन को सौंप दी गई है। तमिलनाडु के बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर भी सेमीफाइनल में नहीं खेलेंगे, क्योंकि वह अभी हाथ की चोट से उबर रहे हैं। पुडुचेरी के अंकित शर्मा और आंध्र के शेख रशीद को दलीप ट्रॉफी के अंतिम चार मैचों के लिए दक्षिण क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया है। इन दोनों खिलाड़ियों को पहले स्टैंडबाय में रखा गया था। अंकित बाएं हाथ के स्पिनर हैं, जिन्होंने 68 प्रथम श्रेणी मैचों में 168 विकेट लिए हैं। रशीद शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैं, जिन्होंने रणजी ट्रॉफी के 19 मैच में 1204 रन बनाए हैं। (अनंत ज्ञान)

ड्रीम11 के साथ करार खत्म, अब बीसीसीआई की नजर 450 करोड़ रुपए की डील पर

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की नजर अब 2025-2028 की अवधि के लिए 450 करोड़ रुपए की स्पॉसर डील पर है। बोर्ड नए प्रायोजक की तलाश में है, क्योंकि उसने संसद में ऑनलाइन गेमिंग के प्रचार और विनियमन विधेयक पारित होने के बाद ड्रीम11 के साथ अपना करार खत्म कर लिया है। हालांकि, बीसीसीआई को एशिया कप 2025 के लिए समय पर नया प्रायोजक मिलने की संभावना कम है, लेकिन एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बोर्ड को 30 सितंबर से शुरू होने वाले महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए समय पर एक समझौते को अंतिम रूप देने का भरोसा है। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई 2025 और 2028 के बीच होने वाले 140 मैचों के लिए एक प्रायोजक की तलाश में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्रीम11 के साथ अनुबंध का मूल्य 358 करोड़ रुपए था, लेकिन नया अनुबंध एक बेहतर अनुबंध होगा, जो एसीसी और आईसीसी द्वारा आयोजित घरेलू, द्विपक्षीय, बहु-टीम टूर्नामेंटों को कवर करेगा। (अनंत ज्ञान)

इवानोविच का खूबसूरत अंदाज

सर्बिया। सर्बिया की पूर्व टेनिस खिलाड़ी एना इवानोविच अपने टेनिस करियर के अलावा अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। इवानोविच अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए भी चर्चा रहती हैं।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत को मिलेगा ब्रॉन्ज मेडल

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी

एजेंसी, पेरिस

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को यहां विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष युगल सेमीफाइनल में चीन के 11वें वरीय चेन बो यांग और लियू यी से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

भारत के लिए पदक सुनिश्चित करने के एक दिन बाद सात्विक और चिराग के पास विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने का मौका था, लेकिन शनिवार की शाम को 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 19-21, 21-18, 12-21 से हारने के कारण उनका यह सपना पूरा नहीं हो पाया। भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था।

एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर 2011 से लेकर अब तक इस टूर्नामेंट में पदक जीतने का भारत का सिलसिला जारी रखा था। सेमीफाइनल में हालांकि, भारतीय टीम चीनी जोड़ी की कड़ी चुनौती का सामना नहीं कर सकी। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। सात्विक और चिराग ने शुरुआती गेम में आक्रामक रवैया अपनाया और जल्द ही 9-3 की बढ़त बना ली, लेकिन चेन और लियू ने इसके बाद शानदार वापसी की और भारतीय जोड़ी को पीछे छोड़ दिया. इसके बाद चिराग तीसरे गेम प्वाइंट पर चूक गए और चीन की टीम पहला गेम जीतने में सफल रही। (अनंत ज्ञान)

भारतीय जोड़ी की दूसरे गेम में अच्छी शुरुआत

दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 5-1 की बढ़त बना ली। सात्विक के स्मैश और चिराग के नेट पर आक्रामक खेल से भारतीय टीम को बढ़त हासिल करने में मदद मिली, लेकिन इसके बाद चिराग ने नेट पर बार-बार गलतियां की और सात्विक की सर्विस भी अच्छी नहीं रही, जिससे चीन की जोड़ी ने स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। सात्विक के जबरदस्त स्मैश और भाग्यशाली नेट कॉर्ड की बदौलत उन्होंने 21-18 से जीत हासिल की और निर्णायक गेम में प्रवेश किया। तीसरा गेम हालांकि, एकतरफा रहा। लियू की सर्विस ने चिराग को बार-बार परेशान किया और चीनी जोड़ी ने 9-0 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी इंटरवल के समय 3-11 से पीछे थी और इसके बाद वह वापसी करने में नाकाम रही।

यूएस ओपन: सिनर ने डेनिस को हराकर रचा इतिहास

एजेंसी, न्यूयॉर्क। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा और लोगों को यह भी याद दिलाया कि वह कोई मशीन नहीं हैं। सिनर के लिए यह जीत बेहद खास रही क्योंकि वह राफेल नडाल, बोरिस बेकर और नोवाक जोकोविच के बाद सभी ग्रैंड स्लैम मैच में 20 गेम जीतने वाले चौथे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। सिनर इस खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरे हैं और महज 24 साल की उम्र में चार ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। वह यूएस ओपन के गत विजेता हैं और अपने खिताब को बचाने के प्रबल दावेदार हैं। मौजूदा चैंपियन सिनर ने दुनिया के 27वें नंबर के डेनिस शापोवालोव को 5-7, 6-4, 6-3, 6-3 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। सिनर ने मैच के बाद कहा, 'मैं कोई मशीन नहीं हूं और आप सब यह जानते हैं। मुझे भी कभी-कभी संघर्ष करना पड़ता है। मुझ पर भी दबाव होना स्वाभाविक है। आपको मैच के अनुसार सामंजस्य बिठाना पड़ता है।' (अनंत ज्ञान)

नडाल जोकोविच वाले स्पेशल क्लब में हुई एंट्री

गॉफ-ओसाका की चौथे दौर में होगी टक्कर

न्यूयॉर्क। कोको गॉफ और नाओमी ओसाका ने शनिवार को जीत के साथ अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के चौथे दौर में प्रवेश किया है, अब दोनों का आमना-सामना होगा। इन दोनों पूर्व चैंपियन के बीच इससे पहले अमेरिकी ओपन में 2019 में मुकाबला हुआ था। ओसाका तब मौजूदा चैंपियन थी और उन्होंने 15 साल की गॉफ को सीधे सेटों में हरा दिया था। गॉफ इस हार के बाद अपने आंसू नहीं रोक पाई थी और ओसाका ने उन्हें सांत्वना दी थी। ओसाका ने कहा, ''मैं उसे एक छोटी बहन की तरह मानती हूं, इसलिए यहां उसके साथ दोबारा खेलना अच्छा है।''

पाकिस्तान की टी-20 ट्राई सीरीज में लगातार दूसरी जीत

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने यूएई में खेले जा रही टी-20 ट्राई सीरीज में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम ने शनिवार को यूएई को 31 रन से हराया। इससे पहले शुक्रवार को अफगानिस्तान को हराया था। पाकिस्तान के लिए सईम अय्यूब (69 रन) और हसन नवाज (56 रन) ने अर्द्धशतक लगाए। इनके अलावा, फहीम अशरफ और हसन अली ने भी तेज पारियां खेलते हुए पाकिस्तान का स्कोर 207 रन तक पहुंचा दिया, जो टीम का टी-20 में तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

यूएई की ओर से आसिफ खान ने 35 गेंदों में 77 रनों की तूफानी पारी खेली, लेकिन यह जीत के लिए काफी नहीं थी। पाकिस्तान की शुरुआत खराब टॉस जीतकर पाक कप्तान सलमान आगा ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और ओपनर साहिबजादा फरहान जल्दी ही वापस लौट गए। इसके बाद फखर जमान भी अपना विकेट महज 6 रन बनाकर गंवा बैठे। कप्तान सलमान भी 5 रन ही बना सके।

वहीं, सईम अयूब ने एक छोर को संभाले रखा और अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने महज 25 गेंदों में अर्द्धशतक पूरा किया और 38 गेंदों में 69 रन की पारी खेलकर टीम को मुश्किल से निकाला। इस पारी में चार छक्के और सात चौके शामिल रहे।

अयूब को दूसरी तरफ से हसन नवाज का साथ मिला। नवाज ने महज 26 गेंदों में 56 रन बनाएं। नवाज ने अपनी पारी में 2 चौके लगाया और छह सिक्स भी जड़े। दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 25 बॉल पर 57 रन की साझेदारी हुई। लोअर ऑर्डर में मोहम्मद नवाज (25 रन), फहीम अशरफ (16 रन) और हसन अली (9 रन) ने अंतिम चार ओवरों में 45 रन जोड़कर स्कोर को 207 तक पहुंचाया।

यूएई के लिए आसिफ खान ने 77 रन की पारी खेली टारगेट का पीछा करने उतरी यूएई टीम के लिए आसिफ खान ने 35 गेंदों में 77 रन की शानदार पारी खेली। लेकिन यह टीम की जीत के लिए काफी नहीं था। हालांकि, टीम के कप्तान मोहम्मद वसीम ने भी 18 गेंदों में 33 रनों की तेज पारी खेली। उन्होंने टीम को अच्छी शुरुआत दी और यूएई ने पावरप्ले में 33 रन बनाए।

उधर पाकिस्तान के लिए हसन अली और मोहम्मद नवाज ने मिलकर आधी टीम को पवेलियन भेजा और पाकिस्तान की जीत पक्की कर दी। हसन ने 3, जबकि नवाज ने 2 विकेट लिए। (अनंत ज्ञान)

भांबरी-वीनस की शानदार जीत बोपन्ना और अर्जुन काधे बाहर

एजेंसी, न्यूयॉर्क

भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस ने यहां मार्कोस गिरोन और लर्नर टिएन की अमेरिकी जोड़ी को करारी शिकस्त देकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया, लेकिन रोहन बोपन्ना और अर्जुन काधे अपने अपने जोड़ीदारों के साथ हारकर बाहर हो गए।

भांबरी और वीनस की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 6-0, 6-3 से जीत हासिल की। उन्होंने अपनी विरोधी टीम को किसी भी समय वापसी का मौका नहीं दिया और मैच में सिर्फ तीन गेम गंवाए।

भांबरी और वीनस ने पहले सेट में एक भी गेम नहीं गंवाया और दूसरे सेट में भी अपनी लय बरकरार रखा। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों की सर्विस जल्दी ही तोड़ दी और आसानी से मैच अपने नाम किया। भारत के स्टार खिलाड़ी बोपन्ना और मोनाको के उनके जोड़ीदार रोमेन अर्नेडो शनिवार की रात को खेले गए मैच में रॉबर्ट कैश और जेम्स ट्रेसी की अमेरिकी जोड़ी से मात्र एक घंटे पांच मिनट में 4-6, 3-6 से हार गए। कैश और ट्रेसी ने शानदार प्रदर्शन किया और ब्रेक प्वाइंट को प्रभावी ढंग से भुनाया।

इस बीच अमेरिकी ओपन में पदार्पण कर रहे काधे और उनके जोड़ीदार डिएगो हिडाल्गो का मुकाबला मैट पैविक और मार्सेलो अरेवालो की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से था। काधे और हिडाल्गो ने पहला सेट जीतकर दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को थोड़ा परेशान किया, लेकिन आखिर में 7-5, 6-7(4), 4-6 से हार गए। (अनंत ज्ञान)

प्रो कबड्डी लीग

यू मुंबा ने एक प्वॉइंट्स से गुजरात जायंट्स को हराया

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग सीजन-12 में चौथा मैच यू मुंबा और गुजरात जायंट्स के बीच खेला गया। यह मुकाबला काफी रोमांच से भरा रहा है। पहले मुकाबला 29-29 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। मैच में यू मुंबा की तरफ से रोहित और अजित चौहान ने कमाल का प्रदर्शन करके दिखाया, तो वहीं गुजरात जायंट्स के लिए हिमांशु, राकेश ने अच्छा खेल दिखाया। रेड प्वॉइंट्स में यू मुंबा की टीम गुजरात से आगे रही।

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही थी, इसके बाद मैच समाप्त होने तक भी दोनों टीमें बराबरी पर रही। दोनों टीमों का स्कोर 29-29 रहा था। इसके बाद ट्राई ब्रेकर देखने को मिला। टाई ब्रेकर में दोनों टीमों को 5-5 रेड दी जाती है। वहीं टाई ब्रेकर में यू मुंबा ने 6-5 से जीत हासिल करके सीजन-12 में शानदार शुरुआत की। यू मुंबा के रेडर्स ने इस मैच में कुल 15 रेड प्वॉइंट्स हासिल किए थे। यू मुंबा की तरफ से सबसे ज्यादा अंक रोहित ने हासिल किए थे। रोहित ने इस मैच में 7 अंक हासिल किए। इसके अलावा अजित चौहान ने 6 अंक हासिल किए। वहीं लोकेश ने 4 पॉइंट्स हासिल किए थे। कप्तान सुनील कुमार ने 2 अंक हासिल किए थे। वहीं, गुजरात जायंट्स की तरफ से हिमांशु ने सबसे ज्यादा 7 अंक हासिल किए थे। जिसमें 5 रेड, 1 टेकल और बोनस प्वॉइंट्स शामिल रहा। राकेश ने 5 अंक हासिल किए थे। कप्तान शादलू और हारिश ने 4-4 अंक हासिल किए। (अनंत ज्ञान)

24 घंटे बाद भी नहीं बिके भारत-पाक मैच के टिकट

एजेंसी, दुबई

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट सबसे जल्दी बिक जाते हैं, लेकिन 14 सितंबर को एशिया कप में होने वाले भारत-पाक मुकाबले के टिकट बिक्री की शुरुआत के 24 घंटे बाद भी बचे हुए हैं। कारण है, टिकट बिक्री का पैकेज सिस्टम। भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट खरीदने के लिए दर्शकों को 7 मैचों का पैकेज लेना पड़ रहा है। सबसे सस्ता पैकेज 33 हजार 600 रुपए का है। जबकि बैंड लाउंज पैकेज की कीमत 3 लाख 12 हजार रुपए है। (अनंत ज्ञान)

फैंस को लेना पड़ रहा 7 मैचों का पैकेज, कीमत 33 हजार से 3 लाख तक

फैंस बोले-टिकट पैकेज से हुई निराशा

भारतीय फैन का कहना है कि उनके ऑफिस में कई लोग महंगे पैकेज की वजह से टिकट नहीं ले पाए। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि मैच के करीब आते-आते सिर्फ भारत-पाक मैच का टिकट भी उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, पाकिस्तानी प्रशंसक ने बताया कि टिकट पैकेज देखकर पहले निराशा हुई, लेकिन क्वालिफायर और फाइनल समेत 7 मैचों की डील खराब नहीं है।

क्या है 7 मैचों का पैकेज

इस बार 7 मैच के पैकेज में भारत-यूएई, भारत-पाकिस्तान, बी1-बी2, ए1-ए2,ए1-बी2, ए1-बी1 और फाइनल मैच शामिल हैं। यानी बाकी मुकाबलों की तुलना में भारत-पाक मैच देखने के लिए दर्शकों को ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। आयोजक भारत-पाक मैच के जरिए अन्य मैचों में भी दर्शकों को आकर्षित करना चाह रहे हैं, इसलिए उन्होंने यह पैकेज सिस्टम लागू किया है। एशिया कप में कुल 12 ग्रुप मैच होने हैं। इनमें से 11 मैचों के टिकट आम तौर पर 1200 रुपए (जनरल) से लेकर 12 हजार रुपए (ग्रैंड लाउंज) तक उपलब्ध हैं।

पेरिस ओलंपिक में पदक जीत जाती तो ले लेती संन्यास : लवलीना

एजेंसी, नई दिल्ली

लवलीना बोरगोहेन ने अपनी अकादमी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मुक्केबाजी से संन्यास लेने पर विचार किया था, लेकिन पेरिस ओलंपिक खेलों में पदक से चूकने के बाद उन्होंने यह फैसला टाल दिया। असम की यह मुक्केबाज आगामी विश्व चैंपियनशिप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करने के लिए तैयार है और उनका लक्ष्य ओलंपिक में दूसरा पदक जीतना है। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से दूर हैं। रिंग से दूर रहने के दौरान उन्होंने अपनी अकादमी स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्घाटन जून में गुवाहाटी में हुआ।

लवलीना ने कहा, ''जब मैंने अपनी अकादमी शुरू करने के बारे में सोचा तो मैंने पेरिस (ओलंपिक) तक खेलने की योजना बनाई थी और उसके बाद मैं संन्यास ले सकती थी, लेकिन पेरिस में नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा मैंने सोचा था। अगर मैं वहां पदक जीत लेती तो खेल को अलविदा कह सकती थी।'' फ्रांस की राजधानी में 27 वर्षीय लवलीना लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीतने के बेहद करीब पहुंच गई थी, लेकिन महिला मिडिलवेट (75 किग्रा) वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीन की चैंपियन ली कियान से हार गई।

लवलीना से जब पूछा गया कि क्या 2028 में होने वाले ओलंपिक खेल उनका आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है, उन्होंने कहा, ''हां ऐसा संभव है। मैं पेरिस ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीत सकती थी, क्योंकि पोडियम तक पहुंचने वाली सभी खिलाड़ियों को मैं पहले हरा चुकी थी। जिससे मेरे खेल के स्तर का पता चलता है। मैं ओलंपिक पदक जीत सकती हूं।''

लवलीना चार सितंबर से लिवरपूल में शुरू होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भाग लेगी लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि इस प्रतियोगिता के लिए उन्होंने सीमित तैयारी की है। उन्होंने कहा, ''मैं लंबे ब्रेक के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने जा रही हूं। मुझे तैयारी के लिए केवल एक महीने का समय मिला है, इसलिए मैं अपनी सहनशक्ति और ताकत पर भी काम कर रही हूं।'' (अनंत ज्ञान)

गुस्सा

दिल्ली प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर मुकाबले में दिग्वेश राठी संग हुई भिड़ंत पर तोड़ी चुप्पी

कोई मुझे छेड़ेगा तो मैं चुप नहीं बैठूंगा: नितीश राणा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर मुकाबले में शुक्रवार रात वेस्ट दिल्ली लायंस के कप्तान नितीश राणा और साउथ दिल्ली सुपर स्टार्स के गेंदबाज दिग्वेश राठी की भिड़ंत हो गई थी। बीच मैदान दोनों के बीच जमकर बहसबाजी हुई थी, जिसके बाद महिला अंपायर को बीच-बचाव करना पड़ा था। अगले दिन डीपीएल की ओर से दिग्वेश राठी पर आचार संहिता उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 80 प्रतिशत जुर्माना लगया गया, तो वहीं नितीश राणा पर भी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया। इसी बीच अब लायंस के नितीश राणा ने इस मामले में अपनी चुप्पी तोड़ी है। (अनंत ज्ञान)

क्या है मामला

दरअसल, विवाद की शुरुआत साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के गेंदबाज दिग्वेश राठी ने की थी। उन्होंने रनअप लेने के बाद गेंद नहीं फेंकी। यह देख नितीश का पारा हाई हो गया। दिग्वेश फिर रनअप लेकर गेंद फेंकने आए तो इस बार नितीश हट गए। इसके बाद दोनों के बीच काफी तू-तू मैं-मैं हुई। फिर दिग्वेश की गेंद पर नितीश ने छक्का जड़कर कुछ कहा और फिर से दोनों की झड़प हुई तो और अंपायर को मामला शांत कराना पड़ा। जिसका वीडियो डीपीएल टी20 के ऑफिशियल एक्स अकाउंट से पोस्ट किया और वह देखते ही देखते वायरल हो गया।

राणा बोले-खेल का सम्मान करना दोनों की जिम्मेदारी

नितीश राणा ने अपनी टीम के फाइनल में पहुंचने पर कहा कि मुद्दा यह नहीं है कि कौन सही या कौन गलत है। वह अपनी टीम के लिए और मैं अपनी टीम के लिए मैच जीतने उतरा था। क्रिकेट के खेल का सम्मान करना उसकी और मेरी जिम्मेदारी है। उसने ही विवाद की शुरुआत की थी। मैं यह नहीं कहता कि कैसे या क्या हुआ, क्योंकि यह अनुचित होगा।

मैं भी छक्का मारकर दे सकता हूं जवाब

नितीश ने कहा कि हां... अगर कोई मुझे छेड़ेगा या मेरे सामने आएगा तो मैं भी चुप बैठने वालों में से नहीं हूं, क्योंकि मैंने हमेशा से इसी तरह क्रिकेट खेला है। कोई अगर ये सोचता है कि वह मुझे छेड़कर, मुझे उकसाते हुए आउट कर देगा तो मैं भी छक्का मारकर जवाब दे सकता हूं। उन्होंने कहा कि एलिमिनेटर में जो हुआ वो इसी का एक उदाहरण है।